CMYK

3 राज्य
8 संस्करण
19.52 लाख
पाठक

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

रजत जयंती विशेष संस्करण

शाह टाइम्स

देहरादून, सोमवार 15 सितम्बर 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 38 पृष्ठ 12

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि शाह टाइम्स देहरादून अपनी पत्रकारिता की सफल यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती अंक का प्रकाशन कर रहा है। उत्तराखंड राज्य निर्माण की 25 वर्षों की यात्रा के साथ दैनिक शाह टाइम्स राज्य की विकास यात्रा में अपनी सहभागिता निभाते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है।

21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने तथा राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए हम विकल्पहीन संकल्प के साथ प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। राज्य के समग्र विकास की हमारी सोच को साकार करने में शाह टाइम्स भी अपनी सकारात्मक पत्रकारिता के मिशन के साथ सहयोगी बने, यही अपेक्षा है। शाह टाइम्स की गढ़वाल एवं कुमाऊं के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंच उसकी पाठकों में लोक. प्रियता का प्रमाण है। समाजहित से जुड़े दायित्वों के निर्वहन की इसकी निरंतरता बनी रहे, यही मेरी कामना है। शाह टाइम्स के 25 वर्ष रजत जयंती अंक के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

पुष्कर सिंह धामी,
मुख्यमंत्री उत्तराखंड

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि **दैनिक शाह टाइम्स** की और से रजत जयंती अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी समाचार पत्र के लिए 25 वर्षों की सफल यात्रा का कालखण्ड निश्चय ही गर्व और सम्मान की अनुभूति का विषय होता है।

सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही समाचार पत्रों की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होती है। राज्य सरकार द्वारा संचा. लित जनहितकारी नीतियों और योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने का दायित्व निभाना ही सार्थक पत्रकारिता मानी जाती है।

सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के महत्त्वपूर्ण दायित्वों के कारण ही इसे लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। सार्थक पत्रका. रिता का उद्देश्य यही होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक सशक्त कड़ी का कार्य करे। दैनिक शाह टाइम्स अपनी स्वस्थ पत्रकारिता की प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सहभागी बने, यही अपेक्षा है। दैनिक शाह टाइम्स के 25 वर्षों की इस रजत जयंती यात्रा एवं इसके सफल प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बंशीधर तिवारी
महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क उत्तराखंड

आज हृदय अपार संतोष और गर्व से भरा है कि 25 वर्ष पूर्व दैनिक शाह टाइम्स के रूप में जिस छोटे से पौधे को मैंने अपने हाथों से सींचा था, आज वह एक विशाल, घना और छायादार वटवृक्ष बन चुका है। हमें इस बात का भी गौरव है कि इस पूरी यात्रा में हमने पत्रकारिता के उच्च आदर्शों और मूल्यों को कभी डिगने नहीं दिया। इस गौरवपूर्ण रजत जयंती वर्ष के पावन अवसर पर, मैं अपने समस्त प्रबुद्ध पाठकों, सम्मानित विज्ञापनदाताओं, स्नेही शुभचिंतकों और प्रत्येक कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी को हृदय की अतल गहराइयों से हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं अर्पित करता हूं।

सम्पादक

25 वर्ष: सच का बेमिसाल सफर

देहरादून। पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, समाज को दिशा देना भी है। इस विचारधारा को आत्मसात करते हुए, वर्ष 1999 में मुजफ्फरनगर से प्रकाशित होने वाला प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक शाह टाइम्स, पृथक राज्य बनने के बाद उत्तराखंड की भूमि पर वर्ष 2001 में पहली बार कदम रखता है। राज्य गठन के साथ ही समाचार जगत में यह एक नया अध्याय था। कुमाऊं मंडल से हल्द्वानी संस्करण और गढ़वाल मंडल से देहरादून संस्करण के रूप में शाह टाइम्स ने अपने क्षेत्रीय संस्करणों का शुभारंभ किया। यह केवल एक अखबार की शुरुआत नहीं थी, बल्कि नवोदित राज्य के विकास की यात्रा में एक सहयोगी की भूमिका और समाज के प्रति एक उत्तरदायित्वपूर्ण यात्रा का आरंभ था। उत्तराखंड के निर्माण से लेकर विकास तक के हर मोड़ का साक्षी बनने की यात्रा।

प्रकाशन यात्रा: शब्दों से सरोकार तक

उत्तराखंड के निर्माण के साथ ही जब नई व्यवस्थाएं आकार ले रही थीं, उसी समय शाह टाइम्स ने इस नवोदित राज्य की नब्ज को पहचाना। हल्द्वानी और देहरादून से शुरू हुए इन दो संस्करणों ने पहाड़ के गांवों से लेकर राजधानी के गलियारों तक, जनभावनाओं को स्वर देने का कार्य किया। यह यात्रा केवल समाचार छापने की नहीं थी। यह यात्रा जन-सरोकारों की, स्थानीय मुद्दों की, और नीतियों पर जन अभिव्यक्ति को स्थान देने और सवाल उठाने की थी।

सकारात्मक पत्रकारिता का दर्पण

पिछले 25 वर्षों में जब उत्तराखंड ने राजनीतिक उठापटक, प्राकृतिक आपदाएं और विकास की ऊंचाइयों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की, तब शाह टाइम्स हर मोड़ पर एक सजग प्रहरी के रूप में खड़ा रहा। चकराता के जंगलों में आग हो या जोशीमठ का भू-धंसाव, चारधाम यात्रा की कठिनाइयां हों या राज्य की राजनीति में आया संकट हो।

शाह टाइम्स की रिपोर्टिंग ने जनता की समस्याओं को न केवल उजागर किया, बल्कि नीति-निर्माताओं तक पहुंचाया। सरकार की जनहितकारी योजनाओं को भी प्रभावशाली ढंग से जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनीतिक तटस्थता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता इस अखबार की सबसे बड़ी पहचान रही है।

एम. फहीम 'तन्हा'

चुनौतियों भरा, लेकिन डिगा नहीं सफर

पिछले 25 वर्षों में शाह टाइम्स ने पत्रकारिता के उसूलों पर कभी समझौता नहीं किया। कई बार बाजार की प्रतिस्पर्धा ने चुनौती दी, कभी तकनीकी संसाधनों की कमी ने रफ्तार धीमी की, तो कभी राजनीतिक दबावों ने कठिन हालात खड़े किए। लेकिन हल्द्वानी और देहरादून संस्करण की टीमों ने सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना खबरों की तलाश में, सच्चाई की खोज में, और जनहित की रक्षा में अपना संपूर्ण योगदान दिया।

जनता का प्रेम: सबसे बड़ा पुरस्कार

खबरें छुपाता नहीं, छापता है के स्लोगन को आत्मसात करते हुए दैनिक शाह टाइम्स ने राज्य के हर जिले, हर तहसील और हर कस्बे तक अपनी पकड़ बनाई। इस अखबार को पाठकों ने हमेशा विश्वसनीय साथी माना। एक ऐसा साथी जो, न तो सनसनी फैलाता है, न ही किसी प्रकार की चाटुकारिता की पत्रकारिता करता है, बल्कि तथ्यों के साथ सच की बात करता है। 25 वर्षों बाद भी शाह टाइम्स पत्रकारिता में एक सम्मानित नाम है और जनता का अटूट विश्वास भी।

समर्पण की टीम

किसी भी अखबार की सफलता के पीछे एक जुझारू टीम होती है। हल्द्वानी और देहरादून की टीमों सहित शाह टाइम्स के सभी संस्करणों में प्रत्येक स्टेशन पर कार्यरत संपादकीय टीम के साथियों ने समाचारों की डेडलाइन से परे जाकर, जनसरो. कारों, क्षेत्रीय मुद्दों और लोक संस्कृति को महत्व दिया। संवाददाताओं से लेकर संपादकों तक, सभी ने ग्राउंड रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी, जिससे अखबार कुर्सी से नहीं, जमीन से जुड़ा महसूस हुआ। शाह टाइम्स की संपादकीय टीम का संचालन कार्यकारी संपादक के रूप में 21 वर्षों से आनन्द बत्रा सुमन सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं।

नवाचार और भविष्य की ओर दृष्टि

आज जब पारंपरिक रूप से चलने वाला प्रिंट मीडिया डिजिटल हो रहा है, तो शाह टाइम्स ने भी डिजिटल विस्तार, सोशल मीडिया, और मोबाइल रीडिंग जैसे पहलुओं में अपने प्रभावी कदम बढ़ाए हैं। पत्रका. रिता के मूल्य, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व व जनहित से जुड़े सरोकार जैसे सिद्धांत डिजिटल होने के बावजूद जस के तस हैं।

रजत से स्वर्ण की ओर

25 वर्षों की यह रजत यात्रा शाह टाइम्स की सदाबहार प्रासंगिकता का प्रतीक है। उत्तराखंड के जन-जीवन से जुड़ाव, राज्य के हर मोड़ पर सच्चाई को सामने रखने का साहस के प्रति निष्ठा। यही शाह टाइम्स की पहचान है। अब यह रजत पड़ाव स्वर्णिम भविष्य की ओर बढ़ते कदमों की तैयारी है। **शब्द रुके नहीं हैं, यात्रा जारी है।**

ऐतिहासिक दिन: जब एनडी तिवारी बने सम्पादक

दैनिक शाह टाइम्स के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय तब जुड़ गया, जब उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री, पंडित नारायण दत्त तिवारी, देहरादून के सुभाष रोड स्थित अखबार के कार्यालय में पधारे। यद्यपि उनका आगमन एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित था, किंतु संपादकीय कक्ष की दहलीज पर कदम रखते ही उनके भीतर का जन्मजात पत्रकार सहसा जाग उठा। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के तत्काल तत्कालीन स्थानीय संपादक नरेंद्र सेठी और उप-संपादक मोहम्मद शाहनजर के साथ उस दिन की प्रमुख खबरों पर गहन विमर्श किया। लगभग एक घंटे तक, पंडित तिवारी ने स्वयं बड़ी दिलचस्पी और गहनता से समाचार संपादन की कमान संभाली। यह अविस्मरणीय क्षण दैनिक शाह टाइम्स की संपादकीय स्वतंत्रता, उसकी अकाट्य साख और पत्रकारिता के प्रति उसकी अडिग गंभीरता का एक उदात्त प्रमाण बन गया।

8 संस्करणों का सफर

दमदार भूमिका

मुजफ्फरनगर

शाह पब्लिकेशन द्वारा 6 सितंबर 1999 को जनसरोकारों और सकारात्मक पत्रकारिता के दृष्टिकोण को आगे रखते हुए शुरू किया गया हिंदी दैनिक समाचार पत्र शाह टाइम्स आज तीन राज्यों में 8 संस्करणों के साथ निष्पक्ष और सबसे भरोसेमंद पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। इन राज्यों के विकास में शाह टाइम्स ने सदैव एक प्रेरक की भूमिका निभाई है। यह अखबार 25 वर्षों में एक विशाल वृक्ष बन गया, जो उत्तर भारत में हिंदी पत्रकारिता का मजबूत स्तंभ है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसके स्लोगन खबरें छुपाता नहीं। छापता है की व्यापक पहचान और पाठकों के बीच इसकी विश्वसनीयता से लगाया जा सकता है। यह अखबार पूरे उत्तराखंड में एकमात्र ऐसा प्रकाशन है जो सभी जिलों में सामान्यत: एक समान पठन सामग्री उपलब्ध कराता है, जिससे क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा मिला।

देहरादून

26 मार्च 2001 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से गढ़वाल संस्करण की शुरुआत करने वाला दैनिक शाह टाइम्स उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। इस अखबार ने राज्य के सामाजिक, राजनी. तिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परि.श्य में घटित तमाम प्रमुख घटनाओं को न केवल सूक्ष्मता से कवर किया, बल्कि विकास से

जुड़ी जनसमस्याओं को भी प्रभावशाली ढंग से उजागर किया।

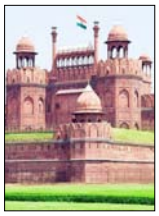

नई दिल्ली

देश की राजधानी नई दिल्ली से 29 नवंबर 2002 अपने नई दिल्ली संस्करण की शुरुआत कर राष्ट्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सशक्त उपस्थिति दर्ज की। ऐतिहासिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दिल्ली न केवल भारत की सत्ता का केंद्र है, बल्कि विविधता में एकता, आधुनिकता और परंपरा का अद्वितीय संगम भी है। अपनी निर्भीक पत्रकारिता और वस्तुनिष्ठ .ष्टिकोण के साथ यह संस्करण राष्ट्रीय राजधानी के सामाजिक व राजनीतिक परि.श्य का एक विश्वसनीय दर्पण बन चुका है।

मुरादाबाद

दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद 11 अप्रैल 2003 में अपने मुरादाबाद संस्करण की शुरुआत की। पीतल नगरी के नाम से प्रसिद्ध मुरादाबाद न केवल अपने हस्तशिल्प उद्योग के लिए जाना जाता है, बल्कि यह सांस्कृतिक विविधता, व्यापारिक सक्रियता और शैक्षणिक प्रगति का भी केंद्र रहा है। इन वर्षों में दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद मंडल की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों को निष्पक्ष, संवे. दनशील तथा जनपक्षधर पत्रकारिता के माध्यम से प्रस्तुत किया।

हल्द्वानी

22 अप्रैल 2003 को कुमाऊं संस्करण के साथ दैनिक शाह टाइम्स ने कुमाऊं मंडल में जनभावनाओं, विकास संबंधी मुद्दों और प्रशासनिक गतिविधियों को निष्पक्षता और गंभीरता से प्रस्तुत करते हुए इसने जनता और शासन के बीच संवाद का मजबूत माध्यम तैयार किया है। क्षेत्रीय सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के चलते यह संस्करण कुमाऊं की पत्रकारिता में एक विश्वसनीय महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

मेरठ

मेरठ संस्करण की शुरुआत मेरठ 13 फरवरी 2007 में हुई थी। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक .ष्टि से समृद्ध मेरठ न केवल 1857 की क्रांति की पहली चिंगारी के लिए जाना जाता है, बल्कि यह आज भी खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मेरठ मंडल की राजनीतिक हलचलों, सामा. जिक बदलावों, प्रशासनिक

नीतियों और जन आंदोलन की गहराई से रिपोर्टिंग करते हुए शाह टाइम्स ने जनता की आवाज को मजबूती से उठाया है।

जुड़े पत्रकारिता व साहित्य के बड़े हस्ताक्षर

शाह टाइम्स की इस 25 वर्षों की रजत यात्रा में पत्रकारिता एवं लेखन के प्रसिद्ध हस्ताक्षर डॉ. मेहरुद्दीन खां, पत्रकारिता के भीष्म पितामह के नाम से प्रसिद्ध श्याम अंजान और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कमलेश्वर सहित कई अन्य बड़े वरिष्ठ पत्रकारों और साहित्यकारों के उल्लेखनीय योगदान एवं सहयोग ने अखबार की सफलता को नई ऊंचाइयां दीं। जिसमें संपादकीय टीम के साथ तकनीकी टीम और अन्य स्टाफ का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बरेली

बरेली संस्करण की 18 जुलाई 2003 को में शुरुआत कर शाह टाइम्स ने रुहेलखंड क्षेत्र की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा। सांस्कृतिक, धार्मिक और औद्योगिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान रखने वाला बरेली, झुमका नगरी के नाम से प्रसिद्ध है और यहां का सर्जिकल, फर्नीचर व बांस उद्योग राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ चुका है। पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण बरेली के विकास यात्रा का सजीव दस्तावेज बन चुका है।

लखनऊ

उप्र की राजधानी लखनऊ से 1 अगस्त 2009 आठवें संस्करण की शुरुआत की। अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और साहित्यिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध लखनऊ न केवल प्रशासनिक और राजनीतिक केंद्र है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और उद्योग के क्षेत्र में भी इसकी विशिष्ट पहचान है। अपनी निष्पक्ष, सटीक और जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण लखनऊ और उत्तर प्रदेश के विकास यात्रा का सशक्त साक्षी बन चुका है।

संक्षिप्त समाचार

तीन विभागों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षक दिवस पांच सितम्बर को सभी शिक्षकों के लिए की गई कैशलेश चिकित्सा सुविधा का लाभ देने की घोषणा की गई थी। इस सुविधा का लाभ बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा के साथ ही श्रम, समाज कल्याण व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के शिक्षकों-कर्मचारियों को भी मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से इन सभी विभागों को पत्र भेजकर निर्धारित प्रोफार्मा पर सूचना मांगी गई है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ ही शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयां को इस योजना का लाभ मिलना था।

यूपी का रहस्यमयी मठ, जो भी अंदर गया, जिंदा नहीं बचा

बलिया। यूपी के बलिया में एक रहस्यमयी मठ है, जिसके अंदर जिसने भी प्रवेश किया, वह जिंदा नहीं बचा। इसकी मान्यता काफी अजीबो-गरीब है। यहां आज दिन तक कोई ऐसा मठाधीश नहीं रहा, जो जीते जी मठ से कभी बाहर निकला हो। इस मठ में खुद कपिलमुनि पांडेय ने तपस्या करते हुए एक लक्ष्मण रेखा खींच दी थी। साथ ही आदेश दिया था कि कोई भी मठाधीश इस सीमा को पार न करे। तब से लेकर आज तक इस मठ की परंपरा और डर, दोनों बरकरार हैं। यहां के मठाधीश बाहर की दुनिया नहीं देख सकते हैं। यह रहस्यमयी मठ बैरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रकबा टोला गांव में है। इस मठ का नाम मुन जी बाबा की मठिया है। वर्तमान मठाधीश जयनारायण पांडेय के अनुसार वह इस परंपरा की आठवीं पीढ़ी में महंथ हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नियुक्ति पर लगाई रोक, सरकार से मांगा जवाब

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को झटका

प्रयागराज, वार्ता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को तगड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) कंप्यूटर पदों की भर्ती में गैर बीएड डिग्रीधारकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है।

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में बीएड की अनिवार्यता समाप्त करने पर सरकार से दो हफ्ते में जवाब तलब किया है। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की अदालत ने जौनपुर निवासी प्रवीन मिश्रा व अन्य की ओर से वर्ष 2024 में बने छठे संशोधन नियम और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 2025 में विज्ञापित सहायक अध्यापक भर्ती को चुनौती देने

सरकार की दलील मानने से किया इन्कार

वाली याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस पद पर नियुक्ति के लिए बीएड की डिग्री अनिवार्य है, जबकि राज्य सरकार ने इसे केवल वांछनीय योग्यता बताकर भर्ती की राह आसान करने की कोशिश की। कोर्ट ने साफ किया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि छठे संशोधन नियम व आयोग के विज्ञापन में कहा गया कि कंप्यूटर शिक्षक के पद पर बीएड केवल वरीयता मानी जाएगी, अनिवार्य नहीं, जबकि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना के मुताबिक कंप्यूटर शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए बीएड अनिवार्य योग्यता है। इसके खिलाफ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि एनसीटीई की 12 नवम्बर 2014 की अधिसूचना में बीएड को माध्यमिक स्तर के सभी अध्यापक पदों के लिए न्यूनतम योग्यता घोषित किया गया है। इसलिए राज्य सरकार इसे बदल नहीं सकती। वहीं राज्य सरकार के अधिवक्ता ने दलील दी कि 2018 की भर्ती में बीएड योग्य अभ्यर्थियों की कमी के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त रह गए थे। छात्रों के हित में संशोधन कर अधिक उम्मीदवारों को अवसर देने की कोशिश की गई। अदालत ने सरकार की दलीलों को मानने से इन्कार कर दिया।

यूपी के सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में श्रमदान शुरू

लखनऊ। यूपी सरकार ने राज्य के सभी सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को श्रमदान अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत विद्यार्थी खुद अपना परिसर सजाएंगे। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और अभिनव कदम बढ़ाया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में प्रत्येक रविवार श्रमदान कार्यक्रम शुरू हो गया है। सरकार की इस नई पहल के तहत अब सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान किया जाएगा, ताकि वो अपने परिसर को खुद सजा सकें और साफ-सुथरा रख सकें। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, साथ ही बागवानी के जरिए से पर्यावरण चेतना भी बढ़ाना है। श्रमदान कार्यक्रम के तहत प्रत्येक रविवार को विद्यालय और छात्रावास में टूटी हुई कुर्सियां, मेज और अन्य फर्नीचर की मरम्मत की जाएगी, पानी की टंकियों और नालियों की सफाई एवं कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यूपी में आज रात से भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, वार्ता

पूरे प्रदेश में दो दिन तक अभी उमस और परेशान करेगी। सोमवार देर शाम से मौसम में बदलाव की उम्मीद है। तापमान भी गिर सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार मध्यांचल में सोमवार व मंगलवार को कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं पूर्वांचल में भारी या मध्यम बारिश हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार देर शाम से पूर्वांचल में भारी बारिश की संभावना है, जिसकी शुरुआत नेपाल बार्डर से सटे कुशीनगर व अन्य जिलों से हो सकती है। बारिश उत्तर से दक्षिण की ओर स्थानांतरित होगी। तीन से चार दिन तक बारिश के आसार हैं। तराई क्षेत्र में अच्छी बारिश की उम्मीद है, लेकिन रविवार और सोमवार को प्रदेश में छिटपुट

दो दिन और सताएगी गर्मी-उमस

बूंदाबांदी के बीच उमस परेशान करती रहेगी। सोमवार के बाद से पश्चिमी राजस्थान में मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में फिलहाल अभी ऐसी स्थिति नहीं है। लो प्रेशर एरिया की वजह से सोमवार शाम से मध्यांचल में मध्यम बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का खास असर देखने को नहीं मिलेगा। यूपी में बीते कुछ दिनों से भारी उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा है। लखनऊ और उसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह से शाम तक धूप बनी रही।

चावल के दाने पर तस्वीर देख चौंके राहुल

रायबरेली, वार्ता

अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उस समय चौंक गए, जब उन्होंने अपनी तस्वीर चावल के एक दाने पर देखी। कलाकार ने अरहर के दाने पर भी राहुल की तस्वीर उकेरी थी। इसे देखकर राहुल गांधी ने कलाकार की जमकर तारीफ की। रायबरेली के कलाकार मो. नसीम ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की चावल पर बनी तस्वीरें नेता प्रतिपक्ष को भेंट कीं।

कलाकार मो. नसीम ने बताया कि राहुल गांधी ने यह तस्वीरें देखकर कहा कि इतनी महीन कारीगरी कैसे कर लेते हैं? उन्होंने आश्वासन दिया कि हमारी सरकार आई, तो ऐसा सम्मान देंगे, जिसे आपने सोचा

रायबरेली के कलाकार ने गिफ्ट किया मोमेंटो

तक नहीं होगा। नसीम ने बताया कि 11 सितंबर को सांसद राहुल गांधी रायबरेली पहुंचे तब उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की तस्वीर को चावल के एक दाने पर बनाया। दाल के दाने पर उन्होंने एक्रेलिक पेंट्स से राहुल गांधी की तस्वीर बनाई और उन्हें गिफ्ट की। नसीम ने बताया कि पिछले 25 वर्ष यानी 1999 से यह कलाकारी कर रहे हैं। 5 बार का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके नाम है। रायबरेली का नाम पूरी दुनिया मे रोशन किया है। मो. नसीम ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी उनके हुनर की तारीफ की थी, सम्मान भी दिया था। मो. नसीम के घर पर इसी तरह से चावल के दाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन सहित दिग्गज हस्तियों का चित्र बनाकर रखा ह। मो. नसीम ने बताया कि कई बार मुंबई में नेताओं और अभिनेताओं ने उन्हें सम्मानित किया है। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा का दाल के दाने पर चित्र बनाने के बाद उन्होंने भी अमेठी में मिलने के लिए उन्हें बुलाया है।

शुरुआत में राहुल गांधी को छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। राहुल गांधी के रायबरेली दौर को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीखा व्यंग करते हुए कहा कि शुरुआत में राहुल गांधी को हाइड्रोजन बम के स्थान पर छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था। राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान दिए गए बयान को लेकर रविवार को कटाक्ष करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स लिखा कि कांग्रेस को अपने मनमौजी नेता राहुल गांधी के हाथों में सीधे एटम बम या हाइड्रोजन बम नहीं थमाना चाहिए था। शुरुआत में उन्हें कोई छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था।

सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करें

नई दिल्ली, वार्ता

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत में कई भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें हिंदी देश की सबसे बड़ी आबादी में बोली जाने वाली भाषा है। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। इसी फैसले को याद करते हुए 14 सितंबर 1953 को हिंदी दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हमारा देश मूलतः भाषा प्रधान राष्ट्र है। हमारी भाषाएं संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम रही हैं। हिंदी दिवस के अवसर हम हिंदी सहित सभी

हिंदी दिवस पर अमित शाह की अपील

भारतीय भाषाओं का सम्मान करें और एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और विकसित भारत की ओर अग्रसर हों।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में बिहू के गीत, तमिलनाडु में ओवियालु की आवाज़, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति के पद, बंगाल में बाउल संतों के भजन, कजरी गीत और भिखारी ठाकुर का बिदेसिया - इन सभी ने देश की संस्कृति को जीवंत और कल्याणकारी बनाए रखा है। गृह मंत्री ने कहा कि संत तिरुवल्लुवर के पद दक्षिण में उतनी ही श्रद्धा से गाए जाते हैं जितनी उत्तर में उन्हें रुचि के साथ पढ़ा जाता है और कृष्णदेव. राय दक्षिण में भी उतने ही लोक. प्रिय थे जितने उत्तर में। अमित शाह ने कहा कि सुब्रमण्यम भारती की देश भक्तिपूर्ण रचनाएं हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास हर भारतीय के लिए पूजनीय हैं और संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम में अनुवादित पाए जाते हैं।

सेंसेक्स 81101.32
निफ्टी 24868.60

सोना रु. 109707
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 128008
प्रति किलो

महंगाई के आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों का रुख महंगाई के आंकड़ों और अमेरिका में फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों के बारे में फैसले पर निर्भर करेगा।

खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े गत शुक्रवार को बाजार बंद होने पर जारी किए गए थे। वहीं कल यानी सोमवार को थोक महंगाई के आंकड़े भी जारी होंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दरों पर बैठक मंगलवार और बुधवार को होगी और दूसरे दिन बयान जारी किया जाएगा। इन सभी कारकों का बाजार पर असर देखने को मिलेगा। खुदरा महंगाई दर जुलाई की तुलना में बढ़कर 2.07 प्रतिशत पर रही। खाद्य मुद्रास्फीति जहां एक बार फिर शून्य से नीचे रही, वहीं गैर-खाद्य मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। निवेशकों की नजर अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर भी रहेगी। बीते

सप्ताह शेयर बाजार में प्रमुख सूचकांक पांचों दिन बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,193.94 अंक (1.48 प्रतिशत) की साप्ताहिक तेजी के साथ शुक्रवार को 81,904.70 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 373 अंक यानी 1.51 प्रतिशत चढ़कर 25,114 अंक पर पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियां भी दिग्गज कंपनियों की राह पर रहीं। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.10 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.90 प्रतिशत मजबूत हुए। सप्ताह के दौरान निफ्टी आईटी सूचकांक में चार प्रतिशत के अधिक की तेजी रही। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक करीब तीन प्रतिशत बढ़त में रहा। ऑटो और धातु सूचकांक दो प्रतिशत के अधिक चढ़े। निफ्टी फार्मा में करीब दो प्रतिशत की तेजी रही।

टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक एक प्रतिशत टूट गया। सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। बीईएल में 7.63 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। बजाज ऑटो का शेयर 6.99 प्रतिशत, इंफोसिस का 5.62 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 5.36 प्रतिशत चढ़ा। एक्सिस बैंक का शेयर 4.65 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा के शेयर तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत हुए। मारुति सुजुकी, टीसीएस और भारतीय स्टेट बैंक में दो प्रतिशत के अधिक की साप्ताहिक तेजी रही। ट्रेंट का शेयर 7.15 प्रतिशत टूट गया। टाइटन में 2.57 फीसदी, इटरनल में 2.35 फीसदी और हिंदुस्तान यूनिलिवर में 2.01 प्रतिशत की गिरावट रही।

रुपए में रही 17 पैसे की साप्ताहिक गिरावट

मुंबई। रुपया बीते सप्ताह दबाव में रहा और ऐतिहासिक निचले स्तर तक लुढ़कने के बाद 16.75 पैसे की साप्ताहिक गिरावट में शुक्रवार को 88.26 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा गत सप्ताह गुरुवार को 88.35 रुपए प्रति डॉलर तक फिसल गयी थी। उसी दिन बीच कारोबार में यह 88.49 रुपए प्रति डॉलर तक भी लुढ़की थी। निजी और सार्वजनिक बैंकों की डॉलर लिवाली से रुपए पर दबाव रहा, हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बाजार से पैसा निकालने से रुपए को कुछ समर्थन मिला और यह सप्ताहांत पर 88.26 रुपए प्रति डॉलर रहा।

चावल नरम, गेहूं-चीनी मजबूत, खाद्य तेलों में घटत-बढ़त, दालों के दाम बढ़े

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गए, जबकि गेहूं में तेजी रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया, जबकि दालों के दाम बढ़ गए।

घरेलू थोक जिस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 18 रुपए कम होकर सप्ताहांत पर 3,759 रुपए प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं 10 रुपए महंगा होकर 2,859.13 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत भी 24 रुपए बढ़ गयी और सप्ताहांत पर यह 3,334.63 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत 68 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंगफली तेल में 288 रुपए और वनस्पति में 112 रुपए प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गयी। सूरजमखी तेल 70 रुपए और पाम ऑयल 140 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वहीं सोयाबीन तेल 30 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। बीते सप्ताह दाल-दलहनों के दाम बढ़ गए। उड़द दाल में 42 रुपए और दाल मूंग में 38 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। तुअर दाल भी आठ रुपए महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 23 रुपए प्रति क्विंटल

बढ़ गई। चना दाल के भाव कमोबेश स्थिर रहे। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में लगातार दो सप्ताह की नरमी के बाद फिर तेजी लौट आयी। गुड़ के औसत भाव करीब 54 रुपए प्रति क्विंटल और चीनी के 29 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गए। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7892.79 रुपए, मसूर काली 8115.39 रुपए, मूंग दाल 10089.95 रुपए, उड़द दाल 10446.72 रुपए, अरहर दाल 10571.89 रुपए प्रति क्विंटल। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2859.13 रुपए और चावल 3759 रुपए प्रति क्विंटल। चीनी-गुड़: चीनी एस 4329.01 रुपए और गुड़ 4980.74 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

कीमत बढ़ने से कम सोना खरीद रहे लोग, कैरेट पर भी कर रहे समझौता

नई दिल्ली। सोने की कीमत आसमान पर होने के कारण लोगों ने गहने-जेवरात की खरीद कम कर दी है, यहां तक कि कैरेट पर भी समझौता कर रहे हैं, इसके बावजूद सर्राफा व्यापारियों की चांदी है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,13,000 रुपये प्रति दस ग्राम से ऊपर है, जो पहले कभी नहीं देखा गया था। यह इस साल 30 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हुआ है।

यहां भारत मंडपम में 13 से 15 सितम्बर तक जारी तीन दिवसीय दिल्ली ज्वेलरी एंड जेम्स फेयर 2025 में मीडिया से बात करते हुए इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतल वकील वालिया ने कहा कि ऊंची कीमत के अलावा एक और तथ्य है जो लोगों की पसंद को प्रभावित कर रही है। अब महिलाएं भारी जेवर की बजाय हल्के जेवर ज्यादा पसंद करती हैं जिन्हें वे ऑफिस या घरों में भी रोजाना पहन सकें, न कि सिर्फ खास मौकों पर। इसलिए, लोग शादियों में भी हल्के जेवर दे रहे हैं। यह जेब के लिए किफायती भी है और फैशन पसंद युवा वर्ग के लिए बिल्कुल सही है। यही कारण है कि अब बड़े सेट ज्यादा नहीं बिक रहे हैं। ज्वेलरी डिजाइनर वालिया ने कहा कि हमारे देश में कुछ भी हो जाए, लोग शादी-विवाह में गहने जरूर देते हैं। लेकिन बजट को देखते हुए अब वे कैरेट पर समझौता कर रहे हैं। दक्षिण भारत में पहले 22 कैरेट से कम का सोना बिकता ही नहीं था, अब वहां भी 18 कैरेट का सोना बिकने लगा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नौ करेट के सोने को भी हॉलमार्क देने का फैसला करते हुए सरकार ने अब उसकी बिक्री को भी मान्यता दे दी है। द बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (टीबीजेए) के चेयरमैन रामअवतार वर्मा ने भी स्वीकार किया कि लोग अब पहले के मुकाबले कम सोना खरीद रहे हैं, लेकिन दाम इतने ऊंचे हैं कि व्यापारियों की आय बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सोने की कीमत अभी और बढ़ेगी, क्योंकि पहले भी दाम में कितनी ही तेज उछाल के बाद भी इसने कभी वापस मुड़कर नहीं देखा। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं। उसका कहना है कि इस साल देश में सोने की खपत पांच साल के निचले स्तर पर 600 से 700 टन के बीच रह सकती है। पिछले साल यह 802.8 टन रही थी। अप्रैल-जून तिमाही में खपत 10 प्रतिशत कम होकर 134.9 टन रही थी।

बॉर्डर खुला, चार दिन बाद दिखी चहल-पहल

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। सील रुपईडीहा बॉर्डर सुबह 10 बजे खोल दिया गया। इससे दोनों देशों के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू हो गया।

कड़ी जांच के बाद ही सभी को आगे भेजा जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। इस बीच आईसीपी के पास लैंड पोर्ट में लगी ट्रकों की कतार भी करीब समाप्त हो गई। नेपाल में उपद्रव और बॉर्डर सील होने के कारण भारत-नेपाल व्यापार पांच दिन तक ठप रहा। इस दौरान भारत के निर्यातकों का करीब 22 करोड़

खत्म हुई ट्रकों की कतार, दोनों देशों के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू

रुपए का टर्नओवर प्रभावित हुआ है। वहीं, लैंड पोर्ट प्रशासन को भी 12 लाख रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा। राहत की बात यह रही कि नेपाल के हालात को देखते हुए ट्रकों से सामान्य शुल्क ही लिया गया। इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) में प्रतिदिन रुकने पर लगने वाला जुर्माना माफ कर दिया गया। आवागमन शुरू होने से शनिवार सुबह बॉर्डर पर रौनक लौटी। करीब 10 हजार लोग नेपाल से भारत आए। एसएसबी के अनुसार करीब पांच हजार नेपाली नागरिक भी यहां से नेपाल गए। साप्ताहिक अवकाश के कारण नेपाल में सरकारी कार्यालय बंद रहे। रविवार से सरकारी कार्यालयों के भी खुलने की उम्मीद है, जिससे हालात और भी सामान्य होंगे। बॉर्डर खुलने से स्थानीय व्यापारियों ने भी राहत की सांस ली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बलराम मिश्रा, संरक्षक विजय मित्तल और रतन अग्रवाल ने बताया कि धीरे-धीरे व्यापार पटरी पर लौटने की उम्मीद है। व्यापारी नेताओं के अनुसार शनिवार को नेपाल से बड़ी संख्या में खरीदार रुपईडीहा बाजार आए। इससे एक दिन में करीब 50 लाख रुपए के कारोबार की उम्मीद है। नेपाली नागरिकों ने सबसे ज्यादा खाद्य पदार्थों की खरीद की।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, सोमवार 15 सितम्बर 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 38 पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

25 Year ANNIVERSARY

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

shahtimes2015@gmail.com आश्विन कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 22 रबी उल अव्वल1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

सूचना

सभी सम्मानित पाठकों और विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि **दैनिक शाह टाइम्स** के रजत जयंती विशेषांक के क्रम में आज का अंक 12 + 12 = 24 पृष्ठ का है।

-व्यवस्थापक

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप, मकानों में दरारें आई

नई दिल्ली। असम में रविवार शाम 4:41 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक,भूकंप का केंद्र असम के उदलगुरी में था। इसके झटके पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश भूटान तक महसूस किए गए। भूकंप के बाद गुवाहाटी में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। अब तक कहीं से जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, कई मकानों में दरारें आ गई हैं। भूकंप के बाद असम के कई जिलों में मकानों में दरार आ गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि असम में बड़ा भूकंप आया। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं, सभी सतर्क रहें।

अमृतसर मंदिर में ग्रेनेड हमले के आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्रपेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर में ग्रेनेड हमला करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआईए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार एनआईए ने शुक्रवार को मोहाली (पंजाब) की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में विशाल गिल , भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप लगाया है। एनआईए के अनुसार विशाल गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च, 2025 तड़के ग्रेनेड फेंका था।

आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख आज

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की सोमवार को आखिरी तारीख है और ऐसे में आयकर विभाग ने लोगों को अंतिम समय में संभावित परेशानी से बचने के लिए रविवार को ही अपना रिटर्न भरने की सलाह दी। विभाग ने सोशल मीडिया के माध्यम से रविवार को बताया कि अपना आयकर रिटर्न आज ही दाखिल करें। अक्सर देखा जाता है कि जब बड़ी संख्या में लोग अंतिम समय में लॉगइन करते हैं, तो सर्वर हैंग होने या प्रक्रिया धीमी होने की शिकायत आती है। उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख फिलहाल 15 सितम्बर है।

जनगणना की मॉकड्रिल अक्टूबर से शुरू होगी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद जनगणना-2027 की शुरुआत से पहले पूरे तंत्र की जांच-परख के लिए एक अक्टूबर से मॉकड्रिल शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि मॉक ड्रिल 60 दिन चलेगी। इस दौरान, जनगणना की तमाम गतिविधियां जांची जाएंगी।

भारत की सात और संपत्तियां यूनेस्को विरासत बनीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हुई

नई दिल्ली। भारत की सात नई प्राकृतिक धरोहरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर की टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में शामिल किया गया है। इनमें महाराष्ट्र के पंचगनी और महाबलेश्वर के डेक्कन ट्रैप्स तथा आंध्र प्रदेश की तिरुमला पहाड़ियां प्रमुख हैं। इन सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हो जाएगी।

इनमें 49 सांस्कृतिक, 3 मिश्रित और 17 प्राकृतिक श्रेणी की धरोहरें शामिल हैं। यूनेस्को के स्थायी प्रतिनिधिमंडल भारत की इन जगहों के चयन पर बताया कि इन धरोहरों को सूची में शामिल किया जाना देश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सूची में शामिल सात नए स्थलों पर एक नजर-डेक्कन ट्रैप्स (पंचगनी और महाबलेश्वर, महाराष्ट्र), सेंट मैरी आइलैंड क्लस्टर का भूवैज्ञानिक धरोहर (उडुपी, कर्नाटक), मेघालयन एज गुफाएं (ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय), नगा हिल ओफियोलाइट (किफाइरे, नगालैंड), एर्रा मट्टी डिब्बालु (विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश), तिरुमला हिल्स का प्राकृतिक धरोहर (तिरुपति, आंध्र प्रदेश), वरकला का प्राकृतिक धरोहर (केरल)। विगत 12 सितम्बर को किए गए औपचारिक ऐलान में कहा गया कि कुल सात प्राकृतिक धरोहरें सूची में जोड़ी गई हैं। यूनेस्को की प्रक्रिया के अनुसार, किसी भी धरोहर को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने से पहले उसका टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में होना अनिवार्य है। यूनेस्को में भारत के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को उनके इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया है।

भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया

■ सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर जिताया, कुलदीप ने तीन विकेट लिए

दुबई। भारत ने एशिया कप के छठे मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। टीम ने 128 रन का टारगेट 16वें ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

पाक ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीत बल्लेबाजी चुनी और 9 विकेट खोकर 127 रन बनाए साहिबजादा फरहान (40) और शाहीन अफरीदी (33) के अलावा कोई बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सका। कुलदीप यादव ने 3 विकेट झटके। बुमराह और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट मिले। एक-एक विकेट पंड्या और वरुण चक्रवर्ती को मिला। भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने 31-31 रन की पारियां खेलीं। सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 47 रन बनाए।

मैं शिव भक्त, जहर निगल लेता हूं

असम में पीएम बोले- कांग्रेस ने घुसपैठियों को दिया बढ़ावा, गरीबों को ठुकराया

गुवाहाटी, वार्ता

हमारे लिए जनता भगवान

■ मोदी ने 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर व इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे का रविवार को दूसरा दिन था। उन्होंने दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम ने दोनों जगहों पर जनसभाएं भी कीं। प्रधानमंत्री ने दरांग में कहा कि जब हमने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा था कि मोदी, नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निकाल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मुझसे रहा नहीं जाता। नुमालीगढ़ में पीएम ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया गया। आदिवासियों के साथ अन्याय हुआ। हमारा मंत्र नागरिक देवो भव: है। हमारे लिए जनता भगवान है। देश के नागरिकों को असुविधा न हो, भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। वे एयरपोर्ट से सीधा लोकगायक भूपेन हजारिका की विशेष श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। इसके बाद रात में स्टेट गेस्ट हाउस में ठहरे थे। असम से पहले पीएम ने मिजोरम और मणिपुर में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी योजनाओं का लाभ यहां चाय बागानों में काम करने वाले भाई और बहनों को भी हो रहा है। उनका हित हमारी प्राथमिकता है। सरकार टी गार्डन में काम करने वाली महिलाओं को मदद दे रही है। उनके स्वास्थ्य, बच्चों की शिक्षा पर हमारा बहुत जोर है। यहां माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी योजनाएं चला रही है। कांग्रेस के समय इन श्रमिकों को टी कंपनी के भरोसे छोड़ दिया गया था। लेकिन हम उनके घर, बिजली, पानी और स्वास्थ्य की चिंता कर रहे हैं। असम के विकास का दौर शुरू हो चुका है। असम ट्रेड और टूरिज्म का बड़ा सेंटर बनेगा। हम मिलकर नया असम बनाएंगे।

अब असम में बांस से बनेगा एथेनॉल

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पालीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरुआत हुई है। इसका असम के लोगों को फायदा होगा। सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी। असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है। ये उद्यम असम के विकास को गति देंगे। मैं सभी को प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं। भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। जैसे-जैसे भारत विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे बिजली, ईंधन की जरूरतें बढ़ रही हैं।

■ पीएम ने असम बायो एथेनॉल संयंत्र का किया उद्घाटन

नासिक में सीबीआई ने दो फर्जी कॉल सेंटरों का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। सीबीआई ने महाराष्ट्र के नासिक में दो अवैध कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है, जो स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चलाए जा रहे थे। सीबीआई के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि 11 सितम्बर को चार व्यक्तियों और कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नामजद लोग नासिक में स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से दो अवैध कॉल सेंटर चला रहे हैं और ब्रिटिश नागरिकों से बीमा एजेंट या सरकारी अधिकारी बन कर ठगी कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इन अवैध सेंटरों को चलाने वाले आरोपियों की पहचान गणेश और श्याम कामनकर के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि इन सेंटरों पर लगभग 60 लोग काम कर रहे थे। ये लोग इंटरनेट के माध्यम से कॉल करते थे, जाली नंबरों और दस्तावेजों का उपयोग करके नकली बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर पीड़ितों से क्रेडिट या डेबिट कार्ड की जानकारियां हासिल कर ठगी करते थे। सीबीआई ने नासिक और कल्याण में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आठ कम्प्यूटर, आठ फोन, फर्जी बीमा पॉलिसी, पांच लाख रुपये नकद और कुछ आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं।

लखनऊ में बड़ा विमान हादसा टला

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ उड़ान भरने से ठीक पहले रोकी गई फ्लाइट

■ सांसद डिंपल यादव समेत 151 यात्री थे सवार

लखनऊ। अमौसी एयरपोर्ट से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में शनिवार सुबह उस वक्त दहशत का माहौल पैदा हो गया, जब इंजन में तकनीकी गड़बड़ी से विमान को अचानक रोक दिया गया। यात्रियों की जान सांसत में आ गई। विमान को रनवे से वापस लौटाया गया।

यात्रियों को दूसरे विमान से दिल्ली रवाना किया गया। वहीं इंजीनियरों की टीम देर तक विमान में गड़बड़ी का पता लगाती रही। मामला शनिवार सुबह का है। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई-2111 चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से सुबह 10.30 बजे के आसपास उड़ान भरकर 12.30 बजे तक दिल्ली पहुंच जाती है। सुबह विमान उड़ान के लिए तैयार था। यात्रियों की बोर्डिंग हो चुकी थी। विमान रनवे पर पहुंचा। उसके इंजनों ने रफ्तार पकड़नी शुरू की। उड़ान से ठीक पहले इंजन थ्रस्ट लेते हैं, जिससे एक झटके में विमान जमीन छोड़कर हवा में आ जाता है। लेकिन, दिल्ली जाने वाली यह उड़ान रनवे से उड़ान ही नहीं भर पाई। समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव और गोंडा के सपा नेता सूरज सिंह विमान में सवार थे। सूरज सिंह ने सोशल मीडिया पर मामले को साझा किया। उन्होंने बताया कि वह लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। उन्हें 2बी सीट मिली थी। वह विमान में सवार हुए। विमान के रनवे पर पहुंचने के बाद इंजनों को थ्रस्ट नहीं मिला। तकनीकी गड़बड़ी के चलते ऐसा हुआ। लिहाजा इंडिगो के विमान को वापस लौटा लिया गया, लेकिन तेज रफ्तार विमान को अचानक रोक देने से यात्रियों में दहशत पैदा हो गई। यात्रियों को शांत करवाकर दूसरे विमान से दिल्ली भेजा गया। वहीं इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि रनवे पर विमान आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इसके चलते विमान की जांच करवाई गई। इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रनवे से विमान को लौटाने के बाद इंजीनियरों की टीम ने खराबी तलाशी।

बसपा में बड़ा संगठनात्मक बदलाव

मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को सौंपा अहम दायित्व

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व गुजरात में संगठन को करेंगे मजबूत

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पार्टी संगठन में व्यापक फेरबदल करते हुए अपने समधी और वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर उन्हें चार अहम राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी है।

हाल ही में पार्टी में वापसी करने वाले अशोक सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और गुजरात में संगठन को मजबूत करेंगे। इससे पहले इन राज्यों की जिम्मेदारी रणधीर सिंह बेनीवाल के पास थी। अब बेनीवाल को सेक्टर-चार का कोऑर्डिनेटर बना दिया गया है, जिसकी जिम्मेदारी अभी तक डा. लालजी मेधांकर संभाल रहे थे। श्री मेधांकर को नए फेरबदल के तहत सेक्टर-पांच का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सेक्टर-छह अब पूर्व विधायक अतर सिंह राव संभालेंगे। यह जिम्मेदारी अब तक पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह के पास थी। सेक्टर-एक और सेक्टर-दो में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सेक्टर-एक पूर्व सांसद रामजी गौतम के पास रहेगा, जबकि सेक्टर-दो की जिम्मेदारी पूर्व सांसद राजाराम के पास बनी रहेगी। मायावती ने संगठनात्मक ढांचे को बेहतर बनाने के लिए देश को छह सेक्टरों में विभाजित किया है।

हर सेक्टर में तीन से चार राज्यों को शामिल किया गया है। इन सेक्टरों के कार्यों की समीक्षा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद करेंगे।

हैदराबाद के स्कूल में ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने एक प्राइवेट स्कूल के अंदर ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा किया। मेधा स्कूल नाम के स्कूल के डायरेक्टर मालेला जया प्रकाश गौड़ सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने स्कूल के क्लास रूम और रिस्ट्रिकटेड एरिया को अल्प्राजोलम का प्रोडक्शन फैक्ट्री बना दिया था। अल्प्राजोलम का इस्तेमाल ताड़ी बनाने में किया जाता है। यह एक नशीला पदार्थ है, जो तेलंगाना में बैन है। पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के सेकेंड फ्लोर पर लगभग छह महीने से फैक्ट्री चल रही थी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर क्लास चलती थी। फैक्ट्री में छह दिन ड्रग्स बनती थी।

राजनीतिक दलों के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मामला: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: ठोस कानून क्यों नहीं, चुनाव आयोग और केंद्र से तीन नवम्बर तक जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसे राजनीतिक दल जो इनएक्टिव हैं, उनके जरिए टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मुद्दा है। यह सीधे लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग, विधि आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर 3 नवम्बर तक जवाब मांगा है। पूछा है कि दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए अब तक ठोस कानून क्यों नहीं बनाया गया। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि आयकर विभाग की छापामारी में दो दलों इंडियन सोशल पार्टी और युवा भारत आत्म निर्भर दल के जरिये 500 करोड़ के फर्जी चंदे का मामला सामने आया था। नेशनल सर्व समाज पार्टी के जरिये 271 करोड़ का लेन-देन पकड़ा गया था। आरोप है कि हवाला और कमीशनखोरी के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ही ये दल बनाए गए थे। इनका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं। याचिकाकर्ता की दलील में कहा गया है कि करीब 90 प्रतिशत दल कभी चुनाव नहीं लड़ते।

पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो का दावा

ऑपरेशन सिंदूर के वक्त बंकर में छिपे थे आसिम मुनीर

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ बोले- पाक एयर डिफेंस हमारी एक मिसाइल भी नहीं रोक पाया

नई दिल्ली। भारतीय सेना से रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर एक बंकर में छिप गए थे।

जंग खत्म होने के बाद जनता की नजरों से बचने के लिए खुद को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट कर लिया। ढिल्लो ने आगे कहा कि भारत ने 7 मई को 11 पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीकता से हमला किया। पाकिस्तान का एयर डिफेंस इतना कमजोर था कि हमारी एक भी मिसाइल को रोक नहीं सका। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे तबाह किए थे। साथ ही पाकिस्तान के एयरबेस को भी नुकसान पहुंचाया था। 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म हुआ था। केजेएस ढिल्लो ने कहा कि जब पाकिस्तान के डीजीएमओ 10 मई को दोपहर 3:35 बजे हमारे डीजीएमओ को फोन करते हैं और युद्धविराम की भीख मांगते हैं, तो हमारे लिए यह जीत है।

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर से रोकी गई

■ यूपी में चार, हिमाचल में 133% ज्यादा बारिश

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिर से रोका गया।

19 दिन स्थगित रहने के बाद यात्रा रविवार से शुरू होनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते इसे अगले आदेश तक स्थगित किया गया। 26 अगस्त को मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। उप्र में बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। बलिया में चक्की नौरंगा गांव में 5 मकान और 5 दुकानें नदी में समा गईं। इस मानसून सीजन राज्य में 654.2एमएम बारिश हुई जो औसत 679.3एमएम बारिश से 4 फीसदी कम है। हिमाचल के मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में लैंडस्लाइड हुई। कई घरों तक मलबा पहुंच गया। राज्य में 12 सितम्बर तक 133फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है।

अभियंता दिवस के अवसर पर समस्त इंजीनियर्स को हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा

उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ सिंचाई खण्ड, अल्मोड़ा

समस्त अभियन्ताओं को अभियन्ता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राष्ट्रीय राजमार्ग, रानीखेत

इं. अशोक चौधरी — अधिशासी अभियन्ता
इं. के० एस० बिष्ट — सहायक अभियन्ता
इं. शेखर सिंह जड़ौत — सहायक अभियन्ता
इं. एम.एल. वर्मा — सहायक अभियन्ता
इं. पी.पी. गोस्वामी — सहायक अभियन्ता
इं. गिरीश चन्द्र पाण्डेय — सहायक अभियन्ता
इं. ललित शर्मा — अपर सहायक अभियन्ता
इं. पंकज कुमार — अपर सहायक अभियन्ता
इं. ललित मोहन अंगारी — अपर सहायक अभियन्ता
इं. पूजा बिष्ट — कनिष्ठ अभियन्ता

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. संजय पांडे
अधिशासी अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बागेश्वर

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

निर्माण शाखा उत्तराखंड, पेयजल निगम बागेश्वर
इं. विपिन कुमार रवि
अधिशासी अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

जगदीश चंद्र जोशी
सहायक अभियंता
जिला पंचायत बागेश्वर।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. चंद्रकांत टम्टा
नगर पालिका बागेश्वर

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

आनंद सिंह खोलिया
सहायक अभियंता
विद्युत वितरण खंड
बागेश्वर

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. नरेश कुमार
सहायक अभियंता
सिंचाई उप खंड कपकोट।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. प्रमोद सिंह मेहता
कनिष्ठ अभियंता
उप खंड बागेश्वर।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

ग्रामीण निर्माण विभाग बागेश्वर
इं. संजय भारती
अधिशासी अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. महेश चन्द्र पंत
सहायक अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

(जल संस्थान बागेश्वर)
इं. ए. एस. देवड़ी
अधिशासी अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

(जल संस्थान बागेश्वर)
इं. दीनदयाल
सहायक अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

(जल संस्थान बागेश्वर)
इं. दिनेश चंद्र
अपर सहायक अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

लघु सिंचाई विभाग बागेश्वर
इं. भरत सिंह रावत
अधिशासी अभियंता

जिला पंचायत अल्मोड़ा की ओर से इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

ई०, जगदीश प्रसाद — ई०, चंचल जोशी
ई०, देवेंद्र भंडारी — ई०, संजय कुमार
ई०, नीरू थापा — ई०, प्रेमा पाटनी
ई०, भावना आर्य — ई०, दिशा कल्पासी

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं० शचीन्द्र मोहन गुरुरानी
सहायक अभियंता
ग्रामीण निर्माण विभाग
प्रखंड भिकियासैंण।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. सौरभ जोशी
उप खण्ड अधिकारी
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. राजेन्द्र बेलवाल
उप खण्ड अधिकारी
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. अमित कटारिया
अधिक्षण अभियन्ता
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. भाष्कर पाण्डेय
अधिशासी अभियन्ता
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. भूपाल सिंह बिष्ट
अवर अभियंता
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
द्वाराहाट।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. नीरज थापा
अवर अभियन्ता
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
चौखुटिया।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. पंकज कुमार
अपर सहायक अभियन्ता
लघु सिंचाई, विकासखण्ड चौखुटिया।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. पंकज कुमार
अपर सहायक अभियन्ता
लघु सिंचाई, विकासखण्ड चौखुटिया।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. ललित सिंह सिराड़ी
कनिष्ठ अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो०नि०वि० रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. राजेन्द्र कुमार चौधरी
सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो०नि०वि० रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रान्तीय खण्ड रानीखेत
इं. दीप चन्द्र पाण्डेय
अधिशासी अभियन्ता
इं. अजय टम्टा
सहायक अभियन्ता

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पी.एम.जी.एस.वाई. खण्ड अल्मोड़ा
इं. अरविन्द सिंह रौथाण
अधिशासी अभियन्ता
इं. दीप चन्द्र पाण्डेय
सहायक अभियन्ता
इं. दीप चन्द्रा
अपर सहायक अभियंता
इं. भाष्कर पाण्डेय
कनिष्ठ अभियन्ता

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पेयजल निगम घिंघारीखाल रानीखेत
इं. हिमांशु वर्मा
इं. जयपाल तोमर
इं. एम. एन. जोशी
इं. शशांक कोठारी
इं. सुभाष कुमार
इं. पंकज सिंह रावत

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
निर्माण इकाई उत्तराखण्ड पेयजल निगम
हरीश प्रकाश
इं. भीम राव निराला
इं. प्रीतम सिंह
इं. सुभाष बेलवाल
इं. नेहा रावत

राजकीय शिक्षक संघ ने गंगा तट पर किया सीधी भर्ती नियमावली का तर्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी : राजकीय शिक्षक संघ उत्तरकशी ने मणिकर्णिका घाट पर गंगा तट पर विभागीय नियमावली के सीधी भर्ती का तर्पण किया है। बता दें कि राजकीय शिक्षक संघ जनपद उत्तरकाशी में प्रधानाचार्य सीमित विभागीय सीधी भर्ती नियमावली 2022 को निरस्त करने, सभी स्तरों की शत प्रतिशत पदोन्नति, स्थानान्तरण एवं अन्य लम्बित मुद्दों को लेकर प्रांतीय कार्यकारिणी उत्तराखंड के आह्वान पर बीते 18 अगस्त आंदोलन लगातार जारी है।

रविवार को राजकीय शिक्षक संघ उत्तरकशी ने मणिकर्णिका घाट पर गंगा तट पर विभागीय नियमावली के सीधी भर्ती का तर्पण किया है।

राजकीय सदस्य चरणबद्ध आंदोलन. रत हैं। लगातार विभाग, सरकार व शासन से अपनी न्यायोचित माँगों (सभी स्तरों की शत-प्रतिशत पदोन्नति, सीमित विभागीय भर्ती

परीक्षा नियमावली को निरस्त करने एवं स्थानान्तरण प्रक्रिया बहाल करने) के लिए निरंतर अनुनय-विनय करते-2 अब पूरे प्रदेशभर में शिक्षक शिक्षिकाएं आक्रोशित हैं। सभी राजकीय शिक्षक / शिक्षिकाओं द्वारा अपने कार्यरत विद्यालयों में शिक्षण कार्य करते हुए, निरंतर विविध माध्यमों से अपनी मांगो हेतु संघर्षरत हैं।

इसी क्रम में विगत 5 सितम्बर 2025 को शिक्षक दिवस के दिन भी, सभी शिक्षकों द्वारा, सरकार के द्वाराश मनाये जाने वाले पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का पूर्ण विरोध किया। विभाग जहाँ सरकार के दिशा-निर्देशन में उत्कृष्ट शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षक । शिक्षिकाओं को पुरस्कृत करने का ढोंग करता है, वहीं शिक्षकों को 25 से 30 वर्षों तक एक ही पद पर रखते हुए सेवानिवृत कर रहा है। जिससे छात्रों को भी पर्याप्त शिक्षक नहीं मिल पा रहें हैं। जनपद उत्तरकाशी में ही वर्तमानश में 96 पद प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक विहीन हैं। जिन पर संगठन विगत कई वर्षों से पदोन्नति की मांग कर रहा है। लेकिन विभाग सदैव वरिष्ठता निर्धारण में विसंगति की बात कोर्ट में चलरहे प्रकरण का हवाला देकर, निरंतर ही शिक्षकों व छात्रों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार प्रदर्शित करता रहा है।

3.5 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक युवक गिरफ्तार

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने 3.5 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक पर कोतवाली श्रीनगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया गया है। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षण जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि नशामुक्त अभियान के अंतर्गत जनपद में मादक पदार्थों एवं ड्रग्स तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा अवैध रूप से नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करने वालों के विरुद्ध श्रीनगर पुलिस लगातार चौकिंग अभियान चला रही है। बताया कि रविवार को कीर्तिनगर पुल तिराहे के पास चेकिंग के दौरान एक युवक के पास से 3.5 ग्राम स्मैक बरामद हुई। प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि स्मैक मिलने पर 23 वर्षीय फारुख पुत्र इस्लाम लंढौरा, हरिद्वार को गिरफ्तार किया गया।

बंदरों का आतंक: बालक पर जानलेवा हमला

लंबगांव में बंदरों की बढ़ती संख्या से दहशत, घायल बालक को अस्पताल में कराया गया भर्ती
नगरवासी परेशान, कई बार गुहार के बाद भी कार्रवाई न होने पर भड़का रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। नगर पंचायत लंबगांव में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को एक आतंकी बंदर ने सात वर्षीय बालक पर अचानक हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बालक को तुरंत परिजन प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी चौंड अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने एंटी-रेबीज,

टिटनेस और अन्य आवश्यक इंजेक्शन लगाने के साथ प्राथमिक उपचार शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, व्यापार मंडल के महामंत्री एवं लंबगांव निवासी सुरेंद्र सिंह राणा का सात वर्षीय नाती सुबह करीब 11 बजे अपनी मां और परिजनों के साथ घर के आंगन में बैठा था। तभी अचानक एक बंदर ने बच्चे का पैर पकड़ लिया और उसे घसीटने लगा। परिवार की महिलाओं ने शोर मचाकर किसी तरह बालक को बंदर के चंगुल से छुड़ाया, लेकिन तब तक उसके पैर पर गहरे जख्म हो चुके थे। परिजन तुरंत बच्चे को आनन-फानन में अस्पताल ले गए। डॉक्टर हर्ष वर्मा ने बताया कि बच्चे का घाव काफी गहरा है और इलाज के तीन घंटे बाद तक भी खून रुक नहीं पाया। हालांकि प्राथमिक उपचार के बाद फिलहाल बालक को घर भेज दिया गया है।

इस घटना के बाद नगरवासियों में आक्रोश और भय का माहौल है। व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार, पूर्व अध्यक्ष युद्धवीर राणा और कोषाध्यक्ष अमन राणा सहित नगर के कई लोगों ने कहा कि बंदरों की बढ़ती संख्या अब गंभीर खतरे का रूप ले चुकी है। अब तक दर्जनों लोग बंदरों के हमले का शिकार हो चुके हैं, बावजूद इसके न तो वन विभाग और न ही नगर पंचायत ने ठोस कदम उठाए हैं। लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित विभागों से गुहार लगाई गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

इस संबंध में वन रेंजर हर्षराम उनियाल ने अपील की कि नगरवासी बंदरों को किसी भी तरह का खाद्य पदार्थ न दें। साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चों को बंदरों के झुंड के पास अकेला न जाने दें और यदि कोई घटना घटित होती है तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें। नगरवासी अब इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं, क्योंकि लगातार बढ़ता बंदरों का आतंक लोगों के जीवन और सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

एलयूसीसी ठगी पीड़ितों का बेमियादी धरना जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। एलयूसीसी ठगी पीड़ितों की रकम वापसी की मांग को लेकर नारी क्रांति मानव चेतना नागरिक संगठन के बैनर तले अलकेश्वर घाट पर महिलाओं का अनिश्चितकालीन धरना रविवार को भी जारी रहा। क्रमिक अनशन में बैठी आंदोलनक. ारी सरस्वती देवी ने कहा कि पूरे प्रदेश में करोड़ों रूपये की ठगी हो जाती है और सरकार, प्रशासन को खबर तक नहीं लग पाती। ठगी में चूल्हा चौक करने वाली महिलाएं अपने जीवन यापन के उद्देश्य से कम्पनी से जुड़ती हैं, शुरू में बैंक के आधार पर सभी को फंसाया जाता है, पैसा जमाया कराया जाता है और बाद में कम्पनी खाते में जमा फंड को लेकर भाग जाती है। सरस्वती ने कहा कि आज ऐसी स्थिति सामने आ गई है कि पीड़ित महिलाएं और निवेशक अपना मुंह तक नहीं दिखा पा रही हैं, लोग अपना पैसा वापस किये जाने का दबाव बना रहे हैं। पीड़ित किरन पुंडीर, चंद्रकांता, सीमा बडोनी ने कहा कि उनकी सरकार से गुजारिश है कि लोगों का जमा पैसा वापस कराया जाय। कहा कि वह इस मान. सिक पीड़ा से बहुत परेशान हैं और तो और परिवारजन भी अब साथ देने से दूर हो रहे हैं, उनके सामने धरना देने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं बचा है। कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों को नहीं मान लेती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर किरण, सरिता पटवाल, सोना देवी, रजनी कपरवान,ज्योति कंडारी, गुड्डी देवी आदि मौजूद रहे।

सरकार की हठधर्मिता से शिक्षक आंदोलन की राह पर

सरकार का तर्पण करते कर्त्तव्य भी भूले शिक्षक, गंगा में प्रवाहित प्रदूषण सामग्री

देवेन्द्र गौड़

श्रीनगर। शिक्षकों की योग्यता और अनुभव के आधार शिक्षकों का पदोन्नति को लेकर सैकड़ों आन्दोलित शिक्षकों ने श्रीनगर अल्केश्वर घाट में अलकनंदा तट पर पितृ पक्ष में सरकार का तर्पण दिया। सरकार की हठधर्मिता के कारण शिक्षक आन्दोलित हैं।

जिसमें शिक्षक सीधी भर्ती की मांग गलत ठहराते हुए अनुभव और योग्यता के आधार पर पदोन्नति की मांग कर रहे हैं, लेकिन शिक्षक संगठन ने अलकनंदा तट पर जिस तरीके से शिक्षकों ने ऑनलाइन कैमरे के सामने कागज की प्रतियां जलाकर मां अलकनंदा में फेंकी हैं, स्वत: हवन में की गई सामग्री भी अलकनंदा में ही विसर्जित की होंगी। लगता है कोई इन्हें वेतन, पद मांगने के सिवा समाज, संस्कृति और संस्कारों से कुछ भी लेना देना नहीं है। इस तरह की असमाजिक तत्वों की तरह हरकतें माननीय शिक्षकगण करते हैं, कि जिन्हें अक्षरज्ञान, अर्जनदाता कहा जाता है तो कागज की प्रतियाँ जलाकर अलकनंदा मे फेंकना सरासर ओछी मानसिकता का परिचय देती है। जिस मां गंगा के आचमन से पित्र देवों को तर्पण देकर तृप्ति किया जाता है उसी में जलते हुए कागज, कूड़े को फेंका गया है।

गौरतलब है कि शिक्षक संगठन समय-समय पर अपनी मांगों को लेकर आन्दोलित रहे हैं और होना भी चाहिए क्योंकि सरकार का शिक्षा के प्रति कागजों और धरातल पर जो जमीन आसमान का अंतर है वह समाज और शिक्षा के लिए चिंता का विषय है, लेकिन यह पहली बार नहीं है। वर्ष 2009, 10 में और 15 फरवरी, मार्च में होने वाली वार्षिक परीक्षा के दौरान छात्रों को अध्ययन कराने के बजाय पहले से ही लंबित आन्दोलित शिक्षकों ने 9 तारीख को उग्र आंदोलन का शंखनाद करते हुए सरकार का रोडवेज बस स्टैंड पर शुद्धि-बुद्धि यज्ञ कर रहें थे। यहीं कारण है कि शिक्षकों की गिरती शाख निजी विद्यालयों का अधिक संख्या में खुलना है। शिक्षा विभाग में निरंतर घटती छात्र संख्या, विद्यालय छात्रविहीन हो रहे हैं तो कहीं विद्यालय शिक्षक विहीन हैं और आने वाले समय में धीरे-धीरे शिक्षकों के पद कम होना एक या डेढ दशक बाद ऐसा समय आएगा कि ढाई से तीन लाख पदों पर विरा. जमान होकर सरकारी रोटी का आनन्द ले रहे हैं। वह मात्र हजार या सैकड़ों रह जायेगी। सरकार का बोया बीज और शिक्षकों का रोपा हुआ ऐसा पौधा है कि जो सरकार और उसकी हठधर्मिता के कारण इस पौधे मे ठंडा पानी डालने के बजाय अंकुर में ज्वलनशील पदार्थ डालकर भष्म किया जा रहा है। यह वही कहावत सिद्ध होगी कि फूक झोपड़ी देख तमाशा, शिक्षक विहीन सरकार, छात्र विहीन सरकारी विद्यालय।

एक नजर .....

हिंदी पखवाड़े के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

कोटद्वार। राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में हिन्दी पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। निबंध प्रतियोगिता और हिन्दी भाषा की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में रितिका ने पहला व एकता बिष्ट और दिव्यांशी ने संयुक्त रूप से दूसरा तथा अंकुर केष्टवाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. डीएस नेगी ने कहा कि हिन्दी केवल संपर्क भाषा नहीं है बल्कि ये हमारी सम्पूर्ण सभ्यता और संस्कृति की वाहक भी है। विभाग प्रभारी डॉ. मीरा कुमारी ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार की जरूरत पर बल देने की बात कही। डॉ. कपिल थपलियाल ने हिन्दी की संवैधानिक स्थिति पर प्रकाश डाला जबकि डॉ. राकेश शाह ने हिन्दी के अलग-अलग रूप प्रस्तुत किये। डॉ. विजय लक्ष्मी ने भाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला व डॉ. प्रियंका भट्ट ने हिन्दी के प्रयोजन रूप पर अपनी बात रखी।

जॉर्ज एवरेस्ट पार्क आवंटन घोटाले के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया पुतला दहन

कोटद्वार। मसूरी स्थित जॉर्ज एवरेस्ट पार्क को मनमाने ढंग से आचार्य बालकृष्ण की कंपनियों को लीज पर देने के प्रकरण ने उत्तराखंड की सियासत में भूचाल ला दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को निगर. निगम कोटद्वार के झंडाचौक पर प्रदर्शन कर राज्य सरकार का पुतला फूंका और मांग की कि इस पूरे "आवंटन घोटाले" की उच्च स्तरीय जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में कराई जाए। कांग्रेस ने साफ कहा कि जब तक जांच की आधिकारिक घोषणा नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जॉर्ज एवरेस्ट पार्क आवंटन घोटाला अब तक के सभी भ्रष्टाचार रिकॉर्ड तोड़ चुका है। यह घोटाला 30 हजार करोड़ से 50 हजार करोड़ रुपये तक का बताया जा रहा है। कहा कि यह सब मिलीभगत से हुआ और इसमें किसके इशारे पर किन-किन लोगों की संलिप्तता रही, यह जांच से ही स्पष्ट होगा।

स्मार्ट मीटरों को तत्काल हटाने की मांग

कोटद्वार। नगर क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों को तत्काल हटाने की मांग ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने से अब आर्थिक भार पड़ना तय है। इसको लेकर वार्ड नंबर-पांच लकड़ीपड़ाव, वार्ड नंबर-10 पनियाली तल्ली, और वार्ड नंबर-11 संपत्ति डोबरियाल मार्ग (पुराना सिद्धबली मार्ग) के लोगों ने पार्षद विपिन डोबरियाल, नीरूबाला खंतवाल व नाजमीन के नेतृत्व में ऊर्जा निगम के एसडीओ कमल सिंह से मुलकात की। क्षेत्रवासियों ने कहा कि ऊर्जा निगम की ओर से वार्ड नंबर-5, वार्ड नंबर-10 पनियाली तल्ली, वार्ड नंबर-11 संपत्ति डोबरियाल मार्ग पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। कहा कि कई घरों में स्मार्ट मीटर लग चुके हैं और उनके बिल पुराने मीटरों की अपेक्षा बहुत अधिक आ रहे हैं ऐसे में स्मार्ट मीटर लगने के बाद जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने जनहित में स्मार्ट मीटरों को हटाकर उनके स्थान पर पुराने मीटर लगाने की मांग की है।

श्रीनगर में शांतिपूर्ण संपन्न हुई सीडीएस और एनडीए की परीक्षा

श्रीनगर। संघ लोक सेवा आयोग कि सीडीएस और एनडीए की परीक्षा श्रीनगर के तीन परीक्षा केंद्रों में आयोजित की गई। परीक्षा कंट्रोल रूप प्रभारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी अश्विनी रावत ने बताया कि रविवार को एनडीए कि परीक्षा श्री गुरुरामराय पब्लिक स्कूल, राजकीय बालिका इंटर कालेज श्रीनगर में दो पालियों में हुई। बताया कि एनडीए परीक्षा में कुल पंजीकृत 565 छात्रों में से 400 छात्रों ने परीक्षा दी। बताया कि एसजीआरआर में कुल पंजीकृत 373 अभ्यर्थियों ने से 259 ने एनडीए प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 114 अनुपस्थाथित रहे। बालिका इंटर कालेज श्रीनगर में 192 अभ्यर्थियों ने से 141 ने परीक्षा दी, जबकि 51 अनुपस्थित रहे। वहीं सीडीएस परीक्षा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर में दो केंद्रों पर आयोजित की गई। यहां तीन पालियों में परीक्षा संपन्न हुई पहली व दूसरी पाली में कुल पंजीकृत 306 अभ्यर्थियों में से 199 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी जबकि 63 अनुपस्थित रहे। वहीं तीसरी पाली में 173 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 110 ने परीक्षा दी, 63 अनुपस्थित रहें। खंड शिक्षा अधिकारी अश्विनी रावत ने बताया कि तीनों परीक्षा केंद्रों में परीक्षा पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

फोटों खिंचवाने के चक्कर में अलकनंदा नदी में गिरा युवक

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत नर्सरी रोड़ पर पौड़ी बस स्टेट के समीप पर्यटन विभाग के गेस्ट हाउस से एक युवक अलकनंदा नदी में गिर गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने युवक की खोजबीन शुरू की, लेकिन रात्रि होने के कारण युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि शनिवार देर रात्री नर्सरी रोड़ पर स्थित पर्यटन विभाग के गेस्ट हाउस के पीछे से एक युवक के अलकनंदा नदी में गिरने की सूचना प्राप्त हुई। बताया कि दोस्त से फोटों खिचाने के चक्कर युवक अलकनंदा नदी में जा गिरा।

प्राकृतिक आपदाओं से क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों की मरम्मत पर जोर

डीएम नितिका खण्डेलवाल ने दिए समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश
शून्य छात्र संख्या वाले विद्यालयों के वैकल्पिक उपयोग पर होगा विचार

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद के बेसिक विद्यालयों, जूनियर हाईस्कूलों और इंटर कॉलेजों को हुए नुकसान पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई, बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने की।बैठक के दौरान पीपीटी के

माध्यम से विद्यालय भवनों की स्थिति प्रस्तुत की गई।

जिन विद्यालयों के क्षति आकलन में स्पष्टता नहीं थी, वहां संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों और आंगन की मरम्मत कार्य को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने चेता. वनी दी कि यदि किसी विद्यालय में क्षति बनी रहती है तो इसके लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि विद्यालयों तक पहुँचने वाले मार्गों को मनरेगा के तहत तत्काल दुरुस्त किया जाए। वहीं जिन विद्यालयों में छात्र संख्या शून्य हो चुकी है, उनकी भवन स्थिति की जानकारी मुख्य शिक्षा अधिकारी को भेजी जाए ताकि उन भवनों के वैकल्पिक उपयोग पर विचार किया जा सके।

इसके साथ ही उन्होंने जनपद के सभी विद्यालयों की ब्लॉकवार सूची तैयार करने को कहा, जिसमें विद्यालय का नाम, स्थान, स्वीकृत नाम, छात्र संख्या, वर्तमान दशा और पिछले वित्तीय वर्ष में प्राप्त धनराशि का विवरण दर्ज हो। यह सूची मुख्य शिक्षा अधिकारी के माध्यम से संक. लित कराई जाएगी।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी अवधेश कुमार सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी शिव प्रसाद सेमवाल, जिला शिक्षा अधिकारी वी.पी. सिंह, अर्थ एवं संख्याधिकारी साक्षी शर्मा, डीडीएमओ बृजेश भट्ट सहित सभी खंड शिक्षा अधिकारी और शिक्षा विभाग के कार्मिक मौजूद रहे।

राज्य हित के मुद्दों पर यूकेडी का मंथन, सरकार पर गंभीर आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। उत्तराखंड क्रांति दल के जिला सम्मेलन में राज्य निर्माण के 25 वर्ष बाद भी मूलभूत मुद्दों के अनसुलझे रहने पर गहरी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड की परिकल्पना एक पर्वतीय राज्य के रूप में की गई थी, जिसके लिए हजारों लोगों ने आंदोलन में भाग लेकर बलिदान दिया था। लेकिन आज भी पलायन रोकने की ठोस नीति, राजधानी गैरसैंण को स्थायी स्वरूप देने, सख्त भू-कानून लागू करने, मूल निवास की परिभाषा तय करने, परिसीमन करने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार चुप्पी साधे

हुए है। इन परिस्थितियों से जनता का आक्रोश दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। रविवार को बौराड़ी के एक होटल में आयोजित इस सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी ने की। सम्मेलन में प्रभारी विक्रम बिष्ट ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे 2027 के विधानसभा चुनाव में पूरी मजबूती से उतरें और उन दलों का मुकाबला करें जिन्होंने राज्य को सिर्फ लूटने का काम किया है। केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पंकज व्यास, संयोजक नारायण सिंह राणा, वीर चंद रमोला, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमिला रावत और पूर्व जिलाध्यक्ष विजय सिंह पंवार ने भी राज्यहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चिंता जताई। वक्ताओं का मानना था कि आने वाले समय में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन होना तय है, ऐसे में उत्तराखंड के लिए क्षेत्रफल के आधार पर परिसीमन करना अत्यंत आवश्यक है। यह कदम ही राज्य के संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

सम्मेलन में पर्यवेक्षक लोकेंद्र जोशी और चुनाव अधिकारी उत्तम पुंडीर की देखरेख में जिला, ब्लॉक और विभिन्न प्रकोष्ठों की कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न हुए। इसमें डीडी पंत को जिलाध्यक्ष, आशीष डंगवाल को यूथ जिलाध्यक्ष, विक्रम पंवार को सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष और सुनीता रावत को महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही अरविंद रावत को भिलंगना, नरेंद्र रतूड़ी को हिंडोलाखाल, ज्ञान सिंह रावत को नरेंद्रनगर और मोहन सिंह रमोला को जौनपुर ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया। वहीं रघुवीर रावत, रणवीर नेगी, कुंवर सिंह राणा और सुरेंद्र भंडारी को जिला उपाध्यक्ष, विजय पंवार को जिला महामंत्री संगठन, अरविंद कंडारी को जिला महामंत्री यूथ, क्रांति उनियाल को जिला संगठन मंत्री यूथ, मनीष सकलानी को नगर अध्यक्ष टिहरी और रघुवीर पंवार को नगर अध्यक्ष घनसाली की जिम्मेदारी दी गई। इस चुनाव प्रक्रिया के बाद संगठन ने यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाले वर्षों में यूकेडी न केवल राज्य हित के मुद्दों को जनता तक पहुंचाएगा, बल्कि सत्ता पक्ष को जवाबदेह बनाने के लिए सशक्त विपक्ष की भूमिका भी निभाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1020 वादों का निस्तारण

कोटद्वार। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल की ओर से जनपद के सभी न्यायालयों, मुख्यालय पौड़ी, कोटद्वार, श्रीनगर तथा लैन्सडाउन में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। इन अवसरों पर कुल 1020 वादों में 1020 वादों का निस्तारण किया गया। इन वादों के निपटारे के दौरान 1 करोड़ 73 लाख 82 हजार 556 रुपए की धनवसूली सुनिश्चित की गयी। इसके अलावा प्री-लिटिगेशन के 68 वाद भी निस्तारित किये गये।

निजमुला घाटी के पगना पाणा ईरानी मोटर मार्ग तीन महीने से बंद, प्रशासन कब तक लेगा घाटी की सुध

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। निजमुला घाटी के पगना पाणा ईरानी मोटर मार्ग बिगत तीन महीने से बंद पड़ जाने से लोगों को आवाजाही में मुश्किलें तो झेलनी ही पड़ रही है, अपितु जरूरी चीजों का संकट भी गहराने लगा रहा है। इस मामले में जनप्रतिनिधियों ने डीएम से सड़क खोलने की गुहार लगाई है। भारी बारिश के कारण पीएमजीएसवाई पोखरी डिविजन के अधीन पगना पाणा ईरानी मोटर मार्ग जगह-जगह मलबा आने और सड़क के क्षतिग्रस्त होने से अवरुद्ध हो गया था। गांव के लोगों को हॉस्पिटल व अन्य गंतव्य के लिये

दस किलो मीटर तक पैदल चलकर आवाजाही करनी पड़ रही। देखना ये होगा कि शासन प्रशासन कब तक लेगी निजमुला घाटी की सुध।

फसलें बर्बाद, किसान बेहाल: अतिवृष्टि ने तोड़ी उम्मीदें

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। पिछले करीब दो महीनों से लगातार हो रही बारिश और अतिवृष्टि ने उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों की खेती-किसानी पर गहरा असर डाला है। खरीफ सीजन की अधिकांश फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, जिससे ग्रामीण किसानों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। बारानाजा परंपरा के तहत बोई जाने वाली धान, झंगोरा, कोदा, तोर, गहत, लोबिया, उर्द, छेमी, नौरंगी दाल, तिल तथा सब्जियों में कद्दू, लौकी, करेला, भिंडी, तोरी, ककड़ी, फूट और खिरखेड़ा जैसी फसलें किसानों की मेहनत से उगाई जाती रही हैं। यह फसलें न केवल पहाड़ी जीवन की रीढ़ रही हैं,

लगातार बारिश से उत्तराखंड की खरीफ फसलें चौपट, किसानों की आर्थिकी डगमगाई
धान से सब्जियों तक हर फसल प्रभावित, सरकार से मुआवजे की मांग तेज

बल्कि ग्रामीण आबादी को सालभर के भोजन की गारंटी भी देती रही हैं। परंपरागत रूप से इनसे इतना उत्पादन होता था कि किसानों के कोठार और अनाज भंडारण के ड्रम भर जाते थे और नौ महीने तक परिवारों का भरण-पोषण सहज हो जाता था।

जिला किसान सभा के जिला अध्यक्ष भगवान सिंह राणा व जिला सचिव कृपाल सिंह कठैत ने कहा कि इस बार की बेमौसम बरसात ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। खासकर धान की फसल पर गहरा संकट खड़ा हो गया है। धान को पर्याप्त सिंचाई की आवश्यकता होती है, लेकिन लगातार बारिश के कारण नहरें बह जाने से खेतों तक पानी की आपूर्ति रुक गई। वहीं, केवल बरसाती पानी धान की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाया।

परिणामस्वरूप अनाज, दलहन, तिलहन और सब्जियों का उत्पादन लगभग चौपट हो गया है। इससे न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है बल्कि आने वाले महीनों में खाद्य सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं।

अतिवृष्टि ने केवल फसलों को ही नहीं, बल्कि खेतों की संरचना को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। भारी बारिश से खेतों की मिट्टी बह गई, मेड़ टूट गईं और कई जगह भूमि धंसाव जैसी स्थितियां पैदा हो गईं।

पहले से ही जंगली जानवरों और आवारा पशुओं से जूझ रहे किसान अब प्राकृतिक आपदा के सामने खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। उनके हौसले टूटने लगे हैं और खेती-किसानी के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं।

इस गंभीर परिस्थिति में उत्तराखंड किसान सभा की टिहरी जिला कौंसिल ने प्रदेश सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

किसान सभा का कहना है कि राज्य सरकार को प्रभावित क्षेत्रों का भौतिक सर्वेक्षण कराना चाहिए और खेती को हुए ढांचागत व फसली नुकसान का आंकलन कर किसानों को उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। संगठन का तर्क है कि आज की महंगाई में किसानों को केवल सांत्वना नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है ताकि वे अपने परिवारों और आने वाली फसल का संबल जुटा सकें।

दो शातिर लुटेरे पुलिस के हत्थे चढ़े

एमटेक डिग्रीधारी निकला आरोपी, स्नैचिंग का पर्दाफाश, लूट के मोबाइल व नगदी बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शहर में हुई दो अलग-अलग स्नेचिंग की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी एम.टेक डिग्री धारक है। पुलिस ने इनके पास से चोरी किए गए तीन मोबाइल फोन, नकदी और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। साथ ही, घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

नेहरू कॉलोनी थाना क्षेत्र में जब पीड़िता सीमा ममगाईं नाम की एक महिला अपने घर से जा रही थीं तो एमडीडीए कॉलोनी के पास एक मोटरसाइकिल पर आए दो अज्ञात लोगों ने उनका बैग छीन लिया, जिसमें उनका मोबाइल और जरूरी कागजात थे। पीड़ित की शिकायत पर, नेहरू कॉलोनी थाने में तुरंत मामला दर्ज किया गया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के निर्देश पर पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई। टीम ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अमनदीप उर्फ नानू पुत्र धर्म सिंह, निवासी अपर नेहरू ग्राम डोभाल चौक व कुणाल चौहान पुत्र पवन कुमार चौहान निवासी न्यू टाइप 3 सी (ओएफडी स्टेट) रायपुर नाम के दो आरोपियों को फ्लाई ओवर बाईपास के नीचे से गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेजा।

नशे की लत ने बनाया अपराधी

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दोनों पिछले तीन साल से एक-दूसरे को जानते हैं और नशे के आदी हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए ही उन्होंने इन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी कुणाल चौहान ने श्रीनगर के एक कॉलेज से एम.टेक की डिग्री हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो अन्य मोबाइल फोन और नकदी भी बरामद की। पूछताछ में उन्होंने बताया कि ये चीजें उन्होंने 11 सितंबर को रायपुर तिराहे के पास एक और महिला से पर्स छीनकर चुराई थीं। इस घटना के संबंध में भी रायपुर थाने में मामला दर्ज है।

नशा मुक्ति के लिए निकाली साइकिल यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नशा मुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने और स्वस्थ समाज का निर्माण करने के उद्देश्य से रविवार को "एक साइकिल यात्रा नशा मुक्ति के नाम" का आयोजन किया गया। इस यात्रा का शुभारंभ सुबह 6 बजे बिंदाल पुल से उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रीतम सिंह ने युवाओं की और से आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज जिस तरह से युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में जा रही है वह बहुत ही चिंतनीय है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि जीवन खूबसूरत है युवा पीढ़ी को हौसला रखना चाहिए और सकारात्मक रवैया रखना चाहिए।

लगभग 18 किलोमीटर की इस साइकिल यात्रा का समापन नाथ वेडिंग प्वाइंट, चकराता रोड पर प्रातः 9 बजे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर रावत ने रितेश छेत्री और विकास यादव द्वारा आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए, नशामुक्त समाज की दिशा में यह पहल युवाओं को प्रेरित करेगी और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करेगी। इस अवसर पर रिटायर्ड कर्नल अनिल गुरुग, वेद प्रकाश दुग्गल (101 वर्षीय साइकिल सवार), विश् धीमान और हिमानी, लाल चंद शर्मा, गरिमा मेहरा दसौनी, कोमल वोहरा, संजय शर्मा, मदन लाल, दीप वोहरा, जगदीश धीमान, प्रदीप जोशी, संजय कन्नौजिया , पिया थापा, प्रमोद गुप्ता, पीयूष जोशी, नितिन चंचल, वंश सूद, अजय रावत, गगन, प्रदीप ओझा, अभिषेक बिष्ट, मुकेश राजपूत, लक्ष्य धिंगरा, वंश चौधरी, सावन, ऋषभ जैन व नवनीत ओलिवर उपस्थित रहे।

जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान करता है रक्तदान : जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को गजियावाला घट्टीखोला स्थित आदिशक्ति मां कालिका मंदिर परिसर में राष्ट्रीय हिंदू संगठन एवं लक्ष्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह शिविर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष स्वर्गीय दीपक पुण्डीर की स्मृति में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान करता है। उन्होंने बड़ी संख्या में युवाओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं को रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया और इसे पुण्य का कार्य बताया। कैबिनेट मंत्री ने शिविर स्थल पर अपना वजन जांच कर स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया और उपस्थित युवाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। मंत्री जोशी ने स्वर्गीय दीपक पुण्डीर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका समाज सेवा के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर संस्थापक लक्ष्य फाउंडेशन केदार जोशी, गणेश शर्मा सोती, अनुराग, समुंदर सहित कई रक्तदाता उपस्थित रहे।

राज्य के 6 साहित्यकारों को 'उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान'

सीएम धामी ने समारोह में साहित्यकारों को प्रदान किया सम्मान, उत्कृष्ट योगदान देने वाले साहित्यकारों को 5 लाख की पुरस्कार राशि

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य सरकार उत्तराखंड भाषा संस्थान के माध्यम से राज्य के बिखरे हुए साहित्य को संरक्षित, संकलित और पुनर्स्थापित करने के लिए ठोस कार्य कर रही है। सरकार स्थानीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण के लिए भी सतत प्रयास कर रही हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी समृद्ध भाषाई विरासत से जुड़ी रहें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को हिंदी दिवस के अवसर पर आईआरडीटी सभागार, सर्वे चौक में आयोजित 'उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान समारोह' में प्रतिभाग किया और प्रदेश व देश भर से पधारे साहित्यकारों, कवियों तथा भाषा प्रेमियों को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें हिंदी भाषा को समृद्ध बनाने वाले महान साहित्यकारों को 'दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान' से सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने उन सभी साहित्य साधकों को शुभकामनाएं दीं जो अपनी रचनात्मकता से सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा सौंपी गई साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत केवल हमारे अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि हमारी पहचान और सभ्यता की नींव हैं इसलिए इन्हें संरक्षित रखना हम सभी का नैतिक उत्तरदायित्व है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक खजान दास, सचिव नीरज खैरवाल, भाषा संस्थान की निदेशक जसविंदर कौर व प्रदेश के कई गणमान्य अतिथि, शिक्षाविद, साहित्यकार, छात्र एवं संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे।

साहित्यकारों को दिया जा रहा प्रोत्साहनः धामीः मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि श्उत्तराखंड भाषा संस्थानश् के माध्यम से हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के विकास हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा 'उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान', 'साहित्य भूषण', 'लाइफ टाइम अचीवमेंट' पुरस्कारों के माध्यम से साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है और नई पीढ़ी के लिए रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन कर उन्हें प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है।

इन साहित्यकारों को किया गया सम्मानित

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साहित्यकार शैलेश मटियानी, गिरीश तिवारी, शेरदा अनपढ़, हीरा सिंह राणा को मरणोपरान्त उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान 2025 से सम्मानित किया द्य इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सोमवारी लाल उनियाल व अतुल शर्मा को भी उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान से सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, शिवानी, शैलेश मटियानी, गिर्दा, शेर दा 'अनपढ़', और 'हिरदा' जैसे रचनाकारों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया, जिन्होंने उत्तराखंड के जीवन, संघर्ष और संस्कृति को अपनी रचनाओं में जीवंत किया। उन्होंने कहा कि समकालीन रचनाकारों में अतुल शर्मा, प्रसून जोशी, और उनियाल जी जैसे साहित्यकार इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

सहकारिता से बदलेगी हिमालयी राज्यों की तकदीरः डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

शिमला/देहरादून। हिमालयी राज्यों की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच सहकारिता ऐसा माध्यम है, जो यहां की तकदीर बदल सकता है। इसके लिए सहकारिता क्षेत्र में नवाचार और साझा प्रयास आवश्यक हैं। यह बात सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड द्वारा शिमला में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में कही।

डॉ. रावत ने कहा कि हिमालयी राज्यों की परिस्थितियां अन्य राज्यों से अलग हैं। यहां की भौगोलिक विषमताएं विकास में कई बार बाधा बनती हैं, लेकिन सहकारिता ऐसा सशक्त माध्यम है, जो इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को मजबूती देकर ग्राम्य जीवन, महिला सशक्तिकरण, कृषि, दुग्ध उत्पादन तथा कुटीर एवं लघु उद्योगों को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश मिलकर सहकारी बैंकों एवं समितियों में व्यावसायिक नवाचार पर काम करेंगे, इसके लिये दोनों राज्य ठोस कार्ययोजना तैयार करेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। डॉ रावत ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' मंत्र को आत्मसात करते हुए बहुआयामी कार्ययोजनाएं लागू की हैं। इसके अंतर्गत दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत अब तक 11,19,852 लाभार्थियों और 6,251 स्वयं सहायता समूहों को 6812 करोड़ ब्याज मुक्त ऋण वित. रित किया गया है।

आईआईएफएल करेगा आपके सपने पूरे

देहरादून। आईआईएफएल का मूल सिद्धांत है, सपना आपका, गोल्ड लोन हमारा। अपने इसी विश्वास के साथ आईआईएफएल फाईनेंस लाखों भारतीयों का भरोसेमंद ग्रोथ पार्टनर है। नए भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली एमएसएमई की महत्वाकांक्षाओं और लोगों के सपनों को पूरा करने के उद्देश्य से आईआईएफएल फाईनेंस उन्हें सुलभ वित्तीय समाधान प्रदान करके विकास की यात्रा में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह लोन बहुत आकर्षक और किफायती मूल्य पर दिया जाता है।

नबी के रास्ते पर चलकर अच्छे कार्य करें: मुफ्ती मुजम्मिल

नशे और सोशल मीडिया की लत से युवाओं को बचाएं: कासमी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जमीयत उलमा ए हिंद जिला देहरादून की ओर से आयोजित जलसे में मुख्य अतिथि दारुल उलूम देवबंद के प्रोफेसर मुफ्ती मुजम्मिल बदायूंनी ने कहा कि नबी के रास्ते पर चलकर अच्छे कार्य किए जाने चाहिए। उन्होंने जरूरतमंदों की मदद करने का भी आह्वान किया। उन्होंने पैगंबर मोहम्मद साहब के जीवन को आत्मसात करने और इंसानियत के रास्ते पर चलने की बात कही।

शनिवार देर रात देहरादून में जमीयत उलमा ए हिंद की ओर से अधोईवाला स्थित फिरदौस मस्जिद में एक जलसा आयोजित किया गया। मुफ्ती मुजम्मिल ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने जो सत्य का मार्ग दिखाया हैं, उसी के अनुरूप जीवन यापन करना चाहिए।

जमीयत उलमा ए हिंद के जिलाध्यक्ष मौलाना अब्दुल मन्नान कासमी ने समाज में बढ़ती नशे की लत, सोशल मीडिया और मोबाइल के दुरुपयोग पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह दोनों ऐसी बुराइयां हैं जो समाज में तेजी से पनप रही हैं और इससे घर के घर बर्बाद हो रहे है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अपने बच्चों को इन दोनों बुराइयों से बचने के लिए पूरे प्रयास किए जाएं जमीयत उलेमा हिंद भी इसके लिए लगातार अभियान चला रहा है।

जलसे की अध्यक्षता मुफ्ती हुजैफा ने की। इस दौरान शहर मुफ्ती सलीम अहमद कासमी, जलसा संयोजक मुफ्ती नदीम, मौलाना उमर, मौलाना शोएब, मौलाना रागिब, मुफ्ती अयाज, मौलाना अकबर, कारी अबूबकर, मुफ्ती जिया व मास्टर अब्दुल सत्तार आदि मौजूद रहे।

कक्षा 8 की सुर्याशी बधानी की हिंदी कविता पुरुस्कृत

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राष्ट्रीय हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कक्षा 8 की छात्रा सुर्याशी बधानी की कविता को श्रेष्ठ कविता के रुप में पुरुकृत की गई है। सूर्याशी बधानी एसवीएम स्कूल नथुवा वाला रायपुर की में कक्षा आठ में पढ़ती है। माता मीना बधानी एवं पिता नवीन बधानी ने भी अपनी होनहार बेटी की सृजनात्मकता एवं हिंदी के प्रति समझ पर गौरान्वित होते हुए स्कूल में मिली उपलब्धी पर हर्ष व्यक्त किया है।

कविता: हमारी पहचान हिंदी

सागर मे मिलती धाराएं,
भाषाएं गुम हो जाती हैं।
जन-जन की भाषा है हिन्दी,
पहचान गुम हो जाती हैं।
भारत की आशा है हिन्दी,
बच्चों का पहला शब्द है हिन्दी,
माँ के प्रेम का प्रतीक है हिन्दी,
अजादी की भाषा है हिन्दी।
अभिमान की भाषा है हिन्दी,
जिसने पूरा देश जोड़ा,
वो भाषा है हिन्दी,
हिन्दी सबका संगम है।
शब्द, नाद, लिपि से आगे,
एक भरोसा अनुपम है।
गंगा कावेरी की धारा,
साथ मिलती हिन्दी है।.
पूरब-पश्चिम कमल-पंखुरी
सेतु बनाती हिन्दी है।
हिन्दुस्तान की गौरव गाथा है हिन्दी,
जिसके बिना हिन्द थम जाए
ऐसी जीवनरेखा है हिन्दी।
ऐसा न हो एक दिन,
गुम हो जाए पहचान हमारी।
जैसे अब गुम हो जाती है,
हमारी प्यारी मातृ भाषा हिन्दी।

..... सुर्याशी बधानी

रामलीला महोत्सव 2025 पुस्तिका का विमोचन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून (पंजी.) उत्तराखंड की प्राचीन व गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी-पुरानी टिहरी की 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला को टिहरी के जलमग्न होने के बाद देहरादून में पुर्नजीवित करने का संकल्प लिया है और इस के लिये इस वर्ष देहरादून के गुरुनानक मैदान, रेसकोर्स में रामलीला महोत्सव 2025 का मंचन शारदीय नवरात्रों में 22 से 3 अक्टूबर तक किया जाएगा। रामकृष्ण लीला समिति के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा की इस बार रामलीला महोत्सव में रामलीला मंचन के साथ उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर का भी समागम होगा जिसमें प्रदेश के कोने कोने से कलाकार अपनी कला की छटा भी बिखेरेंगे। संरक्षक बलेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि भव्य रामलीला महोत्सव 2025 की स्मारिका पुस्तिका इतिहास में इतिहास साथ वर्तमान की झलकियों का संगम होगा।

मुख्यफेस्टिवल से पहले अर्ली डील्स की शुरुआत

देहरादून। अमेजन डॉट इन ने आज अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2025 से पहले श्अर्ली डील्सश् को शुरु किया है। मुख्य फेस्टिवल 23 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे की विशेष अर्ली एक्सेस का लाभ मिलेगा। इस साल का शॉपिंग फेस्टिवल विशाल डिलीवरी नेटवर्क, एआई-संचालित शॉपिंग टूल्स और त्योहारों के जश्न को और भी खास बनाने के लिए विशेष मनोरंजन विकल्पों द्वारा खरीदारी का अनुभव को शानदार बनाने का वादा करता है। प्राइम मेंबर्स पूरे ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरान बेहतरीन मूल्य का आनंद ले सकेंगे।

दून में प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जन अधिकार पार्टी की ओर से देहरादून में एक भव्य प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी से जुड़े प्रबुद्धजन व शहर के अनेक बुद्धिजीवी शामिल हुए। सम्मेलन में पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं विचारधारा पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि जन अधिकार पार्टी अन्य दलों के मुकाबले देश और प्रदेश में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखती है।

इस अवसर पर कमर खान उर्फ ताबी, तोसीर अहमद, हाजी हामिद, गुलशेर अहमद, रईस अहमद, नवाब सिद्दीकी, मकबूल अंसारी, सलीम खान, आबिद अली, हारून, सलीम अहमद कुरैशी, एहसान अली, शमीम अहमद, जाकिर हसन, सुल्तान अहमद, दिलशाद अहमद, इस्लामुद्दीन, अय्यूब हसन, एहसान अहमद, हाजी यूसुफ, फुरकान अली, इस्लाम्, शराफत अंसारी, अजीत पाल, सौरभ कश्यप, याकूब अली, शालीन, अफजल, खुर्शीद अहमद, राश्दि, कैफ, अजहर, सलीम, नौशाद नासिर, जाकिर, शोएब, डॉ. अजाज, इरफान, इमरान, साबिर, रियाज खान, मौ. इसरार, नदीम, नवाब, इरफान आदि ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कांग्रेस ने प्रदेश भर में सरकार के फूंके पुतले

जॉर्ज एवरेस्ट घोटाले की उच्च स्तरीय जांच होने तक जारी रहेगा आंदोलन

देहरादून। उत्तराखंड पर्यटन विभाग की और से मसूरी में जॉर्ज एवरेस्ट पार्क की संपत्ति मिलीभगत से बाबा राम देव के व्यावसायिक साझीदार आचार्य बालकृष्ण को मात्र एक करोड़ रुपए प्रति वर्ष की दर पर पंद्रह साल के लिए लीज पर देने और उसे आगे और पंद्रह वर्ष के लिए बढ़ाने का प्रावधान करने के खिलाफ रविवार को कांग्रेस ने प्रदेश भर में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर सरकार का पुतला दहन किया।

कांग्रेस ने ऐलान किया कि इस पूरे घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की घोषणा तक कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। राजधानी देहरादून में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना व महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी की संयुक्त अगुवाई में कांग्रेस मुख्यालय में एकत्रित कांग्रेस जनों ने पहले जम कर केंद्र सरकार प्रदेश सरकार व पर्यटन मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की व जुलूस की शक्ल में राजपुर रोड में क्वालिटी चौक पर राज्य सरकार का पुतला फूंका।

उत्तराखंड भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने आखिरकार लंबे इंतजार के बाद अपनी नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के निर्देशन में घोषित इस टीम में संगठन की कसावट और संतुलन साधने की कोशिश साफ दिखाई देती है। कुल 42 पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं, जिनमें उपाध्यक्ष से लेकर महामंत्री, मंत्री, प्रवक्ता और विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष शामिल हैं। घोषित सूची के मुताबिक अनिल गोयल, राजेन्द्र सिंह बिष्ट, श्रीपाल राणा, आशा नौटियाल, स्वामी यतीश्वरानन्द, शैलेंद्र बिष्ट, राकेश गिरी, डॉ. स्वराज विद्वान को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं संगठन में अहम माने जाने वाले महामंत्री पद पर दीप्ति रावत, कुन्दन परिहार और तरुण बंसल को जगह दी गई है। माना जा रहा है कि यह तिकड़ी आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पार्टी संगठन की रीढ़ साबित होगी।

मंत्री और कोषाध्यक्ष भी तय

प्रदेश मंत्री के तौर पर सतिश लखेडा, आदित्य चौहान, नलिन भट्ट और दीपिका बोहरा, नेहा जोशी, गुंजन सुखिजा, मिलम मेहरा व गौरव पाण्डे को जिम्मेदारी दी गई है। कोष प्रबंधन की दृष्टि से महत्वपूर्ण पद प्रदेश कोषाध्यक्ष पर पुनीत मित्तल की नियुक्ति हुई है, जबकि साकेत अग्रवाल को सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश कार्यालय सचिव जगमोहन रावत, प्रदेश प्रकोष्ट संयोजक कौस्तुभानन्द जोशी, प्रकोष्ट सह संयोजक सचिन अग्रवाल को बनाया गया है।

प्रवक्ता और मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी

संगठन की आवाज बने प्रवक्ता पद पर अनुभवी नेता सुरेश जोशी को मुख्य प्रवक्ता बनाया गया है। वहीं मीडिया संयोजक की अहम जिम्मेदारी मनवीर चौहान, सह संयोजक विनय गोयल, राजेंद्र नेगी, प्रदीप जनोटी व विकास तिवारी को दी गई है। चौहान तीसरी बार इस पद पर नियुक्त हुए हैं, जो उनके संगठनात्मक अनुभव और कार्यकुशलता का प्रमाण माना जा रहा है।

मोर्चों में भी नियुक्तियां: भाजपा महिला मोर्चा की कमान रुचि चौहान भट्ट को सौंपी गई है। किसान मोर्चा का नेतृत्व अब महेन्द्र सिंह नेगी करेंगे। इसके साथ ही अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष बलवीर घुनीयाल और अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम सिंह राणा बनाए गए हैं, इसके अलावा अल्पसंख्यक मोर्चा की कमान अनीस गौड को सौंपी गई है।

संगठन में संतुलन की झलक

सूत्रों के मुताबिक प्रदेश कार्यकारिणी में अनुभव और युवा जोश का संतुलन साधने पर विशेष ध्यान दिया गया है। महिला नेताओं को अहम जिम्मेदारी देकर भाजपा ने आने वाले चुनावों में महिला वोट बैंक को साधने का भी प्रयास किया है। वहीं अलग-अलग मोर्चों में नियुक्ति से सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश भी साफ दिखाई दे रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने नई टीम की घोषणा करते हुए कहा कि यह कार्यकारिणी संगठन को और मजबूत बनाएगी और आने वाले चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

पीएम और सीएम के जन्म दिवस पर मंडी बोर्ड करेगा कई कार्यक्रम

देहरादून। उत्तराखंड कृषि उत्पादन बोर्ड पूरे प्रदेश में आपदा को देखते हुए 16 सितंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं 17 सितंबर से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर होने वाले सेवा कार्यों में आपदा पीड़ितों के साथ सहयोग के कार्यों में भागीदारी करेगा। मंडी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ अनिल डब्बू ने बताया कि समस्त मंडी परिषद के कर्मचारी एक दिन का वेतन आपदा कोष में देंगे। इसके अतिरिक्त मंडी से जुड़े हुए व्यापारियों के सहयोग से राशन आपदा पीडित क्षेत्र में बांटा जाएगा। डॉ डब्बू ने कहा कि 16 सितंबर को सभी मंडियों में चिकित्सा सिविर लगाए जाएंगे। 17 सितंबर को व्यापक स्वच्छता अभियान मंडियो में चलाया जाएगा, जिसमें मंडी के सभी अधिकारी कर्मचारी व्यापारी किसान व्यापक रूप से भागीदारी करेंगे।

खोया-पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्री नवनीत बंसल पुत्र श्री अनुज बंसल व शिवम बंसल पुत्र प्रवीण बंसल निवासीगण रूड़पुर थाना सहसपुर जनपद देहरादून द्वारा दिनांक 13.09.2022 को खाता संख्या 1016 खसरा नं0 2196 रकबा .3640 है0 1/3 भाग भूमि मौजा एटनबाग तहसील विकासनगर तथा भूमि खाता सं0 1016 खसरा नं0 2318 रकबा 0.2669 का 1/3 भाग मौजा एटनबाग तहसील विकासनगर द्वारा हेमराज सिंह बिश्ट पुत्र दिवान सिंह नि0 नजदीक ईदगाह पियान बजेती जनक पिथोरागढ़ को उक्त भूमि विक्रय की थी जिनकी मूल रजिस्ट्री दिनांक 12.08.2025 को कहीं खो गई है। यह रजिस्ट्रियां कहीं किसी की जमानत में और कहीं गिरवी नहीं रखी गई है। **हेमराज सिंह पुत्र दीवान सिंह, नि0 नजदीक ईदगाह पियाना पिथौरागढ़, उत्तराखंड।**

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता श्री हरबंस लाल अरोरा का देहांत दिनांकः 02.01.2024 को हो गया था। मेरे पिताजी श्री हरबंस लाल अरोरा जी की मृत्यु के पश्चात उनके दोनों पुत्र यानी कि मैं अंकुर अरोरा और मेरे छोटे भाई मयंक अरोरा का उनकी सम्पति पर वारिसाना हक होगा, अन्य किसी का उनकी सम्पति पर किसी भी प्रकार का कोई भी हक नही होगा।
अंकुर अरोरा पुत्र स्वर्गीय हरबंस लाल अरोरा, निवासी मकान संख्या-10 अमित विहार आई टी पार्क, डांडा लखौण्ड, देहरादून, उत्तराखंड- 248001

बस अड्डा स्थानांतरण, कॉरिडोर और जान्हवी मार्केट को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। व्यापारियों ने बैठक कर प्रशासन से बस अड्डा के स्थानांतरण, कॉरिडोर और जाह्नवी मार्केट को लेकर भ्रम को दूर करने की मांग की है। भूपतवाला स्थित कुमार भवन कुम्हार धर्मशाला में आयोजित बैठक में विभिन्न व्यापार मंडलों के पदाधिकारी शामिल हुए और व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। व्यापारियों ने प्रशासन से अपील भी की कि व्यापारियों और व्यापार से जुड़ी योजनाओं पर व्यापारियों से बात कर स्थिति स्पष्ट की जाए।

डा. विशाल गर्ग ने कहा कि व्यापारी हमेशा से शासन और प्रशासन का सहयोग करते आए हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के अधिकारों की लड़ाई संगठित रूप से लड़ी जानी चाहिए। डा.गर्ग ने कहा कि व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और जिलाधिकारी से मिलकर बस अडडे के स्थानांतरण, कॉरिडोर और जाह्नवी मार्केट के मुद्दे पर चर्चा करेगा। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि किसी भी बयानबाजी और अटकलबाजी पर ध्यान न दें और संगठित रहें।

बैठक को संबोधित करते हुए व्यापारी नेता प्रवीण शर्मा और मयंक मूर्ति भट्ट ने कहा कि बस अड्डे को शहर से बाहर शिफ्ट करने, कॉरिडोर और जाह्नवी मार्केट को लेकर चल रही अटकलबाजियों और बयानबाजी की वजह से व्यापारियों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। जिससे व्यापारी वर्ग मानसिक रूप से परेशान है। उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि इन मुद्दों पर व्यापारियों को स्पष्ट संदेश दिया जाए और भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। तेज प्रकाश साहू, आदेश मारवाड़ी और योगेश भारद्वाज ने कहा कि व्यापारियों के दिमाग में कई सवाल हैं, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई ठोस जानकारी नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों से जुड़े तमाम मुद्दो पर स्थिति स्पष्ट की जाए। शिवकुमार कश्यप' ने कहा कि कुंभ मेला नजदीक है। कुंभ मेले में हरिद्वार का व्यापारी निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को व्यापारियों के बीच आकर सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। बैठक में प्रवीण शर्मा, मनोज सिरोही, शिवकुमार कश्यप, तेज प्रकाश साहू, बादल गोस्वामी, योगेश भारद्वाज, विशाल गर्ग, अजय दीपक गुप्ता, रामकिशोर, अनुज गुप्ता, पारस जैन, आदेश मारवाड़ी, संतोष गुप्ता, विमल सक्सेना, निशा गुप्ता, विवेक गुप्ता, हरीश और अश्वनी कुमार सहित कई व्यापारी नेता मौजूद रहे।

युवा कांग्रेस ने निकाली बाइक रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष कैश खुराना के नेतृत्व में सिंहद्वार श्रद्धानंद चौक से देशरक्षक तिराहा, कनखल चौक, पहाड़ी बाजार, बंगाली मोड होते हुए वापस सिंहद्वार तक बाइक रैली निकाली। कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के अंतर्गत बाइक रैली के दूसरे चरण में निकाली गयी बाइक रैली में कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश प्रभारी सुरभी द्विवेदी, प्रदेश अध्यक्ष सुमितर भुल्लर भी शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रभारी सुरभी द्विवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और भाजपा के खिलाफ देश को जगाने का कार्य किया। वोट चोरी कर भाजपा अपनी सरकार बनाती है। चुनाव आयोग के साथ साथ भाजपा भी जनता की दोषी है और दोनों को देश से माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष सुमितर भुल्लर ने कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष और जनता की आवाज को दबाना चाहते हैं। विपक्ष बहुत मजबूत है और जनता के साथ है। जिलाध्यक्ष कैश खुराना ने कहा कि देश संविधान से चलता आया है और भविष्य में भी संविधान से चलेगा।

संविधान ही एक आम नागरिक को सरकार चुनने का अधिकार देता है। बीएलओ ने बीजेपी के साथ मिलकर जनता के मताधिकार को छीना है। हरिद्वार में भी बाहरी लोगों के वोट बनाए गए। स्थानीय लोगों के साथ धोखा किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अमन गर्ग, शहर अध्यक्ष तुषार कपिल, नितिन तेश्वर, वरुण बालियान, तरुण व्यास, दुर्गेश शर्मा, मृत्युंजय पांडे, रवि राजू, ऋषभ वशिष्ठ, राजबीर सिंह चौहान, अशोक शर्मा, सागर बेनीवाल, जितेंद्र सिंह, आशु भारद्वाज, लता जोशी, पार्षद सुनील कुमार, सोहित सेठी, हिमांशु गुप्ता, सुमित त्यागी, राजीव भार्गव, संजय कुमार, सार्थक ठाकुर, जितेंद्र सिंह, अक्षय गोदियाल, वंश, जोनी, मोहित चंचल, तनु वालिया, आशुतोष श्रीवास्तव, लक्की महाजन, मनीष गुप्ता, याज्ञिक वर्मा, जतिन हांडा, विकास चंद्रा, ओम पहलवान आदि शामिल रहे।

मॉर्निंवॉक पर निकली महिला के गले से चेन झपटकर फरार हुआ बदमाश

चेन स्नैचिंग गैंग फिर हुआ सक्रिय

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के शिवालिक नगर में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला के साथ चौन स्नैचिंग की वारदात हो गई। बताया जा रहा है कि महिला अपनी कॉलोनी में टहल रही थी, तभी अचानक पीछे से बाइक सवार युवक आया और देखते ही देखते महिला के गले से सोने की चौन झपट ली। इससे पहले कि महिला कुछ समझ पाती, बदमाश तेज रफ्तार से बाइक दौड़ाता हुआ फरार हो गया। महिला ने शोर मचाकर लोगों को बुलाने की कोशिश की, लेकिन तब तक आरोपी काफी दूर निकल चुका था। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि बाइक सवार बड़ी ही सफाई से चौन झपटने के बाद मौके से फरार हो जाता है। सूचना मिलते ही रानीपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी खंगाले। पुलिस ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस वारदात से कॉलोनी के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि आए दिन इस तरह की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। लोग पुलिस गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग कर रहे हैं। रानीपुर कोतवाली प्रभारी शांति कुमार ने बताया कि अभी कोई तहरीर नही आई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर लिया जायेगा।

शिक्षकों ने नियमावली तर्पण कार्यक्रम का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। प्रधानाचार्य सीधी भर्ती नियमावली निरस्त करने और शिक्षकों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग सहित 34 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलनरत शिक्षकों ने राजकीय शिक्षक संघ के आह्वान पर ओमपुल के पास नियमावली तर्पण कार्यक्रम का आयोजन कर नियमावली का तर्पण किया और मांगे पूरी होने के तक आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया। इस दौरान शिक्षकों ने मांग की कि सरकार प्रधानाचार्य सीधी भर्ती नियमावली को निरस्त करे और शिक्षकों की लंबित पदोन्नतियों प्रक्रिया शीघ्र शुरू करे। साथ ही शिक्षकों ने वार्षिक यात्रा अवकाश, वेतन विसंगति दूर करने आदि सहित 34 सूत्रीय मांगों पर भी तत्काल कार्रवाई की मांग की।

इस अवसर पर राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष राम सिंह चौहान, गढ़वाल मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह सरियाल, मंत्री हेमंत पैन्यूली, संगठन मंत्री मक्खन लाल, संयुक्त मंत्री क्रोधा नेगी, टिहरी जनपदीय अध्यक्ष बुद्धि प्रसाद भट्ट, हरिद्वार जिला अध्यक्ष लोकेश कुमार, उपाध्यक्ष विकास शर्मा, महामंत्री विवेक सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष हरेंद्र सैनी, मांगेराम मौर्य सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त उत्तरांचल पर्वतीय शिक्षक कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष ललित मोहन जोशी, मीडिया प्रभारी कुलभूषण शर्मा, उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष खीमानंद भट्ट, कोषाध्यक्ष अनिल सिंह नेगी, संगठन मंत्री विनोद कश्यप, प्रचार मंत्री प्रबल सिंह, ज्योति सिंह, अमित ठाकुर, चिकित्सा स्वास्थ्य प्रांतीय पदाधिकारी दिनेश लखेड़ा, शिक्षक संघ के नागेन्द्र पुरोहित, मुकेश वशिष्ठ, गजेंद्र सिंह, एनएमओपीएस के जिला अध्यक्ष सुखदेव सैनी, रुड़की ब्लॉक अध्यक्ष सुबोध कुमार नैन, मंत्री लाल सिंह, बहादराबाद ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र पाल, मंत्री संदीप कपिल, लक्सर ब्लॉक अध्यक्ष सुशील चौधरी, ब्लॉक उपाध्यक्ष मंजू सिंह सहित विभिन्न ब्लॉकों के पदाधिकारी व सदस्य भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश को लेकर न्यूज पोर्टल चलाने वाले से मारपीट कर किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र में न्यूज पोर्टल चलाने वाले एक युवक को तीन व्यक्तियों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की भी धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमे में दो लोग नामजद और एक अज्ञात को शामिल किया गया है। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के गांव अम्बुवाला निवासी अर्जुन कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका चाचा मित्रपाल न्यूज पोर्टल चलाता है। गुरुवार रात करीब 10 बजे मित्रपाल घर जा रहे थे। रास्ते में पथरी चौक पर पहले से घात लगाए बैठे बिजेन्द्र पुत्र पदम, रणजीत व अन्य अज्ञात व्यक्ति ने पुरानी रंजिश के चलते उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। जिससे

वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया।पथरी थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि तहरीर के आधार हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

भोगपुर में गंगाजल यात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

हरकी पैड़ी से 17 को गंगाजल लेकर किसान होंगे नई दिल्ली रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। क्षेत्र लक्सर के टांडा मजबता ग्राम सभा भोगपुर मे आगामी 17 सितंबर को हरिद्वार हरकी पौड़ी से गंगाजल लेकर नई दिल्ली को जाने वाली यात्रा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मे मुख्य अतिथि प्रियव्रत पूर्व ब्लाक प्रमुख राष्ट्रीय सलाहकार किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन रहे। इस अवसर पर उन्होने गंगाजल यात्रा की तैयारियो हेतु उन्होने बताया कि 17 सितंबर को सुबह 7 बजे से भारतीय किसान एकता मंच के समस्त पदाधिकारिगण हर की पौड़ी से गंगाजल लेकर लेकर दिल्ली के लिए रवाना होगे। रास्ते में विश्राम हेतु बहादराबाद बाईपास पर होगा।

उन्होने बताया किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन के राष्ट्रीय सलाहकार प्रियव्रत के नेतृत्व मे ग्राम सभा भोगपुर मे 22 सदस्यो को किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन मे सदस्यता दी गई जो कि सराहनीय कार्य है। उन्होंने बताया कि भारतीय किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन उत्तराखंड की प्रमुख मांगे इस प्रकार है गन्ना मूल्य बढाया जाए,स्मार्ट मीटर नही लगाए जाए, किसानो के ट्यूबवेल का बिल पूर्णतया मुफ्त हो,उच्च न्यायालय के अनुसार 14 दिन के अंदर गन्ने का भुगतान अन्यथा ब्याज दिया जाए 1.5 खाद बीज मूल्य मे संसोधन किया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मगन सिंह ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से रामकिशन, यशपाल सैनी, सुशील राठौर, रोबिन कश्यप राजू कश्यप, नेमचंद सैनी, भजन सिंह राठौर, गंगाराम कश्यप, सत्यवीर राठौर, चरण सिंह राठौर, पवन चौहान, दिनेश चौहान, सतीश राणा, कुलदीप कुमार आदि सैकडो महिलाए पुरुष उपस्थित हुए।

ब्रांडेड कंपनी के डुप्लीकेट शैंपू फैक्ट्री का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

बंद मकान में चल रहा अवैध कारोबार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में एक मकान में नकली शैंपू बनाने की फैक्ट्री का खुलासा करते हुए छापा मारकर तीन आरोपियों को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 15 लाख रुपये के नकली शैंपू का माल बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है।

सिडकुल थानाध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश भर में अवैध रूप से चल रही है फैक्ट्रियो के संबंध में सभी जनपदों के प्रभारी को सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे।

रविवार को थाना सिडकुल पुलिस द्वारा लगातार क्षेत्र में सतर्क रहकर उक्त संबंध में जानकारी एकत्र कर रही थी इसी दौरान ज्ञात हुआ कि डैन्सो चौक के पास एक मकान में किसी व्यक्ति के द्वारा किसी कंपनी के प्रोडक्ट का डुप्लीकेट सामान बनाकर बेचा जा रहा है। सूचना पर मौके पर जांच के लिए पुलिस टीम घटनास्थल डेंसो चौक के अंदर गंगोत्री एनक्लेव फेस 3 में पहुंची तो पुलिस को देखकर मकान के अंदर से एक व्यक्ति छत के रस्ते भाग गया। मकान के अंदर तीन व्यक्ति मिले जिन्होंने अपने नाम हसीन, मोहसिन व शहबान बताया। कमरों के अंदर चेकिंग की गई तो एक कमरे में हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड कंपनी के क्लिनिक प्लस व सनसिल्क ब्रांड के शैंपू बनाए जा रहे थे मौके से कुछ और सामान भी बरामद हुआ। ड्रग इंस्पेक्टर हरि सिंह को मौके पर बुलाया गया और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मैनेजर को भी मौके पर बुलाया कर कंपनी के मालिक हसीन से पूछताछ कर वैध ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक लाइसेंस के बारे में कंपनी में बनाए जा रहे समान व कच्चे माल के बारे में पूछा गया तो हसीन द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड कंपनी के क्लिनिक प्लस शैंपू व सनसिल्क शैंपू ब्रांड के शैंपू बनाए जा रहे हैं तथा बनाने का कोई लाइसेंस नहीं मिला और कच्चे माल के बारे में कोई रिकॉर्ड व दस्तावेज भी नहीं मिले तथा इधर-उधर की बातें करने लगा।

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने लेकर आई। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम हसीन अहमद पुत्र शकील अहमद निवासी पठान चौक लंढौरा मंगलौर जनपद हरिद्वार। शहबान पुत्र बशीर निवासी माता वाला मोहल्ला लंढौरा मंगलौर जनपद हरिद्वार। मोहसिन पुत्र ईखलाक निवासी माता वाला मोहल्ला लंढौरा मंगलौर जनपद हरिद्वार। बताया है। सिडकुल थानाध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि फरार आरोपी की तलाश की जा रही है जल्दी ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा। पुलिस टीम में सिडकुल थानाध्यक्ष नितेश शर्मा और ड्रग इंस्पेक्टर हरि सिंह, उप निरीक्षक इंद्रसिंह गडिया, हेड का. देशराज, हेड कां. सुनील सैनी, का. गजेंद्र, कां. अनिल कंडारी शामिल रहे हैं।

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब

न्यायालय श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज/एमएसीटी महोदय, हरिद्वार

एमएसीटी सं.- सन 2025

अंकुर चन्द पुत्र भगवान चन्द निवासी ए.एच.एस. 0050 कैट मार्ग, जाखनी, निकट नौला जाखनी, पिथोरागढ़ जिला पिथोरागढ़ उत्तराखण्ड ..... प्रार्थी/याची

बनाम

1. जुल्फुकार पुत्र मोहसीन निवासी ग्राम सुल्तानपुर आदमपुर तहसील लक्सर जिला हरिद्वार वाहन चालक/पंजीकृत वाहन सं0-यूके 04सीबी 0227, 2. जुल्फुकार पुत्र मोहसीन निवासी सुल्तानपुर आदमपुर तहसील लक्सर जिला हरिद्वार पंजीकृत वाहन स्वामी वाहन सं0- यूके 04सीबी 0227, 3. नेशनल इन्श्यारेन्स कम्पनी लिमिटेड द्वारा प्रबंधक पता - 3 मिडिलटन स्ट्रीट कोलकत्ता 700071 --- बीमा कम्पनी वाहन सं0 यूके 04सीबी 0227, 4. बजाज एलाइन्ज जनरल इन्शयोरेन्स कम्पनी लिमिटेड द्वारा प्रबंधक bajaj Finserv Building 1st floor behind weikfield IT Park viman Nagar pune 411014 ----- बीमा कम्पनी वाहन सं0 यूके 17 एफ 6061 ...... विपक्षीगण।

हरगाह याची ने आपके नाम एक एमएसीटी याचिका बाबत कलेम हेतू दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20.09.25 वास्ते आपत्ति/जवाबदावा बवक्त 10:30 बजे पूर्वाह्न दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुत्तालिक मुकदमे का जवाब दे सके या जिसके पास कोई शख्स जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके। हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करे और हरगाह वाद तारीख जो आपको इजहारो के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा तजबीज हुई बस आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहो हो जिनकी शाहदत पर नीज तमाम दस्तावेज को जिन पर आप अपनी जवाबदेही के ताईद इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करे आपको इत्तिला दी जाती है कि बराज मजबूर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपको समसूआ और फैसला होगा। मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2025 के माह दिवस को निकाली गई।

प्रबंधक - न्यायालय द्वितीय अपर जिला जज/एमएसीटी, हरिद्वार

महान कीर्तन दरबार का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल स्थित निर्मल संतपुरा आश्रम गुरुद्वारे में 21वां महान कीर्तन दरबार और संत समागम का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में हजारों की संख्या में संगत ने गुरुद्वारे पहुंचकर महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी और श्री गुरु ग्रन्थ साहिब के आगे माथा टेका। कार्यक्रम में हजूरी रागी श्री दरबार साहिब भाई बलदेव सिंह, भाई कुलतार सिंह जालंधर वाले, भाई हरजिंदर सिंह खालसा जालंधर वाले ने शब्द कीर्तन सुनाकर संगत को निहाल किया। आश्रम के परमाध्यक्ष संत जगजीत सिंह शास्त्री ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 70वीं 101 अखंड पाठ की संपूर्णता पर महापुरुषों की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उन्होंने कहा कि महापुरुषों को भूलना नहीं चाहिए। सत्संग और महापुरुषों का समय बहुत मुश्किल से मिलता हैं। अपना मन सत्संग और गुरबाणी में लगाएं।

समागम में महंत चमकौर सिंह लोहगढ़, बाबा सुक्खा सिंह भूरीवाले, महंत विक्रमजीत सिंह, बाबा तीरथ सिंह, संत मंजीत सिंह, संत तरलोचन सिंह, संत बलजिंदर सिंह शास्त्री, स्वामी गंगादास, महंत राघवेंद्र दास, महंत तीरथ सिंह, स्वामी सुधांशु, स्वामी प्रबोधानंद, बलजीत सिंह, ज्ञानी पंकज सिंह सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

विशाल स्तर पर भव्य रूप से मनाई जाएगी 650वीं रविदास जयंती

देश के सभी जिलों में होंगे कार्यक्रम : सुरजीत कुमार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शिरोमणि गुरू रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत कुमार ने कहा कि संत शिरोमणी गुरू रविदास महाराज की 650वीं जयंती विशाल स्तर पर भव्य रूप से मनायी जाएगी। प्रैस क्लब में पत्रकारवार्ता के दौरान जानकारी देते हुए सुरजीत कुमार ने बताया कि रविदास जयंती के उपलक्ष्य में उत्तराखंड सहित देश के सभी जिलों में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एक साल निरंतर कार्यक्रमों का आयोजन कर संत रविदास महाराज की शिक्षाओं का प्रचार प्रसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाला युग संत रविदास के नाम से जाना जाएगा। समाज में एकता, समरसता, समानता का वातावरण स्थापित होगा। सुरजीत कुमार ने बताया कि तुगलकाबाद रविदास मंदिर निर्माण काम जल्द शुरू होगा। संत रविदास के विचारों और शिक्षाओं को आगे बढ़ा रही शिरोमणि गुरू रविदास महापीठ के पदाधिकारी और सदस्य तुगलकाबाद रविदास मंदिर समिति का सहयोग करते हुए देश में गांव-गांव जाकर मंदिरों की मिट्टी और पानी एकत्र करेंगे। जिसका उपयोग मंदिर निर्माण में किया जाएगा।

महापीठ के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष डा.धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि 12 अक्टूबर को हरिद्वार में प्रदेश स्तरीय अधिवेशन का आयोजन किया जाएगा। अधिवेशन में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व महापीठ के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष दुष्यंत कुमार गौतम भी शामिल होंगे। पूर्व विधायक एवं दर्जा राज्यमंत्री देशराज कर्णवाल ने कहा कि तुगलकाबाद मंदिर के पुनर्निर्माण को भव्य और दिव्य बनाने के लिए महापीठ हरसंभव सहयोग करेगी।

प्रेसवार्ता के दौरान अशोक भारती, किशोर पाल, विजयपाल, सतीश कुमार, राजेश गौतम, जिला अध्यक्ष देशराज', सुरेंद्र कुमार, नेहा बर्मन, सोनू कुमार, वीरेंद्र कुमार, साधु संप्रदाय से संदीप खत्री, डा.संजय, भूप सिंह सहित महापीठ के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्तराखंड आपदा पीड़ितों की अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद करेगा मदद

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। निरंजनी अखाड़े में संपन्न हुई अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की बैठक में संत समाज ने उत्तराखंड आपदा पीड़ितो की मदद के लिए सरकार का सहयोग करने का निर्णय लिया है। अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरी की अध्यक्षता व अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी के संचालन में हुई बैठक में सभी अखाड़ों के संत शामिल हुए।

बैठक में संतों ने मनसा देवी मंदिर हादसे, उत्तराखंड, पंजाब समेत देश के विभिन्न राज्यों में प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और सर्वसम्मति से उत्तराखंड के आपदा के पीड़ितों की आर्थिक मदद करने, सड़क बनाने, लोगों के घर बनाने और स्कूलों के निर्माण में प्रदेश सरकार का पूरा सहयोग करने का निर्णय लिया। बैठक को संबोधित करते हुए श्रीमहंत हरि गिरि ने कहा उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में आई आपदा में कई जान गई तथा कई शिक्षण संस्थान व लोगों के आवास ध्वस्त हो गए। इसे देखते हुए आपदा ग्रस्त लोगों की सहायता के लिए अखाड़ा परिषद ने निर्णय लिया है कि शीघ्र ही परिषद का एक प्रतिनिधि मंडल आपदाग्रस्त क्षेत्र में जाकर वहां किए जाने वाले कार्यों का सर्वेक्षण करेगा तथा सहायता व निर्माण कार्यो में सरकार का सहयोग करेगा। इसके लिए सभी अखाड़े मिलकर व्यवस्था करेंगे। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उच्च शिक्षण संस्थान व उच्च चिकित्सालय की नितांत आवश्यकता है। जिसके लिए शासन प्रशासन और अखाड़ा परिषद मिलकर कार्य करेंगे। ताकि इन क्षेत्रों का आर्थिक विकास हो, स्थानीय युवाओं को रोजगार मिले और पलायन पर रोक लग सके।

अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि बैठक में अर्द्धकुंभ के शाही स्नान की तिथियों पर भी चर्चा की जानी थी। लेकिन पितृ पक्ष के चलते कई महत्वपूर्ण पदाधिकारी नहीं आ पाए हैं। इसलिए शाही स्नान की तारीखों पर निर्णय 18 सितम्बर को होने वाली दूसरी बैठक में लिया जाएगा। म.मं. वीरेंद्रानंद गिरि ने कहा कि उत्तराखंड के सीमांतवर्ती दुर्गम क्षेत्रों में आवासीय विद्यालय खोलने के लिए प्रदेश सरकार से निवेदन किया जाएगा। जिसमें अखाड़े भी सहयोग करेंगे और इन विद्यालयों में आपदा में अनाथ हुए बच्चों तथा आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा, आवास व भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

दूधेश्वर पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरी ने कहा कि आपदा पीड़ितों को सहायता पहुंचाने के लिए साधु संत पूरे देश में भ्रमण करेंगे और उद्योगपतियों तथा सक्षम लोगों से फंड एकत्रित कर प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य करेंगे।

बैठक में जूना अखाड़े के सभापति श्रीमहंत मोहन भारती, बड़ा अखाड़ा उदासीन के महामंडलेश्वर हरि चेतनानंद, निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी, अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्रीमहंत बलवंत सिंह, भारत माता मंदिर के महंत महामंडलेश्वर स्वामी ललिता नंद गिरी श्रीमहंत महेश पुरी, श्रीमहंत शैलेन्द्र, रमता पंच के महंत सुंदर गिरी, श्रीमहंत ओम भारती, श्रीमहंत महाकाल गिरि, श्रीमहंत मनोज गिरि, श्रीमहंत रनधीर गिरी, श्रीमहंत पशुपति गिरी, आवाहन अखाड़े के महंत, आनंद अखाड़े के कारोबारी महंत राजेंद्र पुरी, अखाड़ों के रमता पंच, शंभू पंच, श्रीपंच व दिल्ली संत महामंडल के महामंडलेश्वर, श्रीमहंत व महंत आदि मौजूद रहे।

स्मैक समेत तस्कर को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। थाना श्यामपुर पुलिस ने स्मैक समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसएसपी के निर्देशों पर जनपद को नशा मुक्त करने के लिए मादक पदार्थो की तस्करी व बिक्री करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत चंडीघाट चौकी प्रभारी एसआई देवेंद्र सिंह तोमर ने कां. राजवीर सिंह चौहान व अनिल रावत के साथ चंडीघाट पुरी नगर को जाने वाले रास्ते पर चेकिंग के दौरान रोहित पुत्र सतीश निवासी चण्डीघाट माजरा को दबोच लिया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से 8 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :
सिटी कार्यालय दैनिक
शाह टाइम्स हरिद्वार
कमरा न. 103, द्वितीय तल, भगवती कॉम्पलेक्स, रानीपुर मोड, हरिद्वार
डी. एस. वर्मा
ब्यूरो चीफ/जिला प्रभारी
मो.: 9411100741

सर बडियार के किंमडार गांव में भूस्खलन से खतरा, दहशत में लोग

■ प्रशासन की टीम सर बडियार के लिए हुई रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरोला/उत्तरकाशी। पुरोला ब्लॉक के सर बडियार क्षेत्र के किंमडार गांव समेत आसपास के गांवों में लगातार हो रही बारिश ने भीरी नुकसान की सूचना है। बडियार नदी उफान पर है, जिससे पौंटी, गौल और छानिका गांवों का संपर्क मार्ग बाधित हो गया है। जगह-जगह भूस्खलन हो रहा है और जमीन धंसने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

किंमडार गांव में दो-तीन दिन की बारिश ने कई मकानों को अपनी चपेट में ले लिया है। ग्रामीण यशमो. हन रावत और त्रेपन रावत सहित कई लोग बेघर होने की स्थिति में हैं। वहीं डिंगाडी गांव में भी वीरपाल सिंह और जयवीर सिंह के मकानों में दरारें आने से खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि आठों गांवों में न तो नेटवर्क की सुविधा है और न ही स्वास्थ्य सेवाओं की कोई व्यवस्था। बिजली आपूर्ति भी ठप पड़ी है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब बिजली का कोई लाभ नहीं मिल रहा है तो बिजली विभाग बिल वसूली के लिए क्यों आता है।समाजसेवी कैलाश रावत ने दूरभाष पर पर जिलाधिकारी उत्तरकाशी को हालात से अवगत कराया। इधर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि प्रभावित ग्रामीणों के लिए सरकारी स्कूलों में आपातकालीन व्यवस्था की जा रही है। उप जिलाधिकारी पुरोला को मौके पर भेजा गया है और टीम राहत कार्यों में जुटी हुई है।

निवेश के नाम पर साइबर ठगों ने व्यक्ति से ठगे 13 लाख रुपये

विकासनगर। निवेश के नाम पर साइबर ठगों ने टेलीग्राम चौनल के माध्यम से एक व्यक्ति से 13 लाख रुपये ठग लिए। तहरीर के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल विनोद गुसाईं ने बताया के राहुल कश्यप निवासी-केसरबाग विकासनगर ने तहरीर देकर बताया कि एक महिला ने अपने टेलीग्राम चौनल के माध्यम से उसे निवेश और लाभ का झांसा दिया। निवेश के नाम पर उसने विभिन्न यूपीआई अकाउंट में 13 लाख रुपये जमा करवा दिए। अब वह यह राशि निकलने के लिए 1.5 लाख रुपये और जमा करने को बोल रहे है। कोतवाल ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

समस्याओं को लेकर सीएम से मिले विधायक चौधरी

■ आपदा प्रभावितों को हरसंभव मदद दिलाने का किया आग्रह

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। देहरादून शासकीय आवास पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी से विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी ने मुलाकात कर बसुक. ेदार तहसील के अंतर्गत एक दर्जन से अधिक गांवों में भीषण आपदा के कारण प्रभावित हुए परिवारों को हरसंभव मदद दिलाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने बांगर पूर्वी एवं पश्चिमी बांगर को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क "बधानीताल-छेनागड" मोटर मार्ग के निर्माण को लेकर वन भूमि स्वीकृति का निस्तारण करवाने का आग्रह किया। जिससे उक्त सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ हो सके। जिससे दोनों क्षेत्र आपस में जुड़ सकें और आपदा प्रभावित क्षेत्र के पूर्वी बांगर में बधानीताल मोटरमार्ग से भी आवागमन हो सके। साथ ही आपदा प्रभावित क्षेत्रों में छतिग्रस्त हुए सड़कों, पेयजल लाइन, स्कूल भवन, विधुत लाइन, पैदल सम्पर्क मार्ग सहित अन्य कार्यों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मतीकरण को लेकर शीघ्र धनराशि उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया। वहीं, इस अवसर पर विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में सरकार हर आपदा प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है और प्रभावितों की पूरी मदद की जाएगी।

सेपियंस स्कूल में हिन्दी दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। सेपियंस विद्यालय विकासनगर व हरबर्टपुर में हिन्दी दिवस समारोह बड़ेही धूमधाम से मनाया गया।

प्रार्थना सभा में अंशिका एवं अपेक्षा द्वारा प्रार्थना का प्रारंभ किया गया, तत्पश्चात जिज्ञासा ने हिन्दी विषय पर कविता, तनवी पंवार ने विचार प्रस्तुत किए। जीनत द्वारा हिन्दी पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। सुहानी पुंडीर द्वारा हिन्दी विषय पर मनमोहक भाषण प्रस्तुत किया गया। हिन्दी छात्र सम्मान' से सम्मानित प्रतिभाओं में कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले सेपियंस स्कूल, विकासनगर के दो मेधावी छात्राओं 'परिक्रमा सैनी तथा आयुषी' को 'हिन्दी छात्र सम्मान' प्रदान किया गया। अपूर्वा राज तथा शगुन को देहरादून स्थित श्री राम सेंटीरियन स्कूल की वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने पर प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य नवीन तनेजा ने हिन्दी को भारत का गौरव बताते हुए इसे भावनात्मक अभिव्यक्ति का सर्वश्रेष्ठ साधन बताया तथा हिन्दी को सांस्कृतिक विरासत भी बताते हुए सभी को हिन्दी दिवस की हार्दिक बधाई दी। साथ ही द सेपियंस स्कूल हरबर्टपुर में हिंदी दिवस के अवसर पर एक भव्य प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

अध्यापक-अभिभावक संघ की बैठक का कॉलेज में आयोजन

विकासनगर। आशा राम वैदिक इंटर कॉलेज बाबूगढ़ में अध्यापक-अभिभावक संघ की आम बैठक की गयी, जिसमे 250 से जायदा अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। प्रधानाचार्य संजीव कलूरा अपने विचार रखे और इसके साथ विद्यालय में अध्यापक अभिभावक संघ के सहयोग से जो विभिन कार्य होते है उनकी जानकारी अभिभावकों को दी और साथ साथ अभिभावकों को नशे और मोबा. इल से हो रहे है दुष्परिणामों के बारे में बताया।बैठक में सचिव नीरज वर्मा ने पिछले साल 2045-25 का लेखा बताया की अध्यापक-अभिभावक संघ से जो जो कार्य सम्पादित हुए है ।

बिजली पोल हटाने को लेकर विवाद पुलिस की जांच में आरोप निराधार

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। चकराता क्षेत्र में बिजली के पोल को स्थानांतरित करने के मामले में उपखंड अधिकारी (विद्युत) अशोक कुमार और स्थानीय होटल स्वामी के बीच कथित विवाद की शिकायत पुलिस तक पहुंची। हालांकि कोतवाली चकराता पुलिस की जांच में यह आरोप बेबुनियाद पाए गए।

शिकायतकर्ता अशोक कुमार ने आरोप लगाया था कि 25 जुलाई 2025 को वे कुनावा डांडा में बिजली पोल का निरीक्षण करने पहुंचे, जहां होटल स्वामी की ओर से सरकारी कार्य में बाधा और गाली-गलौज की गई। जांच अधिकारी ने मामले में गवाहों के बयान दर्ज किए। बिजली विभाग के लाइनमैन बहादुर सिंह और बिला. ेचन प्रसाद ने बताया कि मौके पर किसी प्रकार की गाली-गलौज या मारपीट नहीं हुई। आसपास के लोगों से पूछताछ में भी यही बात सामने आई।

वहीं, होटल स्वामी अभिषेक ने भी पुलिस को बताया कि पोल स्थानांतरण के संबंध में बातचीत जरूर हुई थी, लेकिन किसी प्रकार की अभद्रता नहीं की गई। साथ ही, उसने लिखित माफीनामा भी प्रस्तुत किया। पुलिस ने मौके पर होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की, जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हुई।

जांच निष्कर्ष में कहा गया है कि घटना में किसी तरह की आपराधिक गतिविधि या गाली-गलौज का प्रमाण नहीं मिला। ऐसे में पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई की आवश्यकता नहीं पाई और शिकायत को निराधार मानते हुए बंद कर दिया।

कोतवाल प्रभारी चंद्रशेखर नौटियाल ने दूरभाष पर संपर्क करने पर बताया कि जांच के दौरान मौके पर पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज में गाली-गलौज या अभद्रता की कोई पुष्टि नहीं हुई। लगाए गए आरोप निराधार पाए गए।

एक नजर ....

गांधी जयंती तक मनाया जाएगा स्वच्छता पखवाड़ा

रुद्रप्रयाग। आगामी 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नगर क्षेत्रों के साथ ही शैक्षिक, पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों तथा प्राकृतिक स्त्रोतों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 25 को एक दिन एक घंटा एक साथ स्वैच्छिक श्रमदान किया जाएगा। डीएम ने बढ़-चढ़कर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा में प्रतिभाग करने की अपील की। जनपद में पखवाड़े के तहत सफाई अभियान, वृक्षारोपण, स्वच्छता शपथ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा शिविर, विद्यालयों में प्रतियोगिताएं तथा श्रमदान जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें समस्त शासकीय कार्यालय, विद्यालय, पंचायत भवन, नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र, धार्मिक स्थल एवं बाजार क्षेत्र शामिल रहेंगे। सफाई मित्र सुरक्षा एवं स्वास्थ्य शिविर के साथ ही विद्यालयों में निबंध, कविता एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। स्वच्छता रैलियां, स्वच्छता दौड़ एवं मानव श्रृंखला सहित अपशिष्ट से कला प्रतियोगिता एवं युवा सम्पर्क कार्यक्रम आयोजित होंगे।

यूथ कांग्रेस की पुरोला में बैठक सम्पन्न कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों पर दिया जोर

उत्तरकाशी : रविवार को जिलाध्यक्ष यूथ कांग्रेस उत्तरकाशी आशीष विश्वकर्मा की अध्यक्षता में पुरोला में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी करना तथा पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए निर्देशित करना रहा। बैठक में ऋषभ जोगटा, विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस यमुनोत्री, आनंद परमार, नगर अध्यक्ष नौगांव, हरि कृष्ण काका, पुरोला, मुकेश रावत, जिला अध्यक्ष एनएसयूआई, रमेश मलाठा, प्रधान ओस्ला, आयुष ठकराड़ी, कुमोला, सुमित कुडियाल, पोरा, राहुल बिजलवान, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य शुभम, दिनेश कुमार मीडिया प्रभारी यूथ कांग्रेस, जगदीश खरियाल उपाध्यक्ष यूथ कांग्रेस, नीरज राज, जिला महासचिव यूथ कांग्रेस, अजय भारती पूर्व जिला महासचिव एवं पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पुरोला आदि शामिल रहे। बैठक में संगठन को मजबूत करने, युवा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और क्षेत्रीय स्तर पर पार्टी के जनसंपर्क अभियान को गति देने पर विस्तृत चर्चा की गई।

इंडिया स्किल्स 2025 के तहत स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में कैंप आयोजित

नई टिहरी। जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल के निर्देशन में जिला सेवायोजन विभाग द्वारा 12 सितंबर को 'इंडिया स्किल्स 2025' के अंतर्गत स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, न्यू टिहरी में मोबिलाइज. ेशन एवं रजिस्ट्रेशन कैंप आयोजित किया गया। कैंप में लगभग 92 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान 10 अभ्यर्थियों ने मौके पर ही एसआईडीएच पोर्टल पर पंजीकरण पूरा किया। इसके अतिरिक्त 11 अभ्यर्थियों ने ओवरसीज प्लेसमेंट सेल में गहरी रुचि दिखाई और इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करने की इच्छा भी जताई। कार्यक्रम के दौरान जिला सेवायोजन अधिकारी लक्ष्मी यादव, मुकेश बर्थवाल, अभिषेक सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जमीन पर कब्जे को लेकर तीन लोगों ने महिलाओं पर किया हमला

विकासनगर। जमीन पर कब्जे को लेकर तीन लोगों ने महिलाओं पर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की तो पीड़ित महिला ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई। कोर्ट के आदेश पर सहसपुर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शबनम पत्नी इकराम, निवासी ग्राम धर्मावाला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 15 जनवरी 2025 को शाम पांच बजे वह घर पर अपनी सास रहीसा, ननद रेशमा के साथ मौजूद थी। तभी उनके घर के पास की भूमि पर कब्जा करने के उद्देश्य से वहां गुलजार अहमद पुत्र शहादत अली, निवासी भुड्डी, तासीन प्रधान, निवासी मोरोवाला और सलीम पुत्र मेंहदी हसन, निवासी भुड्डी आए। कब्जे का विरोध करने पर तीनों ने उसके साथ छेड़खानी और अभ्रदता शुरू कर दी। बचाव करने आई सास और ननद से भी मारपीट की गई। शोर माचाने पर आसपास के लोगों ने उन्हें बचाया। इसके बाद तीनों उन्हें जान से मारने और अपहरण करने की धमकी देकर फरार हो गए। बताया कि सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया।

गौना नदी के उफान पर आने से दो बाइकें पानी के बहाव में फंसी

विकासनगर। रुद्रपुर क्षेत्र में बहने वाली बरसाती गौना नदी के उफान पर आने से दो बाइकें पानी के बहाव में फंस गई, जिससे बाइक सवारों में चीख पुकार मच गई। गनीमत रही कि आसपास कुछ स्थानीय लोग मौजूद रहे, जिन्होंने बाइक सवारों को सकुशल नदी के किनारे पर पहुंचाया। नदी के उफान ने एक दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों की राह रोक दी है। ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण रविवार सुबह से ही गौना नदी का जलस्तर बढ़ने लगा था। दोपहर तक नदी में पानी की मात्रा बढ़ गई, जिससे दो बाइक सवार नदी के उफान में फंस गए। जबकि स्थानीय ग्रामीण नदी पार करने के लिए बहाव के कम होने का इंतजार करते रहे।

केदारनाथ धाम पहुंचे एसपी कोंडे, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बरसाती मौसम का सीजन कुछ कम होने और केदारनाथ धाम में यात्रियों की संख्या निरन्तर बढ़ने के साथ ही द्वितीय चरण की यात्रा का आगाज हो गया है। ऐसे में एसपी रुद्रप्रयाग अक्षय प्रहलाद कोंडे गौरीकुंड से पैदल चलकर धाम तक यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यात्रा पड़ावों में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यात्रा ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग अक्षय कोंडे ने बताया कि द्वितीय चरण की केदारनाथ धाम यात्रा शुरू हो गयी है। अब लगभग 35 से 40 दिनों की यात्रा शेष रह गयी है। उनके द्वारा पैदल चलकर केदारनाथ की यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया है। वर्तमान में पैदल मार्ग की स्थिति बिल्कुल सही है। प्रतिदिन अत्यधिक संख्या में यात्री केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं। आने वाले यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जनपद पुलिस लिए तैयार है। इसके लिए अधीनस्थ पुलिस बल की उनके ड्यूटी प्वाइंटों पर ही ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये हैं।

केदारनाथ धाम यात्रा के द्वितीय चरण को सकुशल सम्पादित करने को लेकर जनपद में उपलब्ध हर संवर्ग के पुलिस बल की तैनाती की गयी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत अतिरिक्त पुलिस बल की मांग भी की गयी है, अतिरिक्त पुलिस बल के जनपद में आगमन करते ही उनको भी विभिन्न प्वाइन्टों पर तैनात किया जायेगा।

बरसात के उपरान्त यात्रा रूट पर कुछेक स्थानों पर सड़क मार्ग की स्थिति खराब है। विशेषकर जवाड़ी बाईपास का क्षेत्र, अगस्त्यमुनि, बांसवाड़ा, काकड़ागाड़ सहित रामपुर क्षेत्र में मार्ग की स्थिति को सम्बन्धित कार्यदाई संस्थाओं के स्तर से दुरुस्त किये जाने के प्रयास जारी हैं। ऐसे सभी स्थानों पर यातायात के निर्बाध आवागमन हेतु वन-वे व्यवस्था (एक तरफ के यातायात को कुछ देर के लिए रोककर, दूसरी तरफ के यातायात को छोड़े जाने) सहित रुद्रप्रयाग मुख्य कस्बे से भी यातायात संचालित किया जायेगा। सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखे जाने सहित सड़क किनारे अनावश्यक रूप से खड़े वाहनों को हटवाये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

भ्रमण के दौरान केदारनाथ निरीक्षक यात्रा राजीव चौहान, निरीक्षक प्रदीप नेगी, उप निरीक्षक सुरेश कुमार सहित अधीनस्थ पुलिस बल, चौकी लिंचोली पर चौकी प्रभारी लिंचोली मुकेश डिमरी, भीमबली व जंगलचट्टी में अपर उपनिरीक्षक महेन्द्र नेगी, चौकी गौरीकुण्ड में चौकी प्रभारी गौरीकुण्ड सूरज कण्डारी व कोतवाली सोनप्रयाग क्षेत्रान्तर्गत प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोनप्रयाग राकेन्द्र कठैत अधीनस्थ पुलिस बल सहित मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित दो बदमाश गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। कोतवाली सहसपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में 2 वाछित बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जिन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 13 सितंबर को कोतवाली सहसपुर पर 1 गैग लीडर सलमान उर्फ मुल्ला पुत्र इकराम निवासी खुशहालपुर थाना सहसपुर, मुजम्मिल, अमीर उर्फ आमिर उर्फ लालू, रैंचौ उर्फ शाहबान उर्फ शहबान, शादाब उर्फ फोती, उस्मान उर्फ कालु के विरुद्ध कोतवाली सहसपुर पर गैगेस्टर एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया था।

आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु कोतवाली सहसपुर से प्रभारी निरीक्षक शंकर सिह बिष्ट के नेत्रत्व में टीम का गठन किया गया था। गठित पुलिस टीम द्वारा 13 सितंबर को गैंग लीडर सलमान उर्फ मुल्ला पुत्र इकराम निवासी खुशहालपुर थाना सहसपुर, रैंचौ उर्फ शहबान उर्फ शाहबान पुत्र इकरार निवासी खुशहालपुर थाना सहसपुर को खुशहालपुर सहसपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

शेष वाछिंत आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।पुलिस टीम में शंकर सिह बिष्ट कोतवाली सहसपुर, व0उ0नि0 विकास रावत, उ0नि0 विवेक राठी चौकी प्रभारी धर्मावाला, उ0नि0 कविन्द्र सिह राणा, सिपाही सुधीर कुमार, कुलदीप सिह, विकास त्यागी शामिल रहे।

वंचित समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने पर दिया गया जोर

विकासनगर। जौनसार बावर वंचित समाज उत्थान समिति द्वारा विकास खंड विकासनगर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के नव निर्वाचित प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य और सेवानिवृत अधिकारी व कर्मचारी, विभिन्न परीक्षाओं के माध्यम से चयनित अधिकारी कर्मचारी तथा समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष गोपाल वर्मा द्वारा व अन्य पदाधिकारियों द्वारा समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया ।

भिलंगना ब्लॉक में ग्रामोथान परियोजना की गतिविधियों का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद टिहरी के भिलंगना विकासखंड में ग्रामोथान (आरईएपी) परियोजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों का शुभारंभ एवं निरीक्षण मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर सीडीओ ने महिला स्वायत्त सहकारिता संगम सीएलएफ के माध्यम से संचालित लेबल एवं प्रिंटिंग यूनिट का उद्घाटन किया। इस पहल से स्थानीय महिलाओं को स्वरोजगार और विपणन के नए अवसर प्राप्त होंगे। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने प्रस्तावित कलेक्शन सेंटर हेतु भूमि का भी अवलोकन किया। यह केंद्र किसानों और उत्पादक समूहों को सीधे बाजार से जोड़ने का काम करेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और उन्हें उचित दाम सुनिश्चित हो सकेगा।

इसके अलावा ग्राम मल्ड में प्रस्तावित मॉडर्न नर्सरी हेतु भूमि का स्थलीय निरीक्षण भी किया गया। सीडीओ ने कहा कि इस नर्सरी की स्थापना से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध होंगे और क्षेत्र में बागवानी आधारित आजी. विका को नया आयाम मिलेगा। इस मौके पर परियोजना निदेशक डीआरडीए पुष्पेंद्र चौहान, खंड विकास अधिकारी भिलंगना विपिन, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय आरईएपी परियोजना टीम तथा महिला समूहों की प्रतिनिधियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी ने इस पहल को और अधिक सशक्त बनाया।

सरकार की बुद्धि-शुद्धि को लेकर शिक्षकों ने किया तर्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पदोन्नति समेत 34 सूत्रीय मांगों को लेकर राजकीय शिक्षक संघ ने अलकनंदा-मंदा. कनी नदी के संगम तट पर प्रधानाचार्य सीधी भर्ती को तर्पण देकर शिक्षक विरोधी इस भर्ती को गंगा के माध्यम से समुद्र तक पहुंचाया। प्रदेश सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिए एक अनावश्यक थोपी गई प्रधानाचार्य सीधी भर्ती को तर्पण देकर विदा किया गया।

तयशुदा कार्यक्रम के तहत राजकीय शिक्षक संघ अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर अलकनंदा-मंदाकिनी संगम पर पहुंचे, इस दौरान शिक्षकों ने प्रधानाचार्य सीधी भर्ती को तर्पण देकर शिक्षक विरोधी बताया। तथा संगम स्थल पर श्रद्धा और विश्वास के महापर्व श्राद्ध पक्ष में आस्था और विश्वास के साथ उत्तराखंड सरकार की बुद्धि शुद्धि का तर्पण किया। इस अवसर पर संघ के जिलाध्यक्ष आलोक रौथाण ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण का प्रमुख स्तंभ है और शिक्षकों को इस प्रकार से यदि उपेक्षित रखा जाएगा तो हम किस प्रकार के शिक्षा और राष्ट्र के निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं।

जिला मंत्री शंकर भट्ट ने कहा कि प्रधानाचार्य सीधी भर्ती जो कि शिक्षकों के मनोबल को हतोत्साहित करने वाली है। उसी की विदाई के लिए आज यह जन सैलाब संगम तट पर उमड़ा है। जनपदीय संयुक्त मंत्री दीपक नेगी ने कहा कि शिक्षक सब कुछ बर्दास्त कर सकता है, लेकिन शिक्षा और अपने स्वाभिमान की उपेक्षा को कदापि बर्दास्त नहीं कर सकता।

जिला उपाध्यक्ष शिशुपाल पंवार ने कहा कि वर्तमान सरकार का सदैव शिक्षा और शिक्षकों के प्रति उपेक्षा का भाव रहा है। शिक्षकों की आवाज को हमेशा अनदेखा किया गया है। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता अजय भट्ट, अंकित रौथाण, संदीप भट्ट, प्रवीण घड़ियाल, पंचम सिंह राणा, दिलबर सिंह कोटवाल समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।

एआरटीओ कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस का ट्रायल देना मुश्किल भरा

विकासनगर। संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए ट्रायल देना अब मुश्किल भरा हो गया है। ट्रायल ट्रैक की हालत बेहद खराब है। ट्रैक पर गहरे गड्ढे हैं और उनमें बारिश का पानी भरा हुआ है, जिससे वाहन चलाना जोखिम भरा हो गया है। खराब ट्रैक के बावजूद आवेदकों को यहीं पर ट्रायल देना पड़ रहा है। दुपहिया वाहन चलाते समय गड्ढों में उछलने या संतुलन बिगड़ने पर गलती ट्रायल देने वाले की ही मानी जाती है, जिससे उन्हें फेल कर दिया जाता है। कई बार पानी और कीचड़ के कारण वाहन ट्रैक से बाहर निकल जाता है।

हिंदी केवल भाषा नहीं, हमारी सांस्कृतिक विरासत की आत्मा: डबराल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग एवं माय भारत रुद्रप्रयाग के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भावनात्मक और प्रेरणादायी माहौल में हुई, जिसमें पोस्टर मेकिंग, हिंदी क्विज तथा भाषण प्रतियोगिता जैसे आयोजन शामिल रहे। छात्रों में इन प्रतियोगिताओं को लेकर उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर माय भारत रुद्रप्रयाग के उप निद. ेशक राहुल डबराल ने स्वयंसेवियों को हिंदी भाषा के महत्व पर प्रेरक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत की आत्मा है। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. आशीष नौटियाल ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से हिंदी की भावनात्मक अभिव्यक्ति को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा।

एनएसएस नोडल अधिकारी श्रीकांत नौटियाल ने हिंदी दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने युवाओं से हिंदी भाषा को आत्मसात करने और इसके प्रचार-प्रसार में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन अंविता सिंह द्वारा कुशलता से किया गया। समापन अवसर पर प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर विजय वशिष्ठ, कविता जुगरान, अजीता, स्नेहा, खुशी, संतोषी, अदिति, अवधेश सहित अनेक स्वयंसेवियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

घर लौटे 87 नाबालिग, 10 की तलाश जारी

सोशल मीडिया का प्रभाव और परिजनों से अनबन घर छोड़ने की बड़ी वजह

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। दून पुलिस ने पिछले दो महीनों में लापता हुए 97 नाबालिगों में से 87 को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने इन बच्चों को उत्तराखंड के साथ-साथ दिल्ली, मुंबई, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे कई राज्यों से खोज निकाला है। इन मामलों में ज्यादातर बच्चों के घर छोड़ने की वजह सोशल मीडिया का प्रभाव, घूमने की इच्छा या फिर माता-पिता से नाराजगी बताई गई है।

दून पुलिस के मुताबिक, लापता हुए बच्चों के घर छोड़ने के कई अलग-अलग कारण सामने आए हैं।नाराजगी के चलते 62 नाबालिग अपने परिजनों की डांट-फटकार या बात न माने जाने से नाराज होकर घर से चले गए थे। सोशल मीडिया और घूमने की इच्छा से24 नाबालिगों ने परिजनों को बिना बताए घूमने या सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर घर छोड़ा।बहला-फुसलाकर ले जाना मे 11 मामलों में बच्चों को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाया गया था। इन सभी मामलों में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस की कार्रवाई से घर लौटे गुमशुदा बच्चे

नाबालिगों की गुमशुदगी की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल अपहरण की धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर देती है। पिछले दो महीनों में सामने आए 97 मामलों में पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर बच्चों की तलाश की। इनमें से 87 बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया है। पुलिस बाकी 10 नाबालिगों की तलाश में जुटी है और उनसे सोशल मीडिया के जरिए भी संपर्क साध रही है।

काउंसलिंग और संवेदनशीलता पर जोर

घर से चले गए नाबालिगों और उनके परिजनों की पुलिस द्वारा काउंसलिंग भी की जा रही है। पुलिस अभिभावकों को समझा रही है कि वे अपने बच्चों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें।

अन्य बच्चों की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस 10 अन्य नाबालिगों की तलाश कर रही है। इनमें से एक युवती जो पटेलनगर से लापता हुई थी, उसके बारे में पता चला है कि वह लुधियाना में काम कर रही है। पुलिस ने उससे वीडियो कॉल के जरिए संपर्क किया, जिसमें उसने अपनी मर्जी से काम की तलाश में जाने और जल्द ही देहरादून लौटने की बात कही। इसी तरह, प्रेमनगर से लापता एक नाबालिग ने अपने दोस्तों को बताया था कि वह फोन का रिचार्ज न होने से नाराज है और काम की तलाश में बाहर जा रहा है। पुलिस इन सभी मामलों में पूरी गंभीरता से काम कर रही है ताकि सभी बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित वापस लाया जा सके।

सिंथिया में 'बाघेंन' का मंचन आज

हल्द्वानी। भाव राग ताल नाट्य अकादमी, पिथौरागढ़ द्वारा पहाड़ के पलायन की पीड़ा पर आधारित प्रसिद्ध नाटक बाघेंन का मंचन कल यानि आज सोमवार को शाम 6 बजे सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मुखानी, हल्द्वानी में किया जाएगा। सिंथिया स्कूल के निदेशक डा. प्रविंद्र रौतेला ने बताया कि नवीन जोशी की कहानी पर आधारित इस नाटक का नाट्य रूपांतरण प्रीति रावत ने किया है और निर्देशन कुमार कैलाश द्वारा किया गया है। नाटक संवेदनशील और मर्मस्पर्शी कथानक के साथ पहाड़ी जीवन, पलायन और जड़ों से जुड़े रहने के संदेश को प्रमुखता से प्रस्तुत करता है। नाटक को अब तक दिल्ली, कोलकाता सहित देश के कई शहरों में सराहा गया है। हाल ही में 12 सितंबर को खटीमा में हुए शो को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने बताया यह नाटक पहाड़ी संस्कृति, जीवनशैली और जमीनी सच्चाइयों को दर्शाने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को अपने मूल से जुड़ने का संदेश देता है।

पाकिस्तान से मैच पर उबाल

बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन कर फूंका पुतला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भारत-पाकिस्तान के मध्य होने वाली क्रिकेट मैच के विरोध में विभिन्न लोगों ने रविवार को बीसीसीआई और मोदी सरकार का पुतला फूंकते हुए आक्रोश जाहिर किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आतंकवादियों को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान के साथ मैच कराने का औचित्य है। पाकिस्तान के पाले आतंकवादियों ने पहलगाव में 28 भारतीय नागरिकों की हत्या कर दी और न जाने हमारे देश के कितने वीर जवानों को शहीद किया है। इतना सब होने के बावजूद बीसीसीआई और मोदी सरकार पाकिस्तान के साथ मैच करवा रही है। पाकिस्तान और भारत के बीच मैच करवा कर बीसीसीआई और मोदी सरकार ने देश का अपमान किया है। पुतला फूंकने वालों में मन्नू गोस्वामी, लक्ष्मीकांत, विनोद कुमार पिन्नु आदि शामिल रहे।

इधर, पाकिस्तान के साथ खेले जा रहे क्रिकेट मैच के खिलाफ शिवसेना कार्यकर्ताओं ने कालाढूंगी चौराहे पर बीसीसीआई और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान कुमाऊं मंडल प्रमुख हेमंत कुमार भईयू ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने देश को झकझोर कर रख दिया है। हाल ही में हुए पहलगाम हमले में माताओं-बहनों का सिंदूर उजड़ गया, मासूमों का खून बहाया गया। ऐसे में पाकिस्तान से क्रिकेट खेलना शहीदों और पीड़ितों का अपमान है। उन्होंने कहा कि पुलवामा 2019 और पहलगाम 2025 जैसे हमलों के बाद भी भारत-पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेले, यह अस्वीकार्य है। राज्य उप प्रमुख रूपेंद्र नागर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर सरकार शहीदों और महिलाओं के सम्मान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं के हत्यारों के साथ क्रिकेट खेलने की अनुमति देती है, यह दोहरी नीति नहीं चलने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि संवेदना और आत्मसम्मान का विषय है। प्रदर्शन करने वालों में दीपक राजपूत, मनोज गुप्ता, अभिषेक कश्यप, सूरज आर्या, मुकेश बिष्ट, पूरन सागर, मोनू सिंह, सचिन नागर, प्रदीप पाठक, अभिषेक कुमार, राहुल कश्यप कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

सेवा पखवाड़ा में आपदा प्रभावितों की मदद करेगी मंडी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड कृषि उत्पादन मंडी बोर्ड ने प्रदेश में आई आपदा को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिवस (16 सितंबर) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के अवसर पर सेवा कार्यों के तहत व्यापक राहत और सहयोग अभियान चलाने की घोषणा की है। मंडी बोर्ड के अध्यक्ष डा. अनिल डब्बू ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि मंडी परिषद के सभी कर्मचारी एक दिन का वेतन आपदा राहत कोष में देंगे, वहीं मंडियों से जुड़े व्यापारियों के सहयोग से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राशन वितरित किया जाएगा। डा. डब्बू ने जानकारी दी देते हुए बताया कि 16 सितंबर को सभी मंडियों में चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। जबकि 17 सितंबर को मंडियों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी और किसान भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि आपदा से कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ है। इस स्थिति में उत्तराखंड मंडी बोर्ड एक करोड़ रुपये की सहायता राशि का चेक 16 सितंबर को मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान करेगा। डा. डब्बू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 1200 करोड़ रुपये की आपदा राहत सहायता के लिए आभार जताया और सभी वर्गों से इस कठिन समय में अधिक से अधिक सहयोग देने की अपील की।

सड़क के लिए आंदोलन की रणनीति

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ग्राम पंचायत रानीबाग में रविवार को एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत सदस्य ज्योति डसीला ने की। जबकि संचालन उपप्रधान पवन साह द्वारा किया गया। बैठक में रानीबाग तिराहा से रॉयल एनफील्ड शोरूम तक की जर्जर सड़क की समस्या पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय साह ने कहा कि इस सड़क की खस्ता हालत की जानकारी कई बार राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को दूरभाष के माध्यम से दी जा चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व प्रधान आनंद कुमार कुजरवाल ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हुआ तो क्षेत्र की जनता को साथ लेकर आंदोलन किया जाएगा। उपप्रधान पवन साह ने कहा कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि अब वहां सिर्फ गड्ढे ही गड्ढे नजर आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को हर रोज जाम और दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि जल्द ही सड़क सुधार का कार्य शुरू नहीं हुआ तो राष्ट्रीय राजमार्ग हल्द्वानी के अधिशासी अभियंता का घेराव कर आंदोलन को मजबूर होना पड़ेगा। बैठक में वन पंचायत सरपंच जानकी टाकुली, कमल बिष्ट, मोहन बुद्धलाकोटी, धीरज पंत, हरीश सिंह, नीरज नौगाई, संदीप थापा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

घटना को अंजाम देने की फिराक में एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में अवैध तमंचा लेकर घूम रहे एक युवक पुलिस ने गांधी इंटर कालेज स्थित मोर्चरी के पास से एक अवैध 315 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार बीते शनिवार की रात्रि मंगलपड़ाव चौकी प्रभारी गौरव जोशी, कांस्टेबल जगदीश भंडारी व मोहम्मद अजहर के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी गांधी स्कूल स्थित मोर्चरी के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया। जो टीम को देख भागने लगा, शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी करते उसे दबोच लिया। जिसकी जामातलाशी के दौरान 315 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान पकड़े गये युवक ने अपना नाम तपन दास पुत्र विनोद दास निवासी ऊंचापुल कृष्णा कालोनी हल्द्वानी बताया। आरोपित के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

शिक्षकों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रधानाचार्य सीधी विभागीय भर्ती के विरोध और शत-प्रतिशत पदोन्नति की मांग को लेकर तर्पण कार्यक्रम के तहत राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने रविवार को विधायक सुमित हृदयेश से मुलाकात की और ज्ञापन देकर अपनी मांगों पर समर्थन प्रदान करने का अनुरोध किया।

शिष्टमंडल ने प्रधानाचार्य पद पर सीधी विभागीय भर्ती को पूर्ण रूप से निरस्त करने, प्रधानाचार्य पदों पर शत-प्रतिशत पदोन्नति व्यवस्था लागू करने और स्थानांतरण नीति में आवश्यक सुधार किए जाने की मांग की। विधायक सुमित हृदयेश ने शिक्षक संघ की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और तत्काल समर्थन पत्र जारी करते हुए सरकार से आग्रह किया कि संघ की इन न्यायसंगत मांगों पर शीघ्र और सकारात्मक कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज ही शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ है और उनकी जायज मांगों की अनदेखी किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से सरकार के समक्ष उठाएंगे। संघ के पदाधिकारियों ने विधायक के इस सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि सरकार उनकी मांगों पर शीघ्र ठोस निर्णय लेगी। इस दौरान मदन गिरी गोस्वामी, कविता कपकोटी, महेश जोशी, गोकुल मर्तोलिया, गिरीश कांडपाल, राजेंद्र सिंह परवाल, विवेक पांडे, राजेश बेलवाल, कन्नू जोशी, प्रमोद चंद्र भट्ट, त्रिलोक बृजवासी, धीरेंद्र मिश्रा, प्रमोद जोशी सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

युवक पर दुष्कर्म का आरोप

घर में घुसकर जबरन बनाए शारीरिक संबंध

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एक महिला ने एक युवक पर जबरन शारीरिक संबंध बनाने और उस समय धोखे से लिए गए अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देने के आरोप लगाया है। पीडिता ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर सौंपी, पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए कार्यवाई शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली थानाक्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली एक विवाहिता महिला ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि कुछ समय पहले नई बस्ती वार्ड-27 में रहने वाला राहुल सागर नामक युवक उसके घर में उस समय घुसा जब वह घर में अकेली थी। आरोप है कि युवक ने उसे अकेला पाकर जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और धोखे से अश्लील वीडियो व फोटो बनाकर भाग निकला। आरोप है कि युवक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहा है और शारीरिक संबंध न बनाने पर सोशल मीडिया में वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता का आरोप है युवक तीन चार साल से लगातार उसे परेशान कर रहा है। जिससे वह काफी तंग आ चुकी है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई शुरु कर दी। इधर कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर दबिश दी जा रही है, शीघ्र उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बढ़ते अपराधों से शिवसैनिक चिंतित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संगठन को मजबूत बनाने और विस्तार के लिए शिवसेना महानगर इकाई की एक बैठक कुमाऊं मंडल के सचिव पदमपाल के आवास पर संपन्न हुई। इसके साथ ही शहर में बढ़ते अपराधों को लेकर चिंता व्यक्त की गई।

बैठक में शिवसेना महानगर मंत्री दीपक राजपूत के नेतृत्व में कुमाऊं द्वार टैक्सी मालिक एवं चालक कल्याण समिति काठगोदाम के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत नेगी, मनोज आर्या उपसचिव, गोविंद सिंह बिष्ट सदस्य, बॉबी गोस्वामी को सदस्य चुने जाने प्रदेश उपप्रमुख रूपेंद्र नागर उनका फूलमालाओं से स्वागत किया। बैठक में शिव सैनिकों ने शहर में बढ़ते अपराधों को लेकर चिंता जताई, अव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था, बिना सत्यापन के शहर में व्यापार कर रहे लोगों को लेकर, शराब, महानगर में बढ़ते सड़क हादसे, अराजकता नशाखोरी जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी मंथन किया गया। इस मौके पर शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेंद्र नागर, कुमाऊं मंडल अध्यक्ष हेमंत कुमार, जिलाध्यक्ष त्रिलोक सिंह, सरजू प्रसाद पांडे, सुनील गुप्ता, अशोक सिंधी, सुशील गुप्ता, सुनील गुप्ता, प्रमोद आर्य, अभिषेक कश्यप, चंदन सिंह राणा, पुरुषोत्तम सिंह, राजू गुप्ता, नरेश कुमार, मुकेश बिष्ट, पंकज जायसवाल, आयुष वार्ष्णेय, कुलदीप पाठक, सूरज आर्या, रोहित सूरी, गुरुवंश आहूजा, अशोक कुमार, सागर कश्यप, सरदार मोनू सिंह, करन कश्यप, अक्षय मौर्य, रिंकू राजपूत, कमलेश कुमार सहित कई शिव सैनिक मौजूद थे।

राज्यपाल गुरमीत सिंह के चार वर्ष का कार्यकाल पूर्ण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने 15 सितम्बर को उत्तराखण्ड के राज्यपाल के पद पर 4 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने उत्तराखण्ड के विकास के लिए रिवर्स पलायन, महिला सशक्तीकरण एवं बालिका शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं तकनीकी, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि और वेलनेस, ये पाँच मिशन निर्धारित किए। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वे लगातार प्रयासरत रहे हैं।

उच्च शिक्षा में सुधार एवं नई पहलें

वन यूनिवर्सिटी वन रिसर्च

राज्यपाल द्वारा सभी राजकीय विश्व. विद्यालयों और 5 निजी विश्वविद्यालयों को राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु एक वर्ष तक अपने गहन शोध के माध्यम से लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी विशेषज्ञता के अनुसार अपने शोध के विषय का चयन किया गया है। सभी विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी शोध रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है, इन शोध का जल्द ही धरातल में प्रभावी क्रियान्वन शुरु किया जाएगा। राज्यपाल के कुशल निर्देशन में राजकीय विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं संस्थानों की संबद्धता प्रक्रिया को सुगम एवं प्रभावी बनाए जाने के दृष्टिगत उत्तराखण्ड कॉलेज एफिलिएशन पोर्टल तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत संबद्धता देने वाले 05 विश्व. विद्यालयों की संबद्धता प्रक्रिया ऑनलाइन चल रही है इससे संबद्धता प्रक्रिया पारदर्शी होने के साथ-साथ समयबद्ध ढंग से चल रही है। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के कुल. पतियों के इंटरेक्शन में पारदर्शिता लाने के लिए इंटरेक्शन की वीडियो रिकॉर्डिंग की शुरुआत की है। उन्होंने विश्वविद्यालयों की जवाबदेही और स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए नियुक्तियों तथा कार्य परिषदों की बैठकों में पूर्ण पारदर्शिता तथा शुचिता के दृष्टिगत बैठकों तथा तत्संबंधी कार्यवाहियों की नियमित रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग करने के निर्देश जारी किए हैं। राज्यपाल की प्रेरणा से राजकीय विश्वविद्यालयों के लिए ''यूनिवर्सिटी कनेक्ट उत्तराखण्ड'' और निजी विश्वविद्यालयों के लिए ''यूनिसंगम'' मोबा. इल एप का प्रारंभ किया है जिसके द्वारा सभी विश्वविद्यालयों के पास अपनी उपलब्धियों, बेस्ट प्रैक्टिसेज, कार्यक्रमों, विषय-विशेषज्ञों, सूचनाओं, स्टार्टअप, शोध और विकास को आपस में और राजभवन के साथ ऑनलाइन संवाद के जरिए साझा किए जाने की सुविधा उपलब्ध है। राज्यपाल की पहल पर पहली बार निजी विश्वविद्यालयों की बैठकें की गई जो अब निरंतर आयोजित की जा रही है। उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों को एक प्लेटफॉर्म में लाने के प्रयास किए हैं जिससे वे प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

राजभवन देहरादून में एआई आधारित स्मार्ट ऑटोमेशन सिस्टम के अंतर्गत ऑनलाइन मैनेजमेंट सिस्टम, ई-पास, लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम, डिजिटल डैशबोर्ड कार्य कर रहा है। राजभवन में ई-ऑफिस के अंतर्गत सभी पत्राचार और फाइलों को डिजिटली निपटाया जा रहा है। साथ ही विश्वविद्यालयों के कुलपति के अवकाश आवेदन का ऑनलाइन निराकरण किया जाता है। राजभवन देहरादून का दीदार करने के लिए राजभवन का वर्चुअल टूर तैयार किया गया है। जिसके माध्यम से देहरादून राजभवन में लोगों को राजभवन परिसर स्थित बोनसाई गार्डन, नक्षत्र वाटिका, राजप्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर, आरोग्यधाम, राजलक्ष्मी गौशाला और पुस्तकालय के डिजिटल भ्रमण का अनुभव मिल रहा है। राजभवन में तकनीकी विश्व. विद्यालय यूटीयू की सहायता से राजभवन हेतु इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया गया है। जिसमें राजभवन देहरादून और नैनीताल स्थित सभी इन्वेंटरी पर बार कोड लगाया गया है। इन्वेंटरी में बार कोड लगाए जाने से चीजों के प्रति पारदर्शिता व जवाबदेही को बढ़ावा मिल रहा है। राजभवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के प्रयोग से निर्मित राजभवन मैत्री चौटबॉट की शुरुआत की गई है। गौरतलब है कि राज्यपाल ने अपने पांच प्रमुख मिशन में एआई को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। इसी क्रम में मैत्री चौटबॉट एआई तकनीक से युक्त एक अभिनव प्रयास है जिसमें राज्यपाल के विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध है।

रिवर्स पलायन, महिला सशक्तीकरण एवं बालिका शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं तकनीकी, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि और वेलनेस मिशन पर किया काम

राज्यपाल के निर्देशन में उत्तराखण्ड चारधाम यात्रा के रियल टाइम मॉनिटरिंग हेतु आईटीडीए द्वारा ''चारधाम यात्रा डैशबोर्ड'' तैयार किया गया है। इस डैशबोर्ड में विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर राज्य में यात्रा का सफल संचालन तथा तीर्थयात्रियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। राज्यपाल के निर्देश पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित चौटबॉट ''गार्गी नारी शक्ति'' तैयार किया गया है। इसके माध्यम से महिलाएं तकनीकी का उपयोग कर कानूनी सहायता, करियर परामर्श, वित्तीय साक्षरता, सुरक्षा उपायों और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सहायता प्राप्त कर सकती हैं। यह चौटबॉट गुरबाणी पर आधारित है, जो श्री गुरु ग्रन्थ साहिब के आध्यात्मिक मार्गदर्शन तथा शिक्षाओं को तकनीक के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने में सक्षम है। इस चौटबॉट को उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा हेमकुण्ट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के सहयोग से तैयार किया गया है। राज्यपाल द्वारा सैनिकों और उनके आश्रितों की समस्याओं के निवारण के लिए राजभवन में शिकायत निवारण अधिकारी की तैनाती की गई है। जो पूर्व सैनिकों से संबंधित शिकायतों का निस्तारण करता है। समय-समय पर राजभवन में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए जनता मिलन का आयोजन किया जाता है जिसमें राज्यपाल स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं। प्रदेश में स्थित केन्द्र सरकार के सभी संस्थानों के प्रमुखों से निरंतर बैठकें की जाती हैं और उनके साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर राज्य की प्रगति में उनसे सहयोग लिया जा रहा है। राज्य में 80 से अधिक केन्द्रीय संस्थान हैं, राज्यपाल सभी संस्थानों के प्रमुखों के साथ 2 दौर की बैठक कर चुके हैं। राज्यपाल ने चार वर्षों में प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों का भ्रमण किया है। जिलों में अधिकारियों से बैठक और स्थानीय लोगों से संवाद किया गया है। उनके द्वारा प्रदेश में स्थित 51 वाइब्रेंट विलेज में से 30 गांवों का दौरा किया जा चुका है। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राज्यपाल के मार्ग-निर्देशन में अभी तक 10 हजार से अधिक निःक्षय मित्रों द्वारा टीबी रोगियों की सहायता की है। राज्यपाल ने इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए 67 टीबी रोगियों का निःक्षय मित्र बनकर उन्हें इस बीमारी से मुक्त करने में सहयोग दिया है।

राज्यपाल ने राजभवन परिसर में बालि. का आत्मरक्षा एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र की शुरुआत की है। यह पहल राजभवन परिसर में निवासरत बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस केंद्र के माध्यम से बालिकाएँ आत्मनिर्भर बन रहीं हैं। आत्मरक्षा प्रशिक्षण उन्हें सुरक्षा और साहस देगा, जबकि कंप्यूटर शिक्षा रोजगार एवं करियर की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। राजभवन में टीबी,आर्थराइटिस रोग, आयुर्वेद एवं मर्म चिकित्सा, मानसिक स्वास्थ, ब्रेस्ट कैंसर के उपचार एवं रोकथाम के संबंध में जागरूकता के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। इसके अलावा वित्तीय एवं कर साक्षरता सेमिनार भी आयोजित किया गया है। राज्यपाल द्वारा राजभवन में कार्यरत कार्मिकों और उनके परिजनों के लिए प्रत्येक 6 महीने में परिवार मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें राज्यपाल प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की व्यक्तिगत और कार्यालयी समस्याओं को सुनते हैं। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया जाता है। राजभवन परिसर में आरोग्यधाम केन्द्र की स्थापना की गई है। आरोग्यधाम में पंचकर्म, मर्म चिकित्सा, फिजियोथेरेपी केन्द्र शामिल हैं। इसमें परंपरागत और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है जिसका लाभ राजभवन परिसर के सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन ले रहे हैं। राजभवन परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के अलावा अन्य प्रयासों से ग्रीन राजभवन बनाए जाने की कवायद जारी है। वर्षा जल संरक्षण प्रणाली के कार्यों के अंतर्गत 200 किलोलीटर पानी का संरक्षण और बचत की जा रही है। इसके माध्यम से पूरे परिसर में हरियाली को बढ़ावा मिला है और पूरे प्रदेश में जल संरक्षण के प्रति आमजन को प्रेरित किए जाने का संद. श गया है।

राज्यपाल के मार्गनिर्देशन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए आध्यात्मिक, प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में राजभवन देहरादून में ''नक्षत्र वाटिका'' की स्थापना की गयी है। नक्षत्र वाटिका में 27 नक्षत्रों से संबंधित 27 पौधों को स्थान दिया गया है। इसके अलावा राजभवन में स्थित बोनसाई गार्डन का विस्तारीकरण किया जा रहा है। वर्तमान में बोनसाई गार्डन में 500 से अधिक पौधों को संरक्षित किया गया है जो राजभवन में आकर्षण का केंद्र हैं। इसके अलावा गौमाता के महत्व को समझते हुए गौशाला का भी निर्माण किया गया है।

हिंदी को पहले व्यवहार मे बरतना जरूरी: प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हिंदी दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में रविवार को हिंदी राजभाषा, शिक्षण, रोजगार, भविष्य और चुनौतियां विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को स्थान दिलाने के प्रयास तभी सफल होंगे, जब हम अपने दैनिक व्यवहार में हिंदी का प्रयोग शुरू करें।

प्रो. लोहनी ने कहा कि आज़ादी के 76 साल बाद भी हिंदी को सही मायनों में राजभाषा नहीं बनाया जा सका है। मंत्रालयों अदालतों और सरकारी दस्तावेजों में आज भी अंग्रेजी का वर्चस्व है। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने प्रचार सामग्री में हिंदी के उपयोग की पहल की, जिससे दुनियाभर में हिंदी का संदेश गया। कुलपति ने बताया कि विवि की वेबसाइट का हिंदी संस्करण जारी करने का उद्देश्य भी यही है कि विद्यार्थियों में अपनी भाषा के प्रति आत्मगौरव और आत्मविश्वास जगे। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया की हिंदी को खुले दिल से अपनाने की ज़रूरत है, शुद्धतावादी आग्रहों से भाषा के बोलने वाले घट सकते हैं।

कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार में दिए जा रहे योगदान की भी सराहना की गई। प्रो. लोहनी ने बताया कि मेरठ विश्व. विद्यालय में रहते हुए उन्होंने प्रवासी साहित्य को हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल किया था। इस अवसर पर प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. जितेंद्र पांडे, प्रो. राकेश चंद्र रयाल, डा. शशांक शुक्ला, डा. सुशील उपाध्याय, डा. नरेंद्र सिजवाली आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बन्ना 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9
ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTTHIN2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

जिलाधिकारी ने रुड़की सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

मरीजों की स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। जनपद के चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले गरीजों को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो इसके लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आज उपजिला चिकित्सालय रुड़की का औचक निरीक्षण कर चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया।

औचक निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ट्रामा सेंटर, ब्लड बैंक, आई. सी. यू वार्ड, महिला वार्ड एवं पुरुष वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि चिकित्सालय में सी. टी स्कैन मशीन खराब है जिसको बदलने के निर्देश उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि कई कमरों में सीलन हो रही है, जिसपर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी कमरों को ठीक करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी पाया कि चिकित्सालय में साफ सफाई पर विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके लिए उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक एवं सफाई कार्मिकों को सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए ताकि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा एवं परेशानी न हो। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की प्राथमिकता है कि चिकित्सालय में आने वाले गरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा एवं परेशानी न हो उन्हें प्राथमिकता से सभी

स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए है कि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए जिसमें अल्ट्रासाउंड, पैथोलॉजी टेस्ट, आई. सी. यू की सुविधा एवं सभी मरीजों को चिकित्सालय में ही दवा उपलब्ध हो, तथा किसी भी गरीज को बाहर से दवा न लेनी पड़े इसका भी विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि चिकित्सालय में कोई उपकरण या मशीन खराब है तो उसके लिए नए उपकरण मंगवाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि चिकित्सालय में स्टाफ की कमी है तो इसके लिए शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। नए ब्लड बैंक भवन के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए है कि भवन में यदि कोई भी कार्य किया जाना अवशेष है तो उस कार्य को तत्काल पूर्ण करते हुए संबंधित कार्यदाई संस्था से स्थानांतरण की कार्यवाही जल्द से जल्द कराई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि चिकित्सालय के जो भी कमरे या भवन जीर्णशीण हो गए है उनके ध्वस्तीकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा है कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक सेठ, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ए. के मिश्रा, ब्लड बैंक प्रभारी रजत सैनी, तहसीलदार विकास अवस्थी सहित संबंधित डॉक्टर एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

❖उपजिला चिकित्सालय में खराब सी.टी स्कैन मशीन को बदलने के दिए निर्देश
❖चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को सभी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने व साफ सफाई रखने के दिए निर्देश

विधायक उमेश का शूटर बताकर भाजपा नेता को दी गोली मारने की धमकी

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। अपने आपको खानपुर विधायक उमेश कुमार का शूटर बताते हुए बदमाश द्वारा भाजपा नेता को विधायक के खिलाफ बोलने पर गोली मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। फिलहाल भाजपा नेता ने विधायक व शूटर से अपनी जान का खतरा बताते हुए पुलिस से अपनी सुरक्षा की मांग करते हुए दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। लंढौरा भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार पांडे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि हाल ही में लक्सर में खानपुर विधायक उमेश कुमार के खिलाफ हुए मुकदमे को लेकर फेसबुक पर एक टीवी चैनल की बिडियो पर उन्होंने विधायक के खिलाफ कमेंट किया था। इसके बाद उसे एक युवक ने फोन कर धमकाते हुए कहा कि तू विधायक के खिलाफ बहुत कमेंट लिखता रहता है। आरोप है कि युवक ने खुद को खानपुर विधायक का शूटर बताते हुए कहा कि उसके ऊपर 38 मुकदमे चल रहे हैं। इनमें दो मुकदमे हत्या के है। युवक ने धमकी देते हुए कहा कि अगर तूने विधायक के खिलाफ किसी भी तरह की हरकत की तो गोली मार कर तेरी भी हत्या कर दूंगा। आरोप है कि फोन काटने पर तीन बार फोन करके धमकी दी गई। जब बात रिकॉर्डिंग करने की बात कही तो तब फोन काटा गया। मंडल अध्यक्ष का कहना है कि उसने सीएम से विधायक खिलाफ जमीन पर कब्जा कराने की शिकायत की थी। इसके अलावा कई बार विधायक के कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके है। इसी कारण विधायक उसके खिलाफ साजिश रचते रहते है। चौकी प्रभारी नवीन चौहान का कहना है कि मंडल अध्यक्ष की ओर से तहरीर दी गई है। तहरीर में लिखे सभी आरोपो की जांच की जा रही है।

थाना दिवस पर झबरेड़ा थाने में सुनी गई जनसमस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बा झबरेड़ा थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया जिसमें थानाध्यक्ष द्वारा लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका निदान किया गया।

जानकारी के अनुसार कस्बा झबरेड़ा थाना परिसर में रविवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया थाना दिवस के अवसर पर क्षेत्राधिकार विवेक कुमार तथा थाना अध्यक्ष अजय शाह द्वारा थाना दिवस में आए लोगों की समस्याएं सुनी गई तथा लोगों से अपील की गई कि क्षेत्र में होने वाली हर छोटी बड़ी घटना की सूचना पुलिस को दी जाए ताकि समय रहते उस पर पुलिस कार्यवाही कर सके वही आजकल सोशल साइट या साइबर क्राइम द्वारा लोगों के साथ फ्रॉड किया जा रहा है उससे भी लोग सचेत रहें तथा किसी के कहने पर कोई लिंक ना खोले अथवा किसी को अपना अकाउंट नंबर तथा ओटीपी नंबर ना बताए और नशा मुक्त अभियान,महिला एवं वरिष्ठ नागरिकों के हितो व अधिकारों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर भी जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिस द्वारा लोगों को कानून की भी जानकारी दी गई। थाना अध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि थाना दिवस के अवसर पर लोगों की 3 शिकायतें आई जिनका निवारण तत्काल प्रभाव से तुरंत कर दिया गया। इस अवसर पर उप निरीक्षक रविंद्र सिंह जय सिंह राणा राजेंद्र कुमार मनोज कांबोज राजेंद्र चौहान रणवीर मुकेश तोमर सुरेंद्र सहित क्षेत्र के आमजन व मान्य लोग उपस्थित रहे।

जार्ज एवरेस्ट जमीन मामले को लेकर

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सरकार व रामदेव के खिलाफ प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की जार्ज एवरेस्ट जमीन मामले में महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड से सरकार और बाबा रामदेव के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका। आरोप लगाया कि मामले में सरकार द्वारा करोड़ों का घोटाला हुआ है इसकी जांच होने के साथ आरोपियों के खिलाफ कारवाई होनी चाहिए। वहीं धामी का पुतला फूंके जाने की खबर पर मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

चंद्रशेखर चौक पर प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने कहा मसूरी में सरकारी जमीन का टुकड़ा बाबा रामदेव को कौड़ियों के दाम दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस को में जानकारी मिली है कि इस मामले में करोड़ों रुपए की घोटालेबाजी हुई है। उन्होंने कहा कि मामले में उचित जांच होनी चाहिए। कहा कि भाजपा को अहसास हो गया है कि 2027 में वह सत्ता से बाहर होने वाले हैं इसलिए प्रदेश के खनन खनिज और प्राकृतिक ध रोहर को बेचने और किराए पर देने का काम कर रहे हैं। कहा कि अगर मामले में उचित जांच नहीं

करवाई जाती तो 2027 में कांग्रेस की सरकार आते ही एसआईटी का गठन किया जाएगा और मामले में दोषियों को सजा दी जाएगी। इस अवसर पर अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे। **पुलिस रही तैनात...** महानगर कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री का पुतला फूंके जाने की सूचना पर सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी गनीष उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतले पर बाबा रामदेव और उत्तराखंड सरकार का नाम लिखा तो पुलिस ने कोई कारवाई नहीं की। वरना पूरी आशंका थी मुख्यमंत्री का नाम लिखे जाने पर पुलिस पुतला कांग्रेस कार्यकर्ताओं से छीन लेती।

बीटी गंज रामलीला समिति का 106वां महोत्सव 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की स बीटी गंज रामलीला समिति इस वर्ष अपना 106वां भव्य महोत्सव आयोजित करने जा रही है। इस बार की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' रहेगी, जिसके अंतर्गत पूरे आयोजन में सेना को सार्गर्पित कई विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। वहीं महोत्सव का शुभारंभ आपदा पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया जाएगा।

पत्रकार वार्ता में समिति के महामंत्र ने जानकारी दी कि 18 सितंबर को मां काली की शोभायात्रा के साथ महोत्सव का आगाज होगा। 19 सितंबर को विधिवत उद्घाटन होगा, जिसमें 50 से अधिक यजमान शामिल रहेंगे और ग्यारह ब्राह्मण मंत्रोच्चारण के बीच पूजन संपन्न कराएंगे। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा कि "सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन बेहद आवश्यक हैं। यह न केवल हमारी परंपराओं को जीवित रखते हैं बल्कि समाज में नई पीढ़ी को भी संस्कृति से जोड़ते हैं। इस अवसर पर समिति से जुड़े पदाधिकारी प्रदीप परुथी, शशिकांत अग्रवाल, विशाल गुप्ता, दीपक शुक्ला, नवनीत गर्ग, अभिषेक मित्तल, अमन अग्रवाल, निखिल तायल, तुषार गोयल, शेखर सिंघल, अनिकेत गर्ग, आशीष अग्रवाल, गौरव मेहंदी रत्ता, हिमांशु शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाइक चोरी करते पकड़ा गया युवक, भीड़ ने की पिटाई

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। द्वारका एंक्लेव में बाइक चोरी की कोशिश कर रहे युवक को लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। गुस्साए लोगों ने उसकी जमकर पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया है। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाईंस अस्पताल के पास स्थित द्वारका ग्रीन्स में शुक्रवार देर शाम युवक ने बाइक चुराने का प्रयास किया। तभी मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया और शोर मचाकर भीड़ इकट्ठी कर लिया। मौके पर ही युवक की पिटाई कर दी गई। सूचना पर गंगनहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए युवक की पहचान रोहित निवासी नई बस्ती रामनगर, कोतवाली गंगनहर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी का चालान कर कोर्ट में पेश किया है।

मंगलौर कोतवाली में सुनी गई जनसमस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। कोतवाली में आज थाना दिवस का आयोजन किया गया जिसमें कोतवाली क्षेत्र के काफी लोगो ने हिस्सा लिया। वही मंगलौर सीओ विवेक कुमार कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह, एसएसआई रफत अली सहित कोतवाली क्षेत्र के तमाम पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान काफी लोगों कोतवाली पहुँचे और अपनी अपनी शिकायतें रक्खी जिनमे कुछ की समस्याओं का मोके पर ही निवारण किया गया वही सीओ विवेक कुमार ने बताया कि इस तरह के थाना दिवस से काफी लोगो को राहत मिलेगी और आज भी कई समस्याएं सुनी गई। जिनको लेकर अलग अलग थाना हलका के लोगो को जल्द ही उनके मुकदमो को लेकर निस्तारण करने के आदेश दिये है। बाकी एक मामले को लेकर आज ही मुकदमा दर्ज कराया गया है।

महिला से कुंडल व मोबाइल लूटने वाले दो आरोपी पकड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। महिला और उसके दो बेटों को सम्मोहित कर कुंडल और मोबाइल लेकर फरार होने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से कुंडल बेचकर जुटाई गई करीब 28 हजार रुपये की नकदी और दोनों मोबाइल बरामद किए गए हैं। पुलिस अब उनसे आगे की पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार एसपी देहात शेखर सुयाल ने मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि शिव चौक रामपुरी, थाना कोतवाली मुजफ्फरनगर (उप्र) निवासी रेखा अपने दो बेटों के साथ रुड़की आई थी। नगर निगम पुल के पास दो युवक उनसे मिले और पारिवारिक समस्या का हवाला देकर बातचीत करने लगे। इस दौरान युवकों ने उन्हें अपनी बातों में उलझा लिया। इसके बाद उन्होंने महिला से कहा कि उनकी परेशानियों का समाधान संभव है, लेकिन इसके लिए महिला को पीले धातु के आभूषण नहीं पहनने चाहिए। इस बहाने उन्होंने रेखा के कानों से कुंडल उतरवाए और मोबाइल फोन भी ले लिए। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए। महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आरोपियों की पहचान की। सूचना मिली कि दोनों बदमाश सोलानी पार्क के पास मौजूद हैं। इस पर पुलिस ने शादाब निवासी अब्दाल साहब रोड, चारमीनार के पीछे थाना कलियर और साजिद निवासी ग्राम हरेटी थाना कोतवाली देहात सहारनपुर (उप्र), हाल निवासी नई बस्ती थाना कलियर को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से दो मोबाइल और 28,070 रुपये नकद बरामद किए गए।

मायके में रह रही पत्नी को दिया तीन तलाक, केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मायके में रह रही विवाहिता को पति ने अपने माता-पिता के उकसावे में आकर गाली-गलौज करते हुए तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने पति समेत तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के लहबोली निवासी सलमान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन का विवाह साल 2021 में लक्सर कोतवाली सुल्तानपुर निवासी नावेद के साथ हुआ था। शादी के बाद पति-पत्नी में विवाद हो गया था। जिसके चलते मामला कोर्ट में विचाराधीन है। बताया कि तभी से विवाहिता मायके में रह रही है। 30 अगस्त को पति नावेद ने उसकी बहन को फोन किया और गाली-गलौज करने लगा। आरोप हैं कि पति ने अपने माता-पिता के कहने पर उसकी बहन को फोन पर तीन तलाक दे दिया। तलाक के बाद उसकी बहन ने आत्महत्या करने की कोशिश की, लेकिन समय रहते उसको मना लिया गया। कोतवाल प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि आरोपी पति नावेद, सास नसरीन, ससुर इमरान निवासी सुल्तानपुर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

सोशल मीडिया पर दबंगई दिखाने वाला धरा

मंगलौर। सोशल मीडिया पर दबंगई और कोर्ट रूम में गोली मारने की धमकी देने वाले वांछित आरोपी कार्तिक को गंगलौर पुलिस ने शनिवार को दबोच लिया। आरोपी के पास से पुलिस ने एक 12 बोर का तमंचा भी बरामद किया है। कोतवाल अमरजीत सिंह ने बताया कि कार्तिक पुत्र संजय, निवासी किल्लनपुर थाना पुरकाजी (मुजफ्फरनगर) हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस की नाक में दम किए इस आरोपी ने बीते दिनों अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई वीडियो और ऑडियो क्लिप डालकर लोगों में दहशत फैला दी थी, जिनमें वह कोर्ट रूम में गोली मारने और मारपीट करने की धमकी देता नजर आया। मंगलौर पुलिस टीम ने नारसन चौकी इंचार्ज हेमदत्त भारद्वाज की अगुवाई में दबिश देकर कार्तिक को धर दबोचा।

अवैध चाकू के साथ एक संदिग्ध युवक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया गया है उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लकसर ने जानकारी देते हुए बताया पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन लगाम को सफल बनाने के लिए एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में सॉलिप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों असामाजिक तत्व पर प्रभावित कारवाई के लिए पुलिस को निर्देशित किया था। जिसमें पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम के द्वारा 13 सितंबर 2025 को संदिग्ध घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम विशाल पुत्र तेजपाल निवासी पीतपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार उम्र 20 वर्ष बताया। उसको पकड़ाने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अशीष भट्ट हेड कांस्टेबल सुरवीर तोमर कांस्टेबल रविंदर चौहान शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

नशीले इंजेक्शनों के साथ फार्मासिस्ट गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। कोतवाली पुलिस ने मोहल्ला पठानपुरा से एक फार्मासिस्ट को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से नशीले इंजेक्शन बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया हैं। जानकारी के अनुसार देर शाम कस्बा मंगलौर पुलिस चौकी प्रभारी बलबीर सिंह डोभाल हमराह के साथ गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि मोहल्ला पठानपुरा में एक बाइक सवार युवक नशीले इंजेक्शन बेचने जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बताए गए स्थान की घेराबंदी कर ली। इस दौरान एक युवक बाइक से आता दिखाई दिया। पुलिस ने युवक को रुकने का इशारा किया तो उसने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके बैग से 16 नशीले इंजेक्शन व 19 सीरींज बरागद हुई हैं। पुलिस पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम मोहम्मद आमिर निवासी मोहल्ला किला मंगलौर बताया है। आरोपी आमिर ने बताया कि उसने डी फार्मा कर रखा हैं और उसने ये इंजेक्शन अर्जुन से चार माह पहले खरीदे थे। उसने कुछ इंजेक्शन पहले ही बेच दिए हैं। पुलिस ने आरोपी की बाइक सीज कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाल अमरजीत सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी आमिर निवासी मोहल्ला किला मंगलौर का एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में चालान कर दिया है।

छह माह से वेतन न मिलने पर भड़के शिक्षक-कर्मचारी

15 सितम्बर से सामूहिक अवकाश लेकर करेंगे छात्रसंघ चुनाव का बहिष्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। केएलडीएवी पीजी कॉलेज, रुड़की के शिक्षकों व कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। विगत मार्च माह से अब तक वेतन शासन द्वारा निर्गत नहीं किया गया है, जिससे शिक्षकों व कर्मचारियों के समक्ष गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि इस विषय में शासन-प्रशासन और निदेशक उच्च शिक्षा को बार-बार पत्र भेजे जाने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकल सका है।

शिक्षकों का कहना है कि छह माह से वेतन न मिलने के कारण उनके सामने दैनिक जीवन यापन करना भी कठिन हो गया है। विद्यालय परिवार के सभी कर्मचारी व शिक्षक बिना किसी अवरोध के अपनी जिम्मेदारियां पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं, लेकिन वेतन न मिलने से अब सबका धैर्य जवाब दे रहा है। शिक्षक व कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकला तो उन्हें मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

इसी क्रम में उन्होंने 15 सितम्बर को सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी ऐलान किया है कि 27 सितम्बर को होने वाले छात्रसंघ चुनाव का

बहिष्कार किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक पत्र भेजकर समस्या का त्वरित निस्तारण करने की मांग की है। शिक्षकों ने कहा कि यदि हालात ऐसे ही बने रहे तो राष्ट्रपति और राज्यपाल को भी वेतन संकट से अवगत कराया जाएगा।

पंजाब आपदा पीड़ितों की मदद को गुरुद्वारे में भेंट की खाद्य सामग्री

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भारी बारिश व प्राकृतिक आपदा ने इस बार उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब सहित कई राज्यों को गहरी तबाही में धकेल दिया है। आपदा की इस घड़ी में जहां सरकार और सामाजिक संस्थाएं पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ रही हैं।

जानकारी के अुसार रुड़की के समाजसेवी एवं किसान कामगार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुभाष नंबरदार ने भी पंजाब पीड़ितों की सहायता के लिए कदम बढ़ाया है। उन्होंने इकबालपुर शुगर मिल स्थित गुरुद्वारे पहुंचे। उन्होंने माथा टेककर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि और विशेष रूप से पंजाब के लिए सुख-शांति की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को दालें, चावल, आटा, दवाइयां, बिस्किट, चीनी और पानी

की बोतलें आदि आवश्यक सामग्री भेंट की, ताकि यह सहयोग सीधे जरूरतमंदों तक पहुंच सके।

दिल्ली से लौटते ही मुख्यमंत्री से विधायकों के मिलने का सिलसिला शुरू

मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं के बीच मुख्यमंत्री आवास दौड़ की हो रही चर्चा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड मंत्रिमंडल में विस्तार की संभावनाओं और चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को कई वरिष्ठ विधायकों ने अलग-अलग पहुंचकर मुलाकात की है। इनमें वो विधायक भी शामिल हैं जो पूर्ववर्ती सरकारों में मंत्री रह चुके हैं। मुख्यमंत्री धामी के दिल्ली दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में विधायकों ने पहुंचकर मुलाकात की और अपने क्षेत्रों से संबंधित अलग-अलग मामलों में चर्चा की है।

■ सीएम पुष्कर धामी ने जन समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने का दिया संदेश ■ विधायकों से आपदा प्रभावितों की मदद में सहयोग का सीएम ने किया आग्रह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में विधायक सहदेव पुंडीर, खजान दास, सुरेश चौहान, भरत चौधरी, संजय डोभाल, अनिल नौटियाल, प्रीतम पंवार एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। शिष्टाचार भेंट के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की विभिन्न विकासपरक मांगों एवं स्थानीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने विधायकों से किया आग्रह

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य जनता को त्वरित और पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से समस्याओं का समाधान और विकास कार्य और अधिक प्रभावी होंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाल ही में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों का स्वयं भ्रमण करने और जरूरतमंद परिवारों तक समयबद्ध सहायता पहुँचाने में सहयोग का विधायकों से आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपदा प्रभावित सभी परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी और राहत-पुनर्वास कार्यों की गति तेज की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, पर्यटन, पेयजल एवं ऊर्जा जैसे बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का संतुलित और सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं को निकटता से सरकार तक पहुंचाएं और सभी मिलकर प्रदेश की प्रगति में भागीदारी सुनिश्चित करें।

मंत्रिमंडल में पांच पद खाली जल्द विस्तार की फिर चर्चाएं

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार की कैबिनेट में विस्तार को लेकर एक बार फिर से चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। कैबिनेट में फिलहाल पांच पद खाली चल रहे हैं, विस्तार के साथ ही पोर्टफोलियो रिशफलिंग की चर्चाएं भी उठ रही हैं। मंत्रिमंडल में वर्तमान समय में 6 मंत्री ही हैं, और 7वें खुद मुख्यमंत्री हैं। यानी नियमानुसार कुल 70 विधानसभा सदस्यों के 15 फीसदी मंत्रिमंडल के हिसाब से उत्तराखंड में मुख्यमंत्री सहित कुल 12 मंत्रियों की कैबिनेट होनी चाहिए। जिसमें से 5 सीटें खाली चल रही हैं। गौरतलब है कि मंत्रिमंडल में 3 पद तो सरकार के गठन के समय से ही खाली हैं। बाद के वर्षों में मंत्री चंदन राम दास के निधन होने और इसी वर्ष मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद 2 सीटें और खाली हो गई थीं। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं को लेकर खुद मुख्यमंत्री धामी भी सकारात्मक इशारा दे चुके हैं। और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने जल्दी ही कैबिनेट के खाली पदों को भरने की बात कही थी। मुख्यमंत्री धामी के दिल्ली दौरे के बाद इन संभावनाओं को अक्सर बल भी मिलता रहा है। पिछले दिनों भी कई विधायकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल की संभावना भी जताई जा रही हैं। क्योंकि मंत्रियों के विभागों की प्रगति की भी मुख्यमंत्री पिछले दिनों समीक्षा कर चुके हैं।

इस बदलाव की गैरसैंण में हुए मानसून सत्र से पहले भी संभावना थी क्योंकि मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद से संसदीय कार्य मंत्री का पद खाली था जो कि विधानसभा सत्र से पहले भरा जाना जरूरी थी। लेकिन मुख्यमंत्री ने सिर्फ मंत्री सुबोध उनियाल को ही संसदीय कार्यमंत्री की जिम्मेदारी देकर उस समय कैबिनेट की संभावना पर अल्पविराम लगा दिया था।

डीएम की पहल: बेसहारा बेटियों की शिक्षा को मिला सहारा

देहरादून। मां की मौत और पिता की बेरोजगारी के कारण अपनी पढ़ाई छोड़ चुकी तीन बेसहारा बहनों को जिला प्रशासन की कार्रवाई से अब शिक्षा का अधिकार मिल गया है। जिलाधिकारी (डीएम) की पहल पर इन बच्चियों को न केवल स्कूल में दाखिला मिला है, बल्कि उन्हें मुफ्त में यूनिफॉर्म और किताबें भी दी गई हैं। इसके साथ ही, उनकी बड़ी बहन को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगारपरक प्रशिक्षण देने की तैयारी की जा रही है। पिछले सप्ताह जिलाधिकारी संविन बसंल से मुलाकात कर सरिता ने अपनी पीड़ा बताई थी कि उनकी मां की डूबने से मृत्यु हो गई है और पिता बेरोजगार हैं। जिसके कारण उनकी छोटी बहन काजल (कक्षा 5), प्रीति (कक्षा 4), और रागिनी (कक्षा 3) की पढ़ाई छूट गई है और उनके पास फीस देने के लिए पैसे नहीं हैं। डीएम ने इस मामले पर संज्ञान लिया और मुख्य शिक्षा अधिकारी को बच्चियों का दाखिला कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, उन्होंने सरिता को भी रोजगारपरक प्रशिक्षण दिलाने के लिए जीएमडीआईसी को निर्देशित किया।

हरियाणा का वांटेड अपराधी दून में ढेर

पुलिस के खोप में दबिश के दौरान खुद को लाइसेंसी पिस्टल से मारी गोली, हरिद्वार में दरोगा को गोली मारकर हुआ था फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार में हरियाणा पुलिस के एक उप-निरीक्षक को गोली मारकर फरार हुए मोस्ट वांटेड अपराधी सुनील कपूर ने देहरादून में पुलिस की घेराबंदी के दौरान खुद को इस लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली, जिस पिस्टल से दरोगा को गोली मारी गई थी। यह घटना देहरादून के नगर कोतवाली क्षेत्र में लक्ष्मण चौक इलाके में हुई, जहां अपराधी अपने एक रिश्तेदार के घर में छिपा हुआ था।

जिंद, हरियाणा के रहने वाले सुनील कपूर पुत्र ओम प्रकाश कपूर निवासी मोहल्ला बाजरान आसरीगेट जिंद हरियाणा पर धोखाधड़ी और कई अन्य मामलों में केस दर्ज थे। मुकदमे दर्ज होने के बाद सुनील कपूर हरियाणा से फरार हो गया था और हरिद्वार में चेक कर रह रहा था।जिसकी सूचना हरियाणा पुलिस को मिली थी। 13 सितंबर, 2025 को हरियाणा पुलिस के उप-निरीक्षक सुरेंद्र, हरिद्वार बस स्टैंड के पास सुनील को गिरफ्तार करने गए थे। इसी दौरान सुनील ने पुलिस टीम पर लाइसेंसी पिस्टल से गोली चला दी, जिससे उप-निरीक्षक के पेट और हाथ में चोट लगी। इस घटना के बाद हरिद्वार पुलिस में हड़कंप मच गया था और आनंन-फानन में एसएसपी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा था ओर घायल पुलिसकर्मी को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद हरिद्वार पुलिस ने भी सुनील के खिलाफ जानलेवा हमले का मामला दर्ज किया था। हरिद्वार पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अपना जाल बिछा रही थी।

ऐसे चला पुलिस का अभियान

गोलीकांड के बाद से ही हरिद्वार और जिंद पुलिस सुनील की तलाश कर रही थीं। पुलिस को जानकारी मिली कि वह देहरादून के नगर कोतवाली क्षेत्र के लक्ष्मण चौक में अपने एक रिश्तेदार के घर में छिपा हुआ है। सूचना मिलने पर देहरादून, हरिद्वार और जिंद पुलिस ने एक संयुक्त टीम बनाकर सुनील के ठिकाने पर छापा मारा।पुलिस ने घर को चारों तरफ से घेरकर सुनील को आत्मसमर्पण करने को कहा। लेकिन, सुनील ने समर्पण करने की बजाय अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली।

घटनास्थल पर जांच में जूटी पुलिस

देहरादून के नगर कोतवाली क्षेत्र में लाइसेंस पिस्टल से खुद को गोली मारने वाले आरोपी के मामले को लेकर घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कर सबूत इकट्ठा किए। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सुनील कपूर का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है, जिसमें हरियाणा में दर्ज कई मामले शामिल हैं।

जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट घोटाले में कांग्रेस का बड़ा हमला

सरकार ने 30 हजार करोड़ की जमीन एक करोड़ में दे दी: माहरा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट परियोजना को लेकर बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने रविवार को सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह प्रदेश का सबसे बड़ा घोटाला है जिसमें राज्य की हेरिटेज जमीन को कौड़ियों के भाव बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की कंपनियों को सौंप दिया गया।

माहरा ने दावा किया कि मसूरी स्थित जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट की 142 एकड़ हेरिटेज भूमि, जिसकी बाजार कीमत करीब 30,000 करोड़ रुपये है, उसे सिर्फ 1 करोड़ रुपये वार्षिक किराए पर दे दिया गया है। यह सौदा उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के माध्यम से दिसंबर 2022 में किया गया, जिसमें टेंडर प्रक्रिया को लेकर भी गड़बड़ी के आरोप लगाए गए हैं। माहरा ने कहा कि यह घोटाला भाजपा के क्रोनी कैपिटलिज्म का जीता-जागता उदाहरण है। टेंडर में भाग लेने वाली तीनों कंपनियां, राजस एरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, भारूवा एग्री साइंस प्राइवेट लिमिटेड और प्रकृति ऑर्गेनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सीधे आचार्य बालकृष्ण से जुड़ी हैं। यह टेंडर पूरी तरह से नियमों और कानूनों का उल्लंघन करता है।

सीबीआई से जांच की मांग: कांग्रेस पार्टी ने इस पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच करवाने की मांग की है, और वह भी उत्तराखंड हाईकोर्ट की निगरानी में। माहरा ने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी और राज्य की जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी।

एडीबी के पैसे से बना प्रोजेक्ट, फायदा निजी कंपनी को

देहरादून। माहरा ने आरोप लगाया कि इस प्रोजेक्ट को एशियन डेवलपमेंट बैंक से मिले 23.5 करोड़ रुपये के ऋण से तैयार किया गया था। लेकिन इसके बाद इस पूरी परियोजना को एक निजी कंपनी को सौंप दिया गया, जिससे उसकी आमदनी 8 गुना बढ़ गई, जबकि राज्य को नाममात्र का लाभ हुआ। यह सिर्फ सरकारी लापरवाही नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया आर्थिक अपराध है। भाजपा सरकार ने बाबा रामदेव के पतंजलि साम्राज्य को खुला संरक्षण दिया है। माहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके अफसर इसमें बराबर के जिम्मेदार हैं।

धारचूला में जमीन पर कब्जे व निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के भी आरोप

देहरादून। माहरा ने धारचूला के गूंजी क्षेत्र का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां वर्षों से रह रहे स्थानीय लोगों की जमीनों को जबरन अधिग्रहित कर उन्हें हटाया जा रहा है, जबकि "शिव धाम" प्रोजेक्ट के नाम पर पर्यटन विभाग को भूमि सौंपकर किसी निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि एक निजी एविएशन कंपनी यात्रियों को ओम पर्वत और छोटा कैलाश दर्शन के लिए ले जा रही है और उन्हें अपने ही होमस्टे में ठहरा रही है, जिससे स्थानीय लोगों की आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। कहा कि भर्ती घोटाले, पेपर लीक, और अब पर्यटन घोटाला उत्तराखंड भाजपा के शासन में घोटालों का गढ़ बन चुका है।

136.68 करोड़ की विकास योजनाओं की सीएम ने दी वित्तीय स्वीकृति

जनपद चंपावत, बागेश्वर, देहरादून, टिहरी की विभिन्न योजनाओं को मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 136.68 करोड़ रुपये की मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने वित्तीय मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में जिला मुख्यालय के निकट मुडियानी में उद्यान फार्म बनाये जाने हेतु रू. 37.51 लाख तथा अमोडी में हाउस ऑफ हिमालयाज के विपणन केन्द्र की स्थापना हेतु रू. 49.82 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

जनपद बागेश्वर व टिहरी की योजनाएं

मुख्यमंत्री ने जनपद बागेश्वर के विधानसभा क्षेत्र कपकोट के अन्तर्गत शिखर मूल नारायण परिसर अलखनाथ मंदिर किलपारा भनार बज्यैण, काण्डा सिमकुला, घटवारिया, शिव मंदिर सुंदर गुफा कांडा, बज्यैण मन्दिर ढाई ईजर, नन्दा देवी मंदिर दोफाड को पर्यटन के रूप में विकसित किये जाने तथा अलखनाथ मंदिर किलपारा के सौंदर्यीकरण हेतु रू. 58.64 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद टिहरी के विधानसभा क्षेत्र धनौल्टी के अन्तर्गत द्वारिकापुरी में यात्रियों के लिए यात्री विश्राम गृह बनाये जाने हेतु रू. 60.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र धर्मपुर में वार्ड 86, सेवला कलां के अन्तर्गत विभिन्न गलियों में पुरानी जीर्णशीर्ण पाइप लाइन बदलने हेतु रू. 60.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

15वें वित्त आयोग की भी संस्तुतियां: मुख्यमंत्री द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में ग्रामीण पी.एच.सी. एवं एस.सी. (उपकेन्द्र) को स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्र में परिवर्तित करने सम्बन्धी योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में रु. 35.50 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

समस्त शहरी स्थानीय निकायों को अनाबद्ध-अनिर्दिष्ट अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम किस्त रू. 39.41 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में समस्त शहरी स्थानीय निकायों को आबद्ध अनुदान-निर्दिष्ट अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम किस्त रू. 59.11 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

नगर निगम के लिये भाजपा-कांग्रेस जिम्मेदार: यूकेडी

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल के महानगर अध्यक्ष प्रवीण रमोला ने देहरादून नगर निगम में 31 वार्ड में हुए घोटाले के लिए भाजपा और कांग्रेस को जिम्मेदार बताया है। कहा की भाजपा की जीरो टॉलरेंस की सरकार अपना दम दिखाए और इन सभी पार्षदों और उनके साथ भ्रष्ट कर्मचारियों जिन्होंने वेतन में घोटाला किया है को तत्काल गिरफ्तार कर जेल में भेजें। कहा कि नगर निगम देहरादून घोटाले का अड्डा बनकर रह गया है। वहां पर आज भी घर से कूड़ा उठाने के खेल के लिए बनाई गई स्वच्छता टेंडर में जबरदस्त घोटाला किया जा रहा है।

हिंदी दिवस पर बोले निशंक, 'मेरे देश की पहचान है हिन्दी'

'राष्ट्रीय एकता और हिंदी' पर संवाद, लेखक गांव थानों में आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के पहले लेखक गांव थानों में आयोजित संवाद कार्यक्रम ष्राष्ट्रीय एकता और हिंदीष में विभिन्न साहित्यकारों, कवियों और हिंदी शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जयंती प्रसाद नौटियाल, कार्यक्रम की अध्यक्ष पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. सविता मोहन और स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय की उपाध्यक्ष विदुषी निशंक ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।

इस संवाद कार्यक्रम में लेखक गांव के संरक्षक, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल श्निशंकश ने अपने उद्बोधन में कहा, षहिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक सामंजस्य का प्रतीक है। हमें इस भाषा को और भी सशक्त बनाना होगा ताकि यह हर भारतीय के दिल में घर कर सके और राष्ट्रीय एकता को मजबूत कर सके। हर वर्ष 14 सितंबर का हिंदी दिवस हमे स्मरण कराता है कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम ही नहीं है बल्कि हमारी आत्मा का संगीत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जयंती प्रसाद नौटियाल ने कहा, षहिंदी भाषा में न केवल भारतीयता की भावनाएं समाहित हैं, बल्कि यह एकता का संदेश भी देती है। हमें इसे केवल भाषा के रूप में नहीं, बल्कि एक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के रूप में देखना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्ष, पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. सविता मोहन ने कहा, षहिंदी का महत्व शिक्षा और साहित्य दोनों में अत्यधिक है। यह हमारे विचारों को व्यक्त करने का सबसे प्रभावी साधन है, और इसे सशक्त बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।

राष्ट्रीय एकता की दिशा में महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में काव्य पाठ का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हिंदी के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को व्यक्त किया। इस कार्यक्रम ने हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए, राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रगाढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस अवसर पर साहित्य जगत के अनेक प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं, जिन्होंने इस संवाद कार्यक्रम को समृद्ध किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ममता गुप्ता, डॉ. क्षमा कौशिक, मोनिका शर्मा, रचना शर्मा, डा. नूतन स्मृति, कविता बिष्ट, माणिक अग्रवाल, मनमोहन सकलानी, तनुजा सिंह, डा. मुकेश नौटियाल, वीरेंद्र डंगवाल, कुसुम रावत, बीना बेंजवाल रहे. कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती मिश्रा ने किया।

अवरुद्ध सड़कों को युद्धस्तर पर खोला जाए: जोशी

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को अपने कैंप कार्यालय में यूआरआरडीए के अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत बरसात से बाधित सड़कों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के कारण अवरुद्ध हुई सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर युद्धस्तर पर खोला जाए तथा क्षतिग्रस्त और बह चुके पुलों का शीघ्र पुनर्निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क कटान से निकलने वाले मलवे को चिन्हित डंपिंग जोन में ही डाला जाए ताकि किसानों की खेती को नुकसान न पहुंचे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 15 सितम्बर 2025

मणिपुर को सौगात

मणिपुर में 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पहली बार पीएम मोदी मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचे। वहां उन्होंने जहां कुकी बाहुल चूड़ा चांदपुर जिले में जनसभा को संबोधित किया, वहीं इम्फाल में 1200 करोड़ की 17 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने वहां लोगों से शांति स्थापित करने की अपील की, वहीं साथ ही कहा कि यहां के लोग विकास को प्राथमिकता देते हैं और राज्य में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनका कहना था कि कहीं भी विकास के लिए शांति जरूरत है। पिछले 11 सालों में पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझ गए हैं, लोगों ने शांति का रास्ता चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। शांति प्रयासों से लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र ने जो प्रयास किए हैं वह राज्य में साफ दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने हाल ही में पहाड़ी और घाटी में विभिन्न समझौतों के साथ समूहों में बातचीत को प्राथमिकता दी। जहां तक बात विपक्ष की है, विशेष रूप से कांग्रेस पीएम मोदी की मणिपुर की यात्रा को इस समय गैर जरूरी बता रही है। उसकी नजर में अब मणिपुर जाने का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने साफ कहा है कि पीएम मणिपुर जाकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। उनका मकसद लोगों के दुख में शामिल होना नहीं बल्कि बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन करना मकसद है ताकि उनको प्रचार मिल सके। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हालांकि उनकी मणिपुर की यात्रा का स्वागत किया, लेकिन यह बेहद देर से उठाया गया कदम भी बताया। उनका कहना था कि पीएम मोदी को बहुत पहले यहां आना चाहिए था। वैसे विपक्ष के तमाम नेता समय-समय पर पीएम मोदी से वहां का दौरा करने की मांग करते रहे हैं, लेकिन वह तमाम मांगों को अनसुना कर मणिपुर नहीं गए।

जैसाकि खड़गे ने कहा कि जब से मणिपुर में हिंसा हुई है तब से पीएम मोदी दर्जनों विदेश यात्रा कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने मणिपुर की कभी सुध नहीं ली। विपक्ष का यह आरोप अतार्किक भी नहीं कहा जा सकता। पीएम होने के नाते मोदी को वहां बहुत पहले जाना चाहिए था। निश्चित रूप से मणिपुर के दंगे बेहद सिरहन पैदा करने वाले हैं, क्योंकि कुकी और मेतेई समुदाय के बीच जिस तरह की दुश्मनी देखने मे आई, वह राज्य व देश के लिए बेहद खतरनाक है और वर्तमान में भी हम देख रहे हैं कि वहां हिंसा में कमी आई है। मेतेई और कुकी नेता आपस में बातचीत भी कर रहे हैं, लेकिन अभी पूरी तरह शांति नहीं कही जा सकती। निसंदेह महिलाओं के साथ जिस तरह दुराचार की खबरें आई हैं, उसने पूरे देश को ही एक तरह से हिलाकर रख दिया। बात यहीं खत्म नहीं होती, मणिपुर को लेकर पीएम मोदी ने कोई बड़ा बयान दिया हो ऐसा भी याद नहीं आता, लेकिन देर से ही सही, अगर पीएम मोदी इस समय मणिपुर गए हैं, तो उसका भी स्वागत किया जाना चाहिए और जिन बड़ी परियोजनाओं की उन्होंने घोषणा की है वह भी राज्य के लिए बड़ी बात है। हर चीज को राजनीति के चश्मे से देखना ठीक नहीं है। विपक्ष को भी समझना होगा कि अगर पीएम मोदी मणिपुर को बड़ा पैकेज दे रहे हैं, तो इससे राज्य के लोगों का ही भला होगा।

पीडीए के कारण नेपाल में हो गया तख्तापलट

भाजपा सरकार में लगातार पीडीए का अपमान और उपेक्षा हो रही है, पीडीए के कारण ही नेपाल में आग लगी और तख्तापलट हो गया। इसे ध्यान में रखना चाहिए, भाजपा ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है विधानसभा चुनाव में भाजपा को हटाना ही लोकतंत्र और जनता के हित में है, पीडीए एकजुट हो रहा है, सपा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और डॉक्टर राममनोहर लोहिया की विचारधारा और नेताजी के संघर्ष के रास्ते पर चलकर गैरबराबरी, आर्थिक और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है, भाजपा सरकार में आर्थिक और सामाजिक असमानता बढ़ती जा रही है। गरीबी-अमीरी के बीच खाई गहरी हो गई है। भाजपा सरकार में हर स्तर पर पीडीए की उपेक्षा हुई है, पीडीए को हिस्सेदारी नहीं मिली। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

क्यों कूटा गया नेपाल में भारतीय मीडिया

पवन सिंह

टायर तो होना ही था। प्यार तो होना ही था। बेशक गाने की ये लाइनें फिल्मी हैं लेकिन कभी यह गाना भारतीय मीडिया के संदर्भ में खांचे में फिट होता था। अखबारों में छपी खबर को जनता इस हद तक सच मानती थी और विश्वास करती थी जितना कि सुबह फिर से सूरज उगेगा का सच। भारतीय मीडिया के लिए वह प्यार व सम्मान हम जैसों ने देखा है। 1980 के दशक के हमारे जर्नलिज्म के जो साथी हैं और हम लोगों के दौर से पहले के जो वरिष्ठ पत्रकार जीवित हैं, जर्नलिज्म से जुड़ी इस पीढ़ी को जाकर उनसे पूछना चाहिए कि ऐसा क्या हुआ कि सब बदल गया।

अब प्यार तो होना ही था गाने को अगर बदल दें तो यह ऐसे गाया जाएगा पिटना ही था। पिटना ही था। ये आखिर हुआ क्यों? भारतीय पत्रकार थपड़ियाए क्यों गए। बेहतर होता अगर इसकी पड़ताल और समीक्षा की जाती। घटना पर भारतीय पत्रकारों का गुस्सा बेशक जायज है, लेकिन सवाल फिर वहीं आकर खड़ा होता है कि आखिरकार भारतीय मीडियाकर्मियों को नेपाली जनता ने थपड़ियाया क्यों? अकारण और बेवजह ऐसी घटना का होना स्वाभाविक नहीं है?

नेपाल में मेरा काफी दिन रहना हुआ। उस दौरान मैं दैनिक हिन्दुस्तान में संवाददाता था। फैलोशिप पर मारीशस अध्ययन के बाद भारत लौटा तो नेपाल जाने का मौका मिला। यहां मुझे पर्यटन अध्ययन संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से भेजा गया था। वर्ष, 2000 में पर्यटन अध्ययन संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए पुस्तक लिखी। चूंकि आने-जाने और अध्ययन का खर्चा लखनऊ विश्वविद्यालय से ही दिया गया था लिहाजा विश्वविद्यालय ने ही किताब प्रकाशित करवाई। नेपाल को जितना मैं समझ पाया में वह लगातार भारत से दूर हुआ है। भारत से लगी नेपाली सीमाओं में रह रहा मधेशी जितना भारत के करीब है, उतना ही नेपाली राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाला पहाड़ क्षेत्र का नेपाली भारत को पसंद नहीं करता है। इस वर्ग में ताकतवर नेपाली ब्राह्मण व क्षत्रिय लॉबी है। यह ठीक वैसे ही है जैसे पाकिस्तान की सत्ता व सेना में केवल पंजाबियों का जबरदस्त वर्चस्व है और शेष हाशिए पर हैं।

मूल विषय यह है भारतीय मीडिया पिटा क्यों? भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंडे अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

आप कौन होते हैं दूसरे देश में जाकर, वहीं की जनता के बिहाफ पर यह कहने वाले कि किस देश को किस तरह का प्रधानमंत्री चाहिए? आप किसी दूसरे देश कि राजनीति की दिशा तय करने वाले कौन होते हैं? कौन सा देश हिन्दू राष्ट्र बनेगा या मुस्लिम या इसाई देश। आप कौन होते हैं? उस देश की जनता और उस देश के राजनीतिक नेतृत्व को तय करने दीजिए। आप खामखां कौन? और जब आप जबरिया किसी देश के आंतरिक मामलों में घुसेंगे तो पिटेंगे और वही हुआ। आप पिटे भी। नमस्ते ट्रंप और अबकी बार ट्रंप सरकार टाइप्स की हरकतें जब करेंगे तो रिश्ते दरकेंगे। क्योंकि यह सीधे-सीधे किसी भी संप्रभु राष्ट्र राजनीति में हस्तक्षेप का मामला बनता है। साहेब को लगा कि ट्रंप दोबारा आएगा लेकिन आए जो. बाइडेन अब मामला गले में फंसी हड्डी जैसा हो गया। उधर साहेब पहुंचे अमेरिका, अमेरिकी मीडिया ने छापा कि साहेब अपने पुराने दोस्त से जरूर मिलेंगे और ट्रंप ने भी बयान जारी किया कि उनका दोस्त मिलने आएगा, लेकिन दोस्त गायब हो गया। अमेरिकी मीडिया में ट्रंप का जबरदस्त मजाक बना। लेकिन घूमकर ट्रंप फिर आ गया और इस बार आप देख ही रहे हैं। रिश्ते दरक गए और आज जग-हंसाई अलग से हो रही है। भारतीय मीडिया का मजाक और उस पर मीम्स अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में जाए हुए हैं, क्योंकि आपने कलम को लिपिस्टिक बना लिया है और पत्रकारिता को कोठा, जहां पत्रकारिता आज मुजरा कर रही है। नेपाल में भारतीय मीडिया रिपोर्टिंग करने नहीं एजेंडा सेट करने गया था और जब आप पत्रकारिता से इतर एजेंडा सेट करने दूसरे देश में जाएंगे तो पिटेंगे ही और आप ठीक-ठाक बेइज्जत हुए और थपड़ियाए भी गए।

आइए समझते हैं नेपाल की नाराजगी- नेपाली अब यह मानने लगा कि भारत उसका शोषण करता है। भारत अकारण नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप करता है। एक नेपाली पत्रकार साथी बताते हैं कि 26 मई, 2006 को बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने नेपाल के संदर्भ में टिप्पणी की कि नेपाल की मूल पहचान एक हिंदू राष्ट्र की है और इसे मिटने नहीं देना चाहिए और बीजेपी को इससे प्रसन्नता नहीं होगी कि नेपाल अपनी मूल पहचान माओवादियों के दबाव में खो दे। यहीं से माओवादियों और चीन प्रभावित नेपाली लॉबी खुलकर चीन की ओर आ गई। नेपालियों ने माना कि यह सीधा-सीधा हस्तक्षेप है।

इसके बाद रॉ प्रमुख सामंत कुमार गोयल, पीएम ओली से मिले और भारत के सेना प्रमुख जनरल नरवणे ओली से मिलने पहुंच गए। फिर विदेश सचिव आए। इसके तुरंत बाद बीजेपी के विदेशी मामलों के प्रभारी विजय चौथाई भी ओली से मिले। ये सारी मुलाकातें गोपनीय हुईं लेकिन नेपाली मीडिया खबरें करता रहा। जनता को आधिकारिक रूप से कोई भी जानकारी नहीं दी गई। अचानक पीएम ओली ने संसद को भंग कर दिया जबकि ओली के पास बहुमत भी नहीं था। नेपाली मीडिया और राजनीतिक दलों ने यह कह कर तूल दिया कि भारत नेपाल में अस्थिरता फैलाना चाहता है। ओली यह सब भारत की शह पर कर रहे हैं। समय बीता और वर्ष, 2015 में भारत के विदेश सचिव एस जयशंकर नेपाली नेतृत्व के सामने अजीब से कड़े तेवर में नजर आए। यह नेपाल की राजनीतिक पार्टियों को बुरा लगा और यह सब तब हो रहा था जब नेपाल इतिहास में पहली बार लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अपना संविधान लागू कर रहा था। हां नया संविधान था और इस बात की संभावनाएं थीं कि इसमें कुछ कमियां हो सकती हैं लेकिन समय के साथ यह संवैधानिक कमियां दूर हो जातीं। भारत की मधेसियों को लेकर जो चिंता थी वह सही थी लेकिन कोई दूसरा देश, किसी दूसरे संप्रभु देश को यह कैसे कह सकता है कि संविधान को लागू करने से रोक दीजिए। एस जयशंकर के इसी रवैये के बाद नेपाल के सभी राजनीतिक दल एक हुए और भारत के दबाव को दरकिनार कर संविधान को लेकर आम सहमति बनाई। नाराज भारत ने नाकेबंदी कर दी और इससे नेपाल में मानवीय संकट खड़ा हो गया और यही वह भारत विरोधी माहौल था जब चीन ने सीधे-सीधे इसे अपने पक्ष में किया। नेपाल के लोग आज भी उस नाकेबंदी को याद करते हैं जब वर्ष 2015 में नेपाल को पूरी तरह से तोड़ दिया गया था। पेट्रोल व डीजल की मीलों लंबी लाइनें थीं। नमक के पैकेट तक की मारा-मारी थी। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था। रसोईयों के चूल्हे बंद हो चुके थे, क्योंकि गैस सप्लाई तक बंद थी। यहीं से नेपाल ने उस रास्ते को तलाशना शुरू कर दिया कि चीन से ट्रांजिट रूट को कैसे मजबूत हो। बस सब कुछ पलटता चला गया। नेपाल के एक पत्रकार साथी कहते हैं कि भारत के लद्दाख और अरुणाचल में सेना घुसी हुई है, भारत को पहले अपने आंतरिक मामले देखने चाहिए, नेपाल में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंडे अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

मातृभाषा का राष्ट्र भ्रमण

व्यंग्य
हिन्दी सप्ताह पर मौलिक प्रस्तुति

अजीम राजा

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई।

स्टेशन पर लगी दो फुट की तख्ती पर मोटा-मोटा लिखा देख हिन्दी खुश हो गई। उसके दिल में देशवासियों के प्रति ममता हिलौरे लेने लगी। प्रेम के वशीभूत हिन्दी इधर-उधर नजरें घुमाने लगी। आनन्द आ रहा था, अपनी सन्तान को देखकर। प्लेटफार्म के एक कोने पर दिखा। एक कागज बोतल चुगने वाला बालक कोट-पैंट धारी थुलथुले साहब की आधी पीकर फेंकी हुई फ्रूटी पी रहा था।

हिन्दी माता खुश हो गई। दिल से निकला वाह क्या भाईचारा है। मेरी संतान मिल बांटकर खाती-पीती है। बालक फ्रूटी पीकर खड़ा हुआ तो एक सज्जन से टकरा गया। सज्जन को गुस्सा आ गया और बोला हराम खोर देखकर नहीं चल सकता, कपड़े खराब कर दिए और बालक को थप्पड़ जड़ दिया। हिन्दी एक दम सकते में आ गई। फिर दिल को दिलासा दिया कि एकाध संतान तो चलो बिगड़ भी जाती है। पर हिन्दी का मन अब स्टेशन पर नहीं लगा वह बाहर आ गई। चलते-चलते एक कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। वहां कोई पुरस्कार वितरण कार्यक्रम चल रहा था। मंच की पीछे की दीवार पर एक बड़ा सा बैनर लगा था। जिस पर लिखा था जिला स्तर पर हिन्दी सेवियों का सम्मान। हिन्दी माता के चेहरे की मुस्कान बढ़ गई। चुपके से जाकर दूसरी पंक्ति में खाली पड़ी एक कुर्सी पर बैठ गई। मंच पर संचालक ने माइक से बोलना शुरू किया। Ladies and gentlemen our next prise goes to mr RED MOON

देखिए इनका नाम तो लालचंद है, लेकिन नए दौर को देखते हुए इन्होंने अपना नाम अंग्रेजी में ट्रांसलेट करके रेडमून कर लिया है। इनकी उपलब्धियों में डाकू चमेली फिल्म का गाना अपने होठों की खिला दे रसमलाई जैसे हिन्दी गीत हैं। संचालक आगे भी कुछ-कुछ बोलता जा रहा था, लेकिन हिन्दी के कानों से सिर्फ इतना ही सुनकर खून बहने लगा। आगे सुनने की शक्ति समाप्त होने लगी। उबकाई आने लगी तो समारोह छोड़कर बाहर आ गई और लम्बे-लम्बे सांस भरने लगी। सड़क पर एक चाय की दुकान पर रखे टीवी में एक नेताजी का इंटरव्यू चल रहा था। नेताजी कह रहे थे हम चाहते हैं कि स्कूलों में केवल हिन्दी ही पढ़ाई जाए। विदेशी फिल्में पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी जाएं। अगर हम सत्ता में आते हैं तो हम इसको पूरे देश में लागू कराएंगे। हिन्दी ने सोचा चलो कोई तो है स्वभाषा प्रेमी। जो भी हो नेताओं में अभी हिन्दी प्रेम सबसे ज्यादा है।

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई। अपनी छोटी बहन को सुनकर। मंत्री जी दक्षिण से थे। जवाब देने के लिए खड़े हो गए। मन उत्साहित हो उठा। वाह-वाह। अब दूसरी बहन से भी भेंट होगी, लेकिन मंत्री जी ने तो अंग्रेजी में बोलना शुरू कर दिया। हिन्दी की मुस्कराहट कुछ कम हो गई। मंत्री जी जवाब दे ही रहे थे कि एक दूसरे सदस्य खड़े हो गए और बोले मंत्री जी आप अंग्रेजी में जवाब क्यों दे रहे हैं। हिन्दी माता ने सर सम्मान से उठाकर देखा। मंत्री जी बोले फिर कैसे जवाब दूं। टोकने वाले एमपी साहब बोले अजी मलयालम में दीजिए। यह सुनकर सदन में ठहाका गूंजा। हिन्दी को लगा जैसे उसकी छोटी बहन का मजाक उड़ाने के लिए यह बात कही गई है। देखिए आप जानते हैं मुझे यह भाषा नहीं आती मंत्री जी ने जवाब दिया। कुछ सांसदों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। एक ने कहा मंत्री जी बात केवल हिन्दी में कीजिए। मंत्री जी बोले लगता है आपको हिन्दी की बीमारी लग गई है। यह शब्द सुनकर हिन्दी रोने लगी। संसद में हंगामा खड़ा हो गया। एक तरफ से आवाज आई। रास्कल, बास्टर्ड। दूसरी तरफ कोई चीखा। हरामी कुत्ते। पहली बार संसद पहुंचे एक नौजवान सांसद ने एक पुराने नेता से पूछा यह क्या हो रहा है जी?? क्या ये लोग भाषा के सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। जवाब मिला नहीं आज हमारा काम करने का मूड नहीं था। इसलिए हंगामा खड़ा किया है। इतने में संसद में जूते-माइक हवा में चलने लगे। एक सनसनाता माइक आया और दीवार पर टंगे हिन्दी भाषा राजभाषा के बोर्ड पर लगा। हिन्दी नीचे गिरकर बेहोश हो गई और कोमा में पहुंच गई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

उत्तराखंडी पकवान, व्यंजन स्वास्थ्य का खजाना

डा. जयंती प्रसाद नौटियाल

उत्तराखंड की संस्कृति भारत की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। उत्तराखंड में ज्ञान, विज्ञान, कला, संस्कृति तथा खानपान का एक समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन गढ़वाल से निरंतर हो रहे पलायन और आधुनिकता के परिणाम स्वरूप नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को भुलाती जा रही है और आज अपनी मूल संस्कृति से दूर होती जा रही है। यहां तक कि हमारे सामान्य रीति-रिवाज और परम्पराएं भी धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। इसलिए आज आवश्यक का इस बात की है कि हम अपनी इस प्राचीन ज्ञान परंपरा को सहेज कर रखें ताकि आने वाले समय में यह ज्ञान का लुप्त होने से बच जाए। इस प्राचीन ज्ञान को समेटते हुए ज्ञान का एक संचित कोष तैयार करना होगा ताकि हम अपने नई पीढ़ी को बता सकें की हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा और विरासत कितनी समृद्ध थी। यद्यपि यह संतोष का विषय है कि उत्तराखंड के साहित्यिक, सांस्कृतिक विषयों पर काफी कुछ लिखा जा रहा है लेकिन उत्तराखंड कि समृद्ध खान-पान कि परंपरा प्रायः लुप्त होने के कगार पर है। इस लुप्त होती ज्ञान परंपरा को सहेजने की एक श्रंखला के रूप में आज हम आपको उत्तराखंड के खान-पांच संबंधी पकवानों एवं व्यंजनों के बारे में बताने जा रहे हैं। उत्तराखंड के यह पकवान जहां स्वास्थ्य के लिए हितकर हैं वहीं स्वाद से भरपूर हैं। ये व्यंजन हमारे आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुरूप भी हैं। आपने यह देखा होगा की पहाड़ों में जो बुजुर्ग पुरुष या महिलाएं आपको दिखाई देगी वे जीवन के अंतिम समय तक सुंदर एवं कर्मठ रहते रहती हैं। उनके चेहरे पर लालिमा भरी आभा दिखाई देती है वृद्धावस्था में भी वे शक्ति की पुंज दिखाई देते हैं। इस स्वस्थ शरीर के पीछे उत्तराखंड के खान-पान का महत्व सर्वाधिक है साथ ही उत्तराखंड वासियों का प्रदूषण रहित पर्वत श्रंखलाओं में रहना, स्वछ जल और उनके संघर्षमय जीवन को और भी अधिक सक्रिय बना देता है। मैंने देखा है कि उत्तराखंड का भोजन परोसने वाले होटलों में भी बहुत ही सीमित प्रकार के उत्तराखंडी व्यंजन मिलते हैं। यद्यपि उनका यह प्रयास सराहनीय है , लेकिन इन होटेलों में भी केवल प्रचलित किस्म के ही पकवान परोसे जाते हैं। इसका कारण ही यह है कि उत्तराखंड के व्यंजनों के बारे में जन सामान्य की जानकारी बहुत कम होती जा रही है।

जहां तक उत्तरखंडी भोजन का स्वस्थ्य से संबंध है तो इस विषय मे आपको एक सच्ची घटना बताना छहता हूं। उत्तराखंड में उफल्डा नाम की सब्जी होती है। यह छोटी-छोटी पत्तियों की सब्जी होती है। यह भी उत्तराखंड के जंगलों में घास की तरह उगती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट और आंखों के लिए इतनी कारगर होती है कि यदि एक माह इसका सेवन कर लिया जाए तो आंखों की ज्योति इतनी बढ़ जाएगी की आपको कभी जीवन में चश्मा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके बारे में एक छोटी सी कहानी आपको बताना चाहूंगा एक बार एक अंग्रेज इस उफल्डा की पत्तियों की सब्जी अपने रसोइए से बनवाता था और रोज खाता था उसका खानसामा सब्जी बनाने से पहले जब पत्तियां निकाल लेता था तो उन डंठल अलग रख लेता था और बाद में उन डंठलों की सब्जी अपने लिए बना लेता था।

एक बार वह अंग्रेज के साथ शिकार पर गया अंग्रेज ने बहुत दूर सड़क में पड़े हुए एक मरे हुए हिरण को देखा। सामान्य लोगों उतनी दूर नहीं दिखाई दे सकता है, चूंकि अंग्रेजउफल्डा की सब्जी खाता था इसलिए वह इतनी दूर देख पाया।

इस अंग्रेज में अपने खानसामा से कहा जरा देखो तो सही मुझे काफी दूरी पर एक हिरण मारा हुआ दिख रहा है, क्या तुम्हें भी दिखाई दे रहा है? तब खानसामा (रसोइए) ने कहा वह मरा हुआ तो है ही साथ ही वह सड़ चुका है, क्योंकि उसके ऊपर मक्खियां और कीड़े रेंग रहे हैं। अंग्रेजी या सुनकर आश्चर्यचकित हुआ और इस तथ्य की सच्चाई जानने के लिए उसने कहा चलो वहां चलकर देखते हैं।

जब भी वहां पहुंचे तो देखते हैं की हिरण मरा हुआ है उस से दुर्गंध निकल रही है और छोटे-छोटे कीड़े और मक्खियां उसके ऊपर रेंग रहे हैं। उस अंग्रेज ने खानसामा से कहा कि तुम यह बताओ कि तुम्हारी नजर इतनी तेज कैसे हैं जो मैं नहीं देख पाया वह तुम कैसे देख पाए तब उस रसोइए ने कहा हुजूर जो सब्जी आप खाते हैं मैं उसके डंठल अपने लिए रख लेता हूं और उन डंठलों की सब्जी में खा लेता हूं क्योंकि मुझे मालूम था कि इस सब्जी में आंखों कि ज्योति को बढ़ाने कि क्षमता है। आइए हम आपको ले चलते हैं उत्तराखंड के उन व्यंजनों की ओर जो स्वास्थ्य का खजाना हैं। इनसे प्रौढ़ एवं बुजर्ग उत्तराखंड वासी तो शायद परिचित होंगे परंतु नई पीढ़ी इन व्यंजनो मे से अधिकांश व्यंजनों से परिचित नहीं होगी।

उत्तरखंडी मुख्य भोजन

उत्तराखंड में दाल, रोटी, सब्जी, पराठा, जैसे सामान्य व्यंजन तो खाए ही जाते हैं, साथ ही पंजाबी , गुजराती , दक्षिण भारतीय , बंगाली पकवान भी उत्तराखंड में प्रचलित हैं , लेकिन इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे विशिष्ट व्यंजन भी होते हैं जो आपको केवल उत्तराखंड में ही खाने को मिलेंगे। इनके बारे में संक्षिप्त जानकारी निम्नवत है-

नाश्ता

उत्तराखंड में नाश्ते में आधुनिक नाश्ते के सभी व्यंजन खाए जाते हैं। उत्तराखंड की विशेषता यह है की यहां के निवासी चाय के साथ परांठा या रोटी भी खा सकते है। चाय की मात्रा गिलास भर कर होती है। आजकल आचार, दही के साथ नाश्ते का प्रचलन है। पारंपरिक रूप में चाय , रोटी , सब्जी, परोठा , आचार और दही के साथ हरी मिर्च या भूट्वा मिर्च प्रचलित है इन आधुनिक पकवानो के अलावा उत्तराखंड में नाश्ते में निम्नलिखित विशिष्ट भोजन बनाए जाते हैं इनकी जानकारी अगले अंक में देंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाल हिंसा में मरने वालों को मिलेगा शहीद का दर्जा

अंतरिम पीएम बोलीं: पीड़ितों को 10 लाख का मुआवजा देंगे, मृतकों का आंकड़ा 72 हुआ

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि जेईएन-आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा। पीड़ितों के परिजनों को 10-10 लाख नेपाली रुपये का मुआवजा भी दिया जाएगा। नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या 72 हो गई है, इनमें 1 भारतीय महिला भी शामिल है।

कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ। कार्की बोलीं, हमें 6 महीने से ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहूंगी और नवनिर्वाचित संसद को अधिकार सौंप दूंगी। 12 सितम्बर को पीएम पद संभालने के बाद कार्की को नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। हिंसा के बाद नेपाल के तीन पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा और पुष्प कमल दहल प्रचंड बेघर हो गए हैं। जेईएन-प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को इनके घरों को फूंक डाला

■ कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया, नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ

था। फिलहाल ये सभी आर्मी के कैंपों में रह रहे हैं। इनके समर्थक अपने नेताओं के लिए किराए के मकान ढूंढने में जुटे हुए हैं। ये नेता कुछ दिन काठमांडू से बकिग्रार के किग्रारों जैसे पोखरा में रहना चकिग्राते हैं, ताकि फिर से जेईएन-के गुस्से का सामना नहीं करना पड़े। प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को प्रधानमंत्री ओली के घर में आग लगा दी थी। वहीं, पीएम बनने के बाद सुशीला कार्की मंत्रिमंडल बनाने पर काम कर रही हैं। काठमांडू पोस्ट के मुता. बिक, कार्की 15 से ज्यादा मंत्रियों के साथ एक मंत्रिमंडल बना सकती हैं। मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमान घीसिंग शामिल हैं। साथ ही डा. भगवान कोइराला, डा. संदुक रुइत, डा. जगदीश अग्रवाल और डा. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे लोगों के नामों पर विचार चल रहा है। जेन- के सदस्य भी इस फैसले में शामिल हो रहे हैं। इसके लिए वे ऑनलाइन वोटिंग का सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है। हालांकि इसे सोमवार तक के लिए टाला भी जा सकता है।

नेपाल के प्रमुख दलों को कार्की का नेतृत्व स्वीकार

काठमांडू। नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद राजनीतिक स्थिरता के साथ शांति और सामान्य जनजीवन बहाल होने लगा है। पूरे देश से कर्फ्यू हटा दिया गया है। सोमवार से सभी शिक्षण संस्थान भी खुल जाएंगे। नेपाली कांग्रेस समेत सभी प्रमुख दल कार्की सरकार को स्वीकार करते दिख रहे हैं, पर संसद भंग करने के फैसले का दलों ने कड़ा विरोध किया है। इसे असां. विधानिक, मनमाना और लोकतंत्र के लिए गंभीर झटका बताया है। नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और लो. कतांत्रिक समाजवादी पार्टी समेत आठ दलों ने साझा बयान में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा को भंग करने की आलोचना की है। उन्होंने इसे संविधान की भावना और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के विरुद्ध करार दिया। नेपाली कांग्रेस ने कहा कि इससे लोकतांत्रिक उपलब्धियां खतरे में पड़ जाएंगी। बयान में सभी दलों ने संसद का सत्र तत्काल बुलाने की मांग की है, ताकि लोगों एवं आंदोलनकारी समूहों की मांगों को पूरा किया जा सके।

मुंबई। भारत-पाकिस्तान एशिया कप क्रिकेट मैच के विरोध में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता अपने सिंदूर लगे हाथ दिखाते हुए।

जापान में एक लाख बुजुर्गों की आयु 100 से अधिक

टोक्यो। जापान में करीब 1 लाख लोगों ने 100 साल से ज्यादा की उम्र पूरी कर ली है। जापान के स्वास्थ्य मंत्री ताकामारो फुकोका ने शुक्रवार को बताया कि 87784 महिलाओं और 11979 पुरुषों की उम्र 100 साल से ज्यादा है। महिला और पुरुष को मिलाकर कुल 99763 बुजुर्ग 100 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं, जिसमें 88 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह देश की कुल आबादी 12.4 करोड़ का 0.81 प्रतिशत है। जापान ने लगातार 55वें साल यह रिकॉर्ड बनाया है। जापान में 15 सितम्बर को बुजुर्ग दिवस

■ 55वीं बार बनाया रिकॉर्ड, दुनिया की सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाला देश बना, बुजुर्ग दिवस आज

मनाया जाता है। इस दिन जापानी पीएम 100 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को बधाई पत्र और चांदी का गिलास देते है। इस बार 52310 बुजुर्गों को यह सम्मान दिया जाएगा। देश की सबसे बुजुर्ग महिला 114 साल की शिगेको कागावा हैं और सबसे बुजुर्ग पुरुष 111 साल के कियोताका मिजुनो हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो इजरायल पहुंचे

वाशिंगटन/यरूशेलम। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार को एक आधिकारिक यात्रा पर इज़रायल पहुंचे। रुबियो की यह यात्रा इजरायल के कतर की राजधानी दोहा में हमास नेताओं पर हवाई हमले के एक हफ्ते से भी कम समय के बाद हो रही है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के अनुसार वह और रुबियो रविवार को यरूशलेम में एक साथ वेस्टर्न वॉल का दौरा करेंगे। इजरायल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री के कार्यालय ने दोनों नेताओं के लिए औपचारिक कार्य बैठक के लिए योजना की घोषणा नहीं की। दोनों नेता गाजा में इज़रायल के अभियान के भविष्य पर तथा साथ ही वेस्ट बैंक को पूरी तरह से कब्जे की प्रस्तावित योजना पर भी चर्चा करेंगे।

इक्वाडोर: गोलीबारी में सात लोगों की मौत, तीन घायल

क्विटो। इक्वाडोर के सैंटो डोमिंगो डे लॉस त्साचिलास स्थित एक पूल हॉल में गोलीबा. री में कम से कम सात लोग मारे गये और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समाचार पत्र प्रिमिसियास की रिपोर्ट के अनुसार सैनिकों के वेश में एक वाहन में आए हमलावरों ने शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10:30 बजे नुएवो अमानेसर इलाके में स्थित पूल हॉल में ग्राहकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। गौरतलब है कि सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास प्रांत के एक पूल हॉल में एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी सामूहिक गोलीबारी थी। पुलिस ने बताया कि 17 अगस्त को इसी तरह के एक हमले में सात लोग मारे गए थे।

इक्वाडोर ने सरकारी मुख्यालय को लाताकुंगा स्थानांतरित किया

क्विटो। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने शनिवार को कार्यकारी शाखा के मुख्यालय को अस्थाई रूप से कोटोपैक्सी प्रांत की राजधानी लाताकुंगा शहर में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। नोबोआ ने एक आदेश में कहा कि इस कदम का उद्देश्य लोगों के करीब पहुंचना और ज़मीनी स्तर पर उनकी ज़रूरतों को पूरा करना है। आदेश में उप राष्ट्रपति मारिया जोस पिटो को अस्थाई रूप से उत्तरी इम्बाबुरा प्रांत के ओटावालो शहर से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है।

श्रीलंका में प्रांतीय चुनाव में अभी और देर

परिसीमन रिपोर्ट को संसद से मंजूरी के बाद ही होगी तैयारी

कोलंबो। श्रीलंका के नौ प्रांतों की परिषदों के लंबे समय से टलते आ रहे चुनाव जल्द होने की उम्मीद नहीं हैं। रविवार को श्रीलंका के चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये चुनाव तभी कराए जा सकते हैं, जब संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को अपनाए।

■ चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है
■ श्रीलंका में1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं

पिछले हफ्ते जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक के दौरान इन चुनावों को जल्द कराने की अपील की गई थी। चुनाव आयोग के महानिदेशक समन रत्नायके ने रविवार को मीडिया से कहा कि जब तक संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करती, तब तक चुनाव नहीं कराए जा सकते। उन्होंने कहा कि जैसे ही संसद जरूरी बदलावों को मंजूरी देगी, आयोग चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है। 2017 में एक नया कानून लाया गया था, जिसमें आनुपातिक प्रतिनिधित्व और फर्स्ट पास्ट द पोस्ट दोनों प्रणाली अपनाई गई। लेकिन उस कानून के तहत परिसीमन समिति की रिपोर्ट को कभी संसद में पेश नहीं किया गया। जब तक इस रिपोर्ट को संसद से मंजूरी नहीं मिलती, तब तक चुनाव नहीं हो सके। श्रीलंका में1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं। लेकिन अब कई राजनीतिक दल बिना परिसीमन के पुराने तरीके में लौटने की मांग कर रहे हैं।

यूएनएचआरसी की बैठक में भारत ने भी अपना पक्ष दोहराया और कहा कि श्रीलंका को जल्द प्रांतीय चुनाव कराने चाहिए। भारत की प्रतिनिधि अनुपमा सिंह ने जिनेवा में कहा, भारत लगातार यह कहता आया है कि श्रीलंका को अपने संविधान को पूरी तरह और प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए और प्रांत की परिषदों के चुनाव जल्द से जल्द कराने चाहिए और राजनीतिक शक्ति का अर्थपूर्ण विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए।

इमरान की गिरफ्तारी का मामला यूएन पहुंचा

मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की कानूनी टीम ने उनकी हिरासत में हो रहे कथित मानवाधिक. ार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की है। टीम ने यूएन के टॉर्चर पर विशेष प्रतिवेदक के समक्ष अपील दाखिल की है।

इसमें दावा किया गया है कि खान को जिस तरह कैद में रखा जा रहा है, वह न केवल अमानवीय है, बल्कि पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन भी है। पाकिस्तान की मीडिया की रिपोर्ट के मुता. बिक, यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है। इसमें कहा गया है कि खान के साथ व्यवस्थित तरीके से बुरा व्यवहार किया जा रहा है। अपील में एक पैटर्न का जिक्र है, जिसमें लंबे समय तक एकांत कारावास, चिकित्सा सुविधाओं से वंचित करना, दूषित भोजन देना और वकीलों व परिवार से मिलने पर पाबंदी शामिल है। खान की कानूनी टीम ने कहा कि

■ पाक की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है

इन हालातों से पाकिस्तान ने जिस 'कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर' (कैट) और 'इंटरनेशनल कॉवेनेंट ऑन सिविल एंड पॉलिटिकल राइट्स' (आईसीसीपीआर) पर हस्ताक्षर किए हैं, उनका उल्लंघन होता है। टीम का कहना है कि यह सीधा-सीधा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की धज्जियां उड़ाने जैसा है। इस अपील में शामिल बयान में इमरान खान के बेटे सुलेमान खान ने कहा कि उनके पिता को जिन परिस्थितियों में रखा गया है, वे किसी भी इंसान के लिए असहनीय हैं। उन्होंने इसे सीधा-सीधा यातना करार दिया। वहीं, उनके दूसरे बेटे कासिम खान ने कहा कि यूएन पहले ही मान चुका है कि इमरान खान की गिरफ्तारी अवैध है। अब उन्हें जिस तरह से तोड़ने की कोशिश हो रही है, वह उनकी हिम्मत नहीं तोड़ पाएगी। इमरान खान के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सलाहकार जुल्फी बुखारी ने कहा कि यह अपील खान की दृढ़ता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि खान अवैध कैद और अपमानजनक बर्ताव झेल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वे साहस और शांतिपूर्ण प्रति. रोध का प्रतीक बने हुए हैं। खान की टीम ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि वह पाकिस्तान सरकार पर दबाव बनाए ताकि इमरान खान की शारीरिक और मानसिक स्थिति सुरक्षित रहे।

मैड्रिड वार्ता से पहले चीन का बड़ा एक्शन

अमेरिका की चिप कंपनियों पर शुरू की जांच, बढ़ा दोनों के बीच व्यापारिक तनाव

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के साथ टैरिफ, व्यापार और सुरक्षा को लेकर चल रहे तनाव की बीच एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत चीन ने अमेरिका की सेमीकंडक्टर (चिप) कंपनियों के खिलाफ दो बड़ी जांचें शुरू कर दी हैं। ये कदम स्पेन के मैड्रिड में होने वाली अहम बातचीत से ठीक पहले उठाया गया है। मामले में चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आयात की जाने वाली कुछ एनालाग चिप्स (जैसे कि इंटरफेस और गेट ड्राइवर चिप्स) पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की गई है।

ये चिप्स टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और ऑन सेमीकंडक्टर जैसी अमेरिकी कंपनियां बनाती हैं। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका द्वारा चीन की चिप इंडस्ट्री के खिलाफ भेदभावपूर्ण रवैये की भी जांच शुरू की है। बता दें कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब अमे. रिका ने शुक्रवार को 23 चीनी कंपनियों को एंटिटी लिस्ट में शामिल कर लिया है, जिन पर अमेरिका के सुरक्षा और

■ इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं
■ बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था

विदेश नीति हितों के खिलाफ काम करने का आरोप है। इस सूची में चीन की प्रमुख चिप कंपनी (एसएमआईसी) के लिए उपकरण खरीदने वाली दो कंपनियां भी शामिल हैं। मैड्रिड में रविवार से बुधवार के बीच अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेन्ट और चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग के बीच बात. चीत होगी। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच चल रही चर्चाओं की एक कड़ी है, जिनका मकसद ट्रेड वार को टालना और आपसी संतुलन बनाना है। इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं। हालांकि अब तक कई बार 90 दिनों के लिए नई टैरिफ (आयात शुल्क) रो. कने पर सहमति बनी है। वहीं बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था। उन्होंने कहा था कि हमें सिर्फ कुछ रणनीतिक इंडस्ट्रीज जैसे रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर और दवाओं में जोखिम कम करने की जरूरत है। हम दोनों देश इस दिशा में साथ मिलकर काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन दोनों ने चीन की उन्नत चिप टेक्नोलाजी पर कड़ी पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें चिप बनाने वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक भी शामिल है।

खैबर पख्तूनख्वा में 19 सैनिकों की मौत, 45 आतंकी मार गिराए

इस्लामाबाद/पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच झड़पों में कम से कम 19 सैनिक और 45 आतंकी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री किग्राबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, 10 से 13 सितम्बर के बीच खैबर पख्तूनख्वा के तीन अलग-अलग हिस्सों में हुई झड़पों में कम से कम 45 आतंकियों को ढेर किया गया। प्रधानमंत्री शकिग्राबाज शरीफ ने सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बन्नू का दौरा किया और आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का पूरी ताकत से जवाब देना जारी रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की अस्पष्टता या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीएम शरीफ ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में हो रहे हमलों के पीछे बैठे आतंकी सरगना और उनके मद्दगार अफगानिस्तान की जमीन से काम कर रहे हैं। शरीफ ने दावा किया कि कई आतंकी वारदातों में अफगान नागरिकों की संलिप्तता पाई गई है।

डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन

स्लोवेनिया। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत टैरिफ करने की चेतावनी दी थी।

ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रम्प की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100 प्रतिशत टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं। स्लोवेनिया में वहां

■ कहा: चीन किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं

की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में वांग ई ने अमे. रिकी चेतावनी का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है। चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनी. तिक समाधान को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंध और टैरिफ से हालात नहीं सुधरते, बल्कि और उलझते हैं। इसके साथ ही वांग ई ने कहा कि चीन और यूरोप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को साथ मिलकर सुरक्षित रखने की बात कही।

यूक्रेन का रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला

मास्को। यूक्रेन के ड्रोन हमलों ने रूस की एक सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे वहां आग लग गई। रूसी अधिका. रियों और यूक्रेनी सेना ने यह जानकारी दी। यह हमला रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित कीरीशी रिफाइनरी पर किया गया। यह वही रिफाइनरी है, जिसे पिछले कई हफ्तों से यूक्रेन रूसी तेल ढांचे पर हो रहे हमलों की कड़ी में देख रहा है। यूक्रेन का कहना है कि तेल आपूर्ति से रूस की युद्ध क्षमता को ताकत मिल रही है, इसलिए ऐसे ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.77 करोड़ मीट्रिक टन या करीब 3.55 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के मुताबिक, वहां कई धमाकों और आग की सूचना मिली। उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें रात के अंधेरे में आग की लपटें और धुएं के गुबार दिखाई दे रहे हैं। लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर डोजडेनको ने कहा कि कीरीशी इलाके में तीन ड्रोन को मार गिराया गया, लेकिन उनके गिरने से रिफाइनरी में आग लग गई।

लंदन में अवैध प्रवासी मुद्दे पर प्रदर्शन, 1 लाख लोग जुटे

मस्क भी जुड़े, कहा: लड़ो या मरो, प्रोटेस्ट के समय पीएम कीर स्टार्मर फुटबॉल मैच देख रहे थे

लंदन। ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों की बढ़ती आबादी के खिलाफ लंदन में प्रदर्शन हुआ। इसमें 1 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए।

इस प्रोटेस्ट को 'यूनाइट द किंगडम' नाम दिया गया, जिसे एंटी-इमिग्रेशन नेता टामी राबिन्सन ने लीड किया। इसे देश की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। इस प्रदर्शन में टेस्ला मालिक इलान मस्क वीडियो के जरिए शामिल हुए। मीडिया चैनल 'द इंडिपेंडेंट' के मुताबिक उन्होंने टामी राबिन्सन से बात की। मस्क ने कहा कि हिंसा तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो। मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि सरकार बदलनी होगी। वही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर उस वक्त फुटबाल मैच देख रहे थे। वे अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में थे, जब किग्रार में हिंसा हो रही थी। इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध अप्रवा. सन (इलीगल इमीग्रेशन) के खिलाफ आवाज उठाना था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि अवैध प्रवासियों को देश से बकिग्रार किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों में ब्रिटेन पहुंचे थ इसी दिन 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' नामक एक विरा. धी प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5000 लोग शामिल थे। दोनों समूहों के बीच टकराव रो. कने के लिए पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। मेट्रोपालिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि 'यूनाइट द किंगडम' मार्च के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का घेरा तोड़ने की कोशिश की और विरा. धी समूह की ओर बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 1600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें 500 अन्य क्षेत्रों से बुलाए गए थे।

धामी बने सबसे लंबे कार्यकाल वाले भाजपाई मुख्यमंत्री

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री हैं, और दोबारा निर्वाचित होने वाले पहले मुख्यमंत्री भी। पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड राज्य के अब तक के बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों में सबसे लंबा कार्यकाल पूरा करने वाले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। वे पहली बार 04 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री बने थे और तब से लगातार दूसरी बार 2022 में चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद पर रहकर राज्य के लिए काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में उत्तराखंड एक निर्णायक मोड़ पर है, जहाँ तेज गति से निर्णय, डिजिटल परिवर्तन और जनता से सीधा संवाद प्राथमिकता में हैं।

धामी के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां:

विकास योजनाएं: उत्तराखंड वैश्विक निवेश सम्मेलन (2023): जिसमें रु. 3 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्रस्ताव आए। जिसमें एक लाख करोड़ रुपये की निवेश की ग्राउंडिंग करने की उपलब्धि भी हासिल कर ली है। विकासनगर-यमुनोत्री टनल, घनानंद-मसूरी सुरंग, और चारधाम कनेक्टिविटी जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स भी अहम उपलब्धी है।

कानून-व्यवस्था सुधार: यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) को लागू करने वाला पहला भाजपा-शासित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर। महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति और युवाओं में अपराध नियंत्रण को लेकर कई ठोस कदम। अवैध धर्मांतरण रोकने वाला कानून, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए कानून, भू-कानून जैसी कई उपलब्धियां हासिल की।

नेतृत्व में विश्वास और विकास का समर्पण एकजुट होकर आगे बढ़ें

युवाओं के लिए रोजगार: पारदर्शी नौकरी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई और नकल विरोधी नया कानून। 24 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं।

डिजिटल उत्तराखंड: e-Governance को बढ़ावा, डिजिटल हेल्थ कार्ड, ऑनलाइन भूमि रजिस्ट्रेशन, e-FIR सुविधा का विस्तार। **आपदा प्रबंधन:** जोशीमठ भू-धसाव, मानसून आपदाओं जैसे मामलों में तुरंत प्रतिक्रिया, पुनर्वास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया। आपदा बचाव एवं राहत कार्यों में तीव्रता के लिए प्रबंधन तंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य।

उत्तराखंड की यह रजत जयंती यात्रा संघर्ष, संकल्प और सफलता का प्रतीक है। यह राज्य हिमालय की ऊंचाइयों जैसा अडिग, गंगा की धारा जैसा प्रवाही और अपनी सांस्कृतिक विरासत जैसा गहराई लिए हुए है। इसी तरह शाह टाइम्स भी इन 25 वर्षों में न केवल समाचार जगत का स्तंभ बना रहा, बल्कि राज्य के विकास में जन-जागरूकता, पारदर्शिता और पत्रकारिता की भूमिका को सशक्त बनाता रहा। रजत जयंती के इस विशेष अवसर पर यह आवश्यक है कि हम अतीत की उपलब्धियों से प्रेरणा एवं सीख लें, वर्तमान में पूरी शक्ति लगाएं, और भविष्य को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें।

भविष्य की दिशा: हरित विकास मॉडल: जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की रणनीति पर कार्य। ग्राम्य विकास: स्वरोजगार, ग्रामीण पर्यटन, कुटीर उद्योग और महिला स्वयं सहायता समूहों को और अधिक सशक्त बनाना। शिक्षा और तकनीकी कौशल: युवाओं को हाई-टेक स्किल्स के लिए तैयार करना।

उत्तराखंड @25 yrs पहाड़ों से प्रगति तक की एक रजत यात्रा

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड, भारत का 27वां राज्य, 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर अस्तित्व में आया। हिमालय की गोद में बसे इस राज्य का जन्म एक जन आंदोलन से हुआ था, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए पृथक राज्य की मांग की गई थी। 25 वर्षों में

उत्तराखंड ने खुद को एक प्रगतिशील, पर्यावरण-संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित किया है। इसी तरह, इस वर्ष दैनिक शाह टाइम्स भी अपनी रजत जयंती मना रहा है। जो उत्तराखंड के साथ-साथ बढ़ता रहा, राज्य के हर पड़ाव का साक्षी बना। उत्तराखंड ने अपने गठन के बाद राजनीतिक अस्थिरता के कई दौर देखे। कई बार मुख्यमंत्रित्व में अस्थिरता आई, परन्तु हर मुख्यमंत्री ने अपनी समझ और दृष्टिकोण के अनुसार राज्य के विकास में योगदान देने का प्रयास किया।

अवसंरचना विकास

राज्य गठन के बाद सबसे बड़ी चुनौती थी। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना। सड़कों, पुलों, जल-विद्युत परियोजनाओं, और ग्रामीण संपर्क मार्गों में निरंतर विकास हुआ है। आज लगभग हर ब्लॉक मोटर सड़कों से जुड़ा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य

राज्य बनने के बाद स्कूल, इंटरमीडियट कॉलेज और तकनीकी संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चिकित्सा के क्षेत्र में एम्स ऋषिकेश, कई मेडिकल कॉलेज और टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरुआत की गई।

पर्यटन और तीर्थाटन

उत्तराखंड का सबसे बड़ा प्राकृतिक संसाधन है। उसका आध्यात्मिक व प्राकृतिक पर्यटन। चारधाम यात्रा, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी जैसे स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का कार्य हुआ। चारधाम ऑल वेदर रोड और हेली सेवा जैसी योजनाएं राज्य के राजस्व और रोजगार को सशक्त बना रही हैं।

कृषि व पलायन पर नियंत्रण

कृषि विविधीकरण, जैविक खेती और बागवानी को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए। "रिवर्स पलायन" को संभव बनाने के लिए होम स्टे नीति, वोकल फॉर लोकल जैसी योजनाएं लाई गईं।

अब तक 11 मुख्यमंत्रियों ने संभाली बागडोर

नित्यानंद स्वामी
9 नवम्बर 2000 – 29 अक्टूबर 2001

भगत सिंह कोश्यारी
30 अक्टूबर 20011–मार्च 2002

नारायण दत्त तिवारी
2 मार्च 2002–7 मार्च 2007

भुवन चंद्र खंडूरी
7 मार्च 2007–26 जून 2009

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
27 जून 2009 –10 सितम्बर 2011

भुवन चंद्र खंडूरी (द्वितीय)
11 सितम्बर 2011–12 मार्च 2012

विजय बहुगुणा
13 मार्च 2012 –31 जनवरी 2014

हरीश रावत
1 फरवरी 2014–18 मार्च 2017

त्रिवेन्द्र सिंह रावत
18 मार्च 2017–10 मार्च 2021

तीरथ सिंह रावत 10 मार्च 2021–4 जुलाई 2021

DOON VALLEY INTERNATIONAL SCHOOL
SCHOOL REWARD CATEGORY A+ By CBSE

ADMISSION OPEN 2025-26
Pre-Play Group To XII TH

We Believe...
SCHOOLS ARE JOYFUL PLACES FOR LEARNING !!

Science | Commerce
Humanities

WHAT MAKES US UNIQUE AS WE PROMOTE
- CCTV Surveillance.
- Ideal Teacher Student Ratio.
- Well Equipped Laboratories.
- Experienced And Creative Staff.
- Secure And Hygienic Environment.
- Indoor & Outdoor Games Facilities.
- Separate Activity Zone For Play Group.
- Holistic Approach With Stress Free Education.
- Transport Facility Available with GPS Tracker Throughout The City.
- Oriented Learning With Aptitude and Reasoning
- Skill Based Learning on Coding, Thinking and Designing
- Imparting Robotics Education with AI Tools

CAMPUS:
THAKURPUR, PREMNAGAR, DEHRADUN
(Affiliated To CBSE, Affiliation No.-3530523)
+91-7409974040, +91-9389487399
dvinternationalschool@gmail.com
www.dvis.in

CAMPUS:
LANGHA ROAD, SAHASPUR, DEHRADUN
(Affiliated To CBSE, Affiliation No.-3530666)
+91- 8266895242, +91- 8791936677
dvinternationalschool2021@gmail.com
www.dvislangha.in

उत्तराखंड की आर्थिक यात्रा

@25 वर्षों में आत्मनिर्भरता की ओर

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य अस्तित्व में आया था, तब न तो राज्य पास संसाधनों की भरमार थी, न ही आर्थिक शक्ति का कोई विस्तृत आधार। एक सीमांत राज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू करते हुए उत्तराखंड ने इन 25 वर्षों में जिस प्रकार आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक मोर्चों पर तरक्की की है, वह न केवल प्रेरक है बल्कि देश के अन्य नवगठित राज्यों के लिए एक मिसाल भी बन चुकी है।

राज्य गठन के समय की आर्थिक स्थिति

उत्तराखंड राज्य के गठन के समय वार्षिक बजट लगभग 4,500 करोड़ रुपये के आसपास था। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) मात्रा 14,501 करोड़ रुपये थी, और प्रति व्यक्ति आय लगभग 15,285 रुपये थी। यह वह दौर था जब बुनियादी ढांचे की कमी, सीमित औद्योगिक गतिविधियां और संसाधनों का अभाव था। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पहाड़ी इलाकों में सीमित पहुंच में थीं।

2025-26 का आर्थिक परिदृश्य

वर्तमान में उत्तराखंड का कुल वार्षिक बजट 1,01,175.33 करोड़ तक पहुंच चुका है। यह 25 वर्षों में राज्य के बजट में लगभग 22 गुना वृद्धि को दर्शाता है। राज्य की अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) 4,29,308 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है। वहीं प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2,95,751 रुपये तक पहुंच गई है।

लक्ष्यः आत्मनिर्भर और समावेशी उत्तराखंड

उत्तराखंड सरकार ने 2027 तक राज्य की जीडीपी को दोगुना करने और प्रति व्यक्तिगत आय को 5 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए आधारभूत ढांचे में निवेश, पर्यटन को वैश्विक स्तर पर ले जाना, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना, और हर गांव तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचाना प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। उत्तराखंड की 25 वर्षों की आर्थिक यात्रा एक ऐसे राज्य की कहानी है जिसने सीमित संसाधनों से शुरुआत कर आज आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। यह न केवल आंकड़ों की सफलता है, बल्कि जनभागीदारी, दूरदर्शिता और सतत विकास की नीति का प्रतिफल है। आज जब उत्तराखंड अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है, यह लेख उस आर्थिक यात्रा का साक्षी है जो कठिनाइयों के बावजूद निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रही। यह वही उत्तराखंड है जो आज ना केवल पर्वतों का प्रहरी है, बल्कि आर्थिक समृद्धि की चोटी की ओर भी अग्रसर है।

चुनौतियों के बीच संतुलित अर्थव्यवस्था

उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं से जूझता रहा है– उत्तरकाशी एवं चमोली की आपदाएं हों, चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो या बाद की वर्षा व भूस्खलन की अनगिनत घटनाएं, लेकिन इन सभी आपदाओं के बावजूद राज्य ने विकास की रफ्तार थमने नहीं दी है। वर्ष 2025-26 के बजट में राजस्व अधिशेष का होना यह दर्शाता है कि राज्य संतुलित वित्तीय अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। साथ ही, वित्तीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में नियंत्रित रखा गया है।

तुलनात्मक आर्थिक तालिकाः उत्तराखंड 2000 बनाम 2025

आर्थिक मानक	वर्ष 2000	वर्ष 2025-26 (अनुमानित)
वार्षिक बजट	4,500 करोड़	1,01,175.33 करोड़
राज्य की GSDP	14,501 करोड़	4,29,308 करोड़
प्रति व्यक्ति आय	15,285 रुपये	2,95,751 रुपये
वित्तीय घाटा		12,604.92 करोड़
राजस्व अधिशेष		2,585.89 करोड़

आर्थिक नीतियों व योजनाओं का योगदान

उत्तराखंड की सरकारों ने बीते दो दशकों में पर्यटन, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास और औद्योगिक निवेश के क्षेत्रों में विशेष योजनाएं लागू कीं। विशेषकर चारधाम यात्रा, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स, ऑर्गेनिक खेती और महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रमों ने राज्य को आर्थिक मजबूती दी। राज्य की भौगोलिक विषमताओं के बावजूद, योजनाएं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढाली गईं। यही कारण है कि पहाड़ों में अब सड़कें, बिजली, पेयजल और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सुधार स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

देवभूमि: पर्वतों की गोद से बहती शिक्षा की धारा

'ज्ञान की गंगा' बनकर भारत के भविष्य को सिंचित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखंड, जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, सदियों से आस्था, प्रकृति और संस्कृति का केंद्र रहा है। पिछले 25 वर्षों में इस पर्वतीय राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह किसी भी प्रगतिशील राज्य के लिए प्रेरणास्पद है। ब्रिटिश काल में जहां मसूरी, नैनीताल, अल्मोड़ा, देहरादून और रुड़की जैसे शहर शिक्षा के केंद्र बने, वहीं उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद उच्च शिक्षा, कोचिंग, अनुसंधान और सैन्य प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में जबरदस्त विकास हुआ। आज उत्तराखंड भारत में शिक्षा के सबसे मजबूत केंद्रों में से एक बन चुका है, यहां के स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक, देश के भविष्य को गढ़ने वाले छात्र तैयार हो रहे हैं। यहां के पारंपरिक बोर्डिंग स्कूलों से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और कोचिंग सेंटरों तक, यह राज्य अब भारत के युवाओं के लिए एक आशा की किरण बन चुका है। पर्वतों की गोद में पला-बढ़ा यह राज्य अब केवल पर्यटन या तीर्थाटन के लिए नहीं जाना जाता, बल्कि शिक्षा के नए तीर्थ के रूप में भी पहचान बना चुका है।

मौहम्मद शाह नजर

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उत्तराखंड का उभार

पिछले दो दशक में उत्तराखंड के कई शहर खासकर देहरादून, हल्द्वानी, रुड़की, और हरिद्वार प्रतियोगी परीक्षाओं के मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित हुए हैं। यहां खुले कोचिंग संस्थान युवाओं के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरे हैं। यह पहर कोचिंग का हब बन गये है, अब छात्र दिल्ली और कोटा के स्थान पर देहरादून, हल्द्वानी में रह कर कोचिंग करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आईएएस, पीसीएस, नीट, जेईई के लिए देशभर के छात्र यहां आकर तैयारी करते हैं। यही नही एनडीए, सीडीएस, और एएफसीएटी के लिए यहां विशेष संस्थान हैं जो छात्रों को फिजिकल से लेकर इंटरव्यू तक की तैयारी कराते हैं। आईएएस, पीसीएस और पीसीएस जे जैसी प्रशासनिक सेवाओं के लिए भी यहा प्रयाग आईएएस अकादमी जैसे विशेष कोचिंग सेंटर स्थापित हुए हैं। यहा आकाष, एलन, बलूनी कोचिंग सेंटर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन शहरों में छात्रों के लिए छात्रावास, पुस्तकालय, कैफे, साइलेंट जोन, स्मार्ट क्लासरूम और साइंस लैब्स जैसे संसाधनों में तेजी से सुधार हुआ है।

ब्रिटिश काल से ही शिक्षा का केंद्र रहा दून

ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तराखंड के शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य ने अंग्रेजों को आकर्षित किया, जिससे यह क्षेत्र शिक्षा के लिए आदर्श माना गया। कई प्रमुख स्कूल इसी काल में स्थापित हुए, जिनमें आज भी गुणवत्ता की परंपरा कायम है। सतीश संजन दास की और से 1935 में स्थापित दून स्कूल भारत के जाने-माने निजी/स्वतंत्र विद्यालयों मे से एक है। इस विद्यालय का उद्देश्य युवा भारतीयों को एक उदारवादी शिक्षा प्रदान करना है, जिससे उनमें धर्मनिरपेक्षता, अनुशासन और समानता के सिद्धांतों के प्रति आदर भाव जागे। दून स्कूल केवल भारत ही नहीं, बल्कि एशिया के सर्वश्रेष्ठ बोर्डिंग स्कूलों में गिना जाता है। इसे 'भारत का ईटन' कहा जाता है। यहां से निकले छात्र देश-विदेश में राजनीति, साहित्य, सेना, व्यापार और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राजीव गांधी, रामचंद्र गुहा और विक्रम सेठ जैसे कई प्रसिद्ध नाम इस स्कूल से जुड़े हैं। वेल्हम बॉयज और गर्ल्स स्कूल, दून स्कूल के समान ही, वेल्हम स्कूल्स ने भी लड़कों और लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जीवन मूल्य प्रदान किए हैं। ये स्कूल अनुशासन, सौम्यता और आधुनिकता का संगम हैं। शेरवुड कॉलेज, नैनीताल की स्थापना 1869 में हुई। नैनीताल स्थित यह स्कूल उत्तर भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों में से है। इसकी स्थापत्य भव्यता, अनुशासन और पाठ्यक्रम का संतुलन इसे विशेष बनाता है। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और सुपर स्टार अभिनेता अमिताभ बच्चन जैसे व्यक्तित्व यहीं से निकले हैं। सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल की स्थानप 1966 में हुई।यह स्कूल भारतीय सेना के लिए भविष्य के अधिकारी तैयार करता है। गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को अफसर बनने का सुनहरा अवसर देता है। यह स्कूल केवल एक संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। इसके अलावा प्रदेष भर में स्कूली षिक्षा के हजारों केंद्र छात्रों का भविश्य संवार रहें हैं।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का जाल

उत्तराखंड में उच्च शिक्षा का विस्तार उत्तराखंड राज्य गठन के बाद तेजी से हुआ। आज यहां दर्जनों नीजी विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं जो हर क्षेत्र में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वहीं,सरकारी शिक्षण केंद्र भी भविष्य संवार रहे हैं। आज उत्तराखंड में दर्जनों विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं। जीबी पंत विवि का मतलब गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है, जो भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना 1960 में उत्तर प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के नाम से हुई थी, जिसका बाद में नाम बदलकर गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय कर दिया गया। इसे भारत में हरित क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसका उद्घाटन 17 नवंबर, 1960 में किया था। इसका नाम भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी गोविन्द बल्लभ पंत के नाम पर रखा गया है। यह भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सफल साझेदारी का प्रतीक है। कुमाऊं विष्वविद्यालय, नैनीताल, 1973 में स्थापित यह विष्वविद्यालय कुमाऊं क्षेत्र के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का बड़ा केंद्र है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विष्वविद्यालय, श्रीनगर, एक केंद्रीय विष्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त यह संस्थान गढ़वाल क्षेत्र के शैक्षणिक और शोध गतिविधियों का केंद्र है। उत्तराखंड तकनीकी विष्वविद्यालय (अब वीर माधो सिंह भंडारी टेक्निकल यूनिवर्सिटी) यह विष्वविद्यालय इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराता है, जिससे सैकड़ों कॉलेज संबद्ध है। दून विष्वविद्यालय,देहरादून में स्थित यह राज्य सरकार का विष्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान, भाषा, पर्यावरण और मीडिया जैसे क्षेत्रों में शिक्षा और शोध कार्य करता है। इसके अलावा श्री देव सुमन उत्तराखंड विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आवासीय विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड बागवानी और वानिकी विष्वविद्यालय, सोबन सिंह जीना विष्वविद्यालय हेमवती नन्दन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विष्वविद्यालय आदि उत्तराखण्ड का गौरव बढ़ा रहें है।

निजी विश्वविद्यालयों का भी अहम योगदान

उत्तराखण्ड में सरकारी षिक्षण संस्थानों के साथ-साथ नीजी षिक्षण संस्थान भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस), दून ग्रप ऑफ कालेजेज देहरादून, एमीटी यूनिवर्सिटी देहरादून, आईएमएस विश्वविद्यालय देहरादून, श्री गुरू राम राय विष्वविद्यालय देहरादून, ईकफाई विष्वविद्यालय देहरादून, स्वामी राम हिमालयन विष्वविद्यालय देहरादून, उत्तरांचल यूनिवर्सिटी देहरादून, सरदार भगवान सिंह विष्वविद्यालय देहरादून, हिमगिरि जी विश्वविद्यालय देहरादून, रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय देहरादून, हिमालयीय विश्वविद्यालय डोईवाला देहरादून, देवभूमि उत्तराखण्ड विष्वविद्यालय देहरादून, पतंजलि विष्वविद्यालय हरिद्वार, देव संस्कृति विष्वविद्यालय हरिद्वार, क्वांटम विष्वविद्यालय रूड़की, मदरहुड विष्वविद्यालय रुड़की, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एड टैक्नोलॉजी रूडकी,हिमालयन गढ़वाल विष्वविद्यालय पोखड़ा, भगवन्त ग्लोबल विष्वविद्यालय कोटद्वार, सुरजमल विश्वविद्यालय किच्छा, कोर विष्वविद्यालय रुड़की आदि शामिल है। ये विष्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा, वैष्विक एक्सपोजर और प्लेसमेंट के लिहाज से अहम भूमिका निभा रहें हैं।

तकनीकी व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड स्कूली शिक्षा ही नही तकनीकी और उच्च षिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहा आईआईटी, आईआईएम से लेकर विष्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों की बड़ी तादात यह साबित करने के प्रयाप्त है कि प्रदेष अब उच्च षिक्षा के क्षेत्र में नये अयाम स्थापित करने की दिषा में अग्रसर है। आईआईटी रुड़की: आईआईटी रुड़की का इतिहास भारतीय इंजीनियरिंग शिक्षा के इतिहास से जुड़ा है। पहले थॉमसन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था, यह एशिया का सबसे पुराना तकनीकी संस्थान है। स्वतंत्रता के बाद इसे यूनिवर्सिटी ऑफ रुड़की और फिर 2001 में आईआईटी का दर्जा मिला। यह संस्थान सिविल इंजीनियरिंग, जल संसाधन, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। यहाँ से निकले अभियंता देश-विदेश की बड़ी कंपनियों और सरकारी संगठनों में नेतृत्व कर रहे हैं। इंडियन मिलिट्री अकादमी (आईएमए) देहरादून की स्थापना 1932 में हुई। आईएमए भारत की सेना के लिए अफसर तैयार करने वाला प्रमुख संस्थान है। इस अकादमी से अब तक हजारों सैन्य अधिकारी निकल चुके हैं जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा की है। आईएमए केवल प्रशिक्षण नहीं देता, बल्कि यह नेतृत्व, साहस और समर्पण का प्रतीक है, यहा देष के साथ-साथ मित्र देषों के सैनिकों को भी प्रषिक्षण दिया जाता है। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआइ), देहरादून वन अनुसंधान और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत यह संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इसकी भव्य इमारत और परिसर इसे एक आकर्षक शैक्षणिक केंद्र बनाते हैं। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया यह संस्थान वन्यजीव अनुसंधान, संरक्षण और जैव विविधता पर कार्य करता है। दुनियाभर के शोधार्थी यहां अध्ययन और फील्ड वर्क के लिए आते हैं। वहीं, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, भारत सरकार द्वारा 2011 में स्थापित दूसरी पीढ़ी का आईआईएम है। यह नवीन शिक्षण विधियों का उपयोग करके, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देकर और स्थायी नेतृत्व का अभ्यास करके प्रबंधन के क्षेत्र में नाम स्थापित कर रहा है, इन षिक्षण संस्थानों का लाभ उत्तराखण्ड ही नही देष-दुनिया के छात्र उठा रहे हैं।

DOON GROUP OF COLLEGES
DEHRADUN
AFFILIATED TO: HNB GARHWAL CENTRAL UNIVERSITY, SDS UNIVERSITY
NAAC GRADE A
26 Years OF ACADEMIC EXCELLENCE
NORTH INDIA'S BEST & OLDEST AGRICULTURE & PARAMEDICAL INSTITUTE
ADMISSION OPEN 2025-26
Awarded the Best Academic Excellence by Hon. MHRD Minister
Awarded the Best Agriculture College by Hon. Agriculture Minister
COURSES OFFERED
AGRICULTURE
PARAMEDICAL
FORESTRY
HORTICULTURE
FISHERIES SCIENCE
FOOD TECHNOLOGY
CHEMISTRY
MANAGEMENT
B.Ed. BBA
COMPUTER SCIENCE
ENVIRONMENTAL SCIENCE
BOTANY ZOOLOGY
D. PHARMA
and many more...
Admission Helpline:
+91-7017809991, +91-9548001418, +91-9837008360
28 Chakrata Road, Behind Bindal Petrol Pump Dehradun
For more information visit:
www.dpmc.in

उत्तराखंड : शिखर की ओर

निवेश संबंधी पहल से निखर रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025: निवेश और विकास का नया युग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सक्षम मार्गदर्शन में राज्य ने हाल ही में रुद्रपुर में भव्य निवेश उत्सव- 2025 का आयोजन कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने की सफलता का उत्सव मनाया गया, जो उत्तराखंड के औद्योगिक विकास और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा व सकारात्मक कदम है

"यह उत्सव केवल वित्तीय निवेश का प्रतीक नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की संभावनाओं, उद्यमशीलता और समावेशी विकास का भी प्रतिबिंब है। 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। उत्तराखंड निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए आयाम छू रहा है। निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं। उनके सकारात्मक अनुभव उत्तराखंड की छवि को देश और दुनिया में सशक्त बना रहे हैं।"

— **पुष्कर सिंह धामी,** मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी के साथ रुद्रपुर में निवेश उत्सव में बाबा रामदेव और अन्य गणमान्य व्यक्ति

उत्तराखंड के औद्योगिक परिदृश्य में ऐतिहासिक पल तब आया जब रुद्रपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य 'उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025' का आयोजन किया गया। यह आयोजन दिसंबर 2023 में आयोजित 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के बाद 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की सफलता का प्रतीक बना।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बुनियादी ढांचे को बढ़ावा

₹1.86 लाख करोड़

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित राशि, जिसमें शामिल हैं

₹31,000 करोड़

सड़क के लिए

₹40,000 करोड़

रेल के लिए

₹100 करोड़

हवाई अड्डे के विकास के लिए

"1 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारना सराहनीय उपलब्धि है। आमतौर पर 5 से 10 प्रतिशत एमओयू ही साकार हो पाते हैं, लेकिन उत्तराखंड ने 30 प्रतिशत सफलता हासिल की है। किसी पर्वतीय राज्य में निवेश लाना पहाड़ चढ़ने जितना कठिन है, लेकिन धामीजी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया है। यह निवेश अब तक अधिकाधिक रोजगार सृजित कर चुका है और संबद्ध उद्योगों से 2.5 लाख और रोजगार सृजन की संभावना है। उत्तराखंड ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच बेहतरीन संतुलन किया है, जिसमें पारदर्शी नीतियां, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी सोच की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।"

— **अमित शाह,** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने वादों को वास्तविकता में बदलकर दिखाया है। अमित शाह ने इस उपलब्धि को 'सच्चे पराक्रम का परिचायक' बताया और राज्य को मोदी सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

'टीम धामी' को अमित शाह का समर्थन

गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में निवेश लाना शिखर पर चढ़ने जैसा कठिन काम है, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस धारणा को पूरी तरह तोड़ दिया है। उन्होंने राज्य सरकार की इस बात के लिए सराहना की कि विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के बीच संतुलन का विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की पारदर्शी नीतियों, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी नेतृत्व की खुले मन से प्रशंसा की।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का आधारभूत ढांचा मजबूत हुआ है। पिछले 10 वर्षों में नेशनल हाईवे की लंबाई में 60% की वृद्धि हुई है। 8 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। 333 जिलों को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है और 88 नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया है।

उत्तराखंड से विकसित भारत का विजन

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तराखंड का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर भारत का समग्र विकास नहीं होगा, तब तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता है। उन्होंने उत्तराखंड की रणनीतिक और आध्यात्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए कहा कि यह राज्य ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों, पंचकेदार और पंचप्रयागों की भूमि है, इसलिए भी इस पावन राज्य का विकास अनिवार्य हो जाता है। उन्होंने उत्तराखंड में चल रही कई मेगा परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें चारधाम ऑल वेदर रोड, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे, पर्यटन, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और फिल्म नीति में निवेश शामिल है। निवेश से जुड़ी ये बातें इस बात का संकेत दे रही हैं कि उत्तराखंड निरंतर विकास की ओर अग्रसर है।

सरकारी प्रयासों की उद्योग जगत ने की सराहना

उत्तराखंड उद्योग संघ (IAU) ने राज्य में हुए इस विकास का स्वागत करते हुए 30% निवेश धरातलीकरण दर को 'असाधारण' बताया, जो कि राष्ट्रीय औसत 5–10% की तुलना में कहीं अधिक है। IAU के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने इसे सकारात्मक विकास बताया, जिसका प्रभाव दीर्घकालिक होगा। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व को दिया, जिन्होंने राज्य को निवेश-अनुकूल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक रणनीति केवल औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा, आवास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी समाहित करती है।

"मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।"

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

एक आशाजनक राह की ओर

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को ₹1.86 लाख करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की है, जिसमें ₹31,000 करोड़ सड़क विकास, 40,000 करोड़ रेलवे परियोजनाओं और ₹100 करोड़ हवाई अड्डा विकास के लिए शामिल है। गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि शेष निवेश लक्ष्यों को भी पूरा करने के लिए केंद्र हर स्तर पर उत्तराखंड सरकार के साथ भागीदारी के लिए तैयार है। हम हर कदम पर आपके साथ खड़े हैं।

मुख्यमंत्री धामी: निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं

मुख्यमंत्री धामी ने प्रमुख अधिकारियों के साथ निवेश की समीक्षा की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'निवेश उत्सव' केवल पूंजी का उत्सव नहीं, बल्कि उत्तराखंड के समावेशी विकास मॉडल का प्रतीक है, जो उद्यमशीलता, जनसहभागिता और नवाचार पर आधारित है। इस अवसर पर उन्होंने ₹1,342 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान ₹3.56 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए गए थे, जिनमें से ₹1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पहले ही धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अब निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए शिखर छू रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी नीतियों के जरिए देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने उद्योग, लॉजिस्टिक्स, एमएसएमई और स्टार्टअप सहित 30 से अधिक नीतियों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

राज्य सरकार ने ₹200 करोड़ का स्टार्टअप वेंचर फंड स्थापित किया है और काशीपुर में एरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क तथा खुरपिया में इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाएं शुरू की हैं। अब राज्य में 260 से अधिक बिजनेस सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं और उत्तराखंड 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में अचीवर तथा 'स्टार्टअप रैंकिंग' में अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है।

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023: स्वच्छ ऊर्जा की ओर सशक्त कदम बढ़ाता हिमालयी राज्य

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 में वर्ष 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, जिससे राज्य को हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के अग्रणी प्रदेश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

सात जून 2023 को मंजूर की गई उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करना है। यह नीति देश के व्यापक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप तैयार की गई है और 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर क्षमता विकसित करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करती है।

इस नीति का उद्देश्य:

इस नीति के अंतर्गत राज्य के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध सौर क्षमता का प्रभावी उपयोग शामिल है। इसके माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और निजी निवेश को आकर्षित करना है, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। यह नीति सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर सिस्टम, फ्लोटिंग सोलर प्लांट्स व हाइब्रिड परियोजनाओं को बढ़ावा देती है, जो सौर ऊर्जा को अन्य नवीकरणीय स्रोतों से जोड़ती है। विकेन्द्रित नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों (डीआरई) को बढ़ावा देना नीति का प्रमुख फोकस है, जिससे दूर-दराज और वंचित क्षेत्रों तक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। यह उत्तराखंड की भौगोलिक चुनौतियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रोत्साहन और सुविधा

इस नीति के अंतर्गत निवेशकों और परियोजना डेवलपर्स के लिए कई वित्तीय और नियामक प्रोत्साहनों की व्यवस्था की गई है।

- बिजली शुल्क और क्रॉस-सब्सिडी अधिभार से छूट
- सौर परियोजनाओं के लिए प्रयुक्त भूमि पर स्टाम्प शुल्क से छूट
- त्वरित अनुमोदन के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम
- प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और भूमि बैंकिंग सहायता, जो उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (उरेडा) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

साथ ही, प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और लैंड बैंकिंग सहायता, जो उरेडा (उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। यही, यह नीति पीपीपी मॉडल, सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देती है। साथ ही यह स्थानीय रोजगार सृजन और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण को भी अनिवार्य बनाती है।

सतत विकास की ओर अग्रसर

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 एक असरदार रणनीति और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ यह हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह नीति न केवल राज्य की जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है, बल्कि उत्तराखंड को पर्वतीय क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने का एक आदर्श मॉडल भी बनाती है। यह नीति उत्तराखंड के भविष्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में अग्रसर करती है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023: सतत विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता सशक्त रोडमैप

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 एक परिवर्तनकारी खाका प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख सतत और निवेश-अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह नीति नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने पर आधारित है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 राज्य को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक व्यापक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और पर्यटन आधारित विकास को गति देने के साथ आर्थिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और निवेशक अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

इस नीति के अंतर्गत सभी अनुमोदन और प्रोत्साहन दावों को सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें केवल उन्हीं परियोजनाओं को लाभ मिलेगा, जिनकी वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) नीति की अवधि के अंतर्गत होगी।

संस्थागत ढांचा और नीति की प्राथमिकताएं

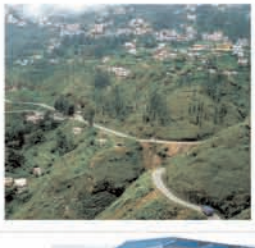

यह नीति पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को सक्षम बनाने और हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस, एडवेंचर, हेरिटेज और ग्रामीण पर्यटन जैसी विविध क्षेत्रों में निवेश लाने पर केंद्रित है।

नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसमें 50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए राज्य स्तरीय सशक्त समिति (एसएलईसी) का गठन किया गया है। साथ ही, 50 करोड़ रुपये तक की एमएसएमई परियोजनाओं के लिए जनपद स्तरीय सशक्त समितियां (डीएलईसी) बनाई गई हैं। वहीं, परियोजनाओं की भौतिक जांच और सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय पर्यटन समितियां (डीएलटीसी) गठित की गई हैं।

योग्य परियोजनाएं और निवेश प्रोत्साहन

इस नीति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों को योग्य माना गया है। इसमें होटल, रिसॉर्ट, विरासत भवन, रोपवे, ईको-लॉज, योग एवं वेलनेस सेंटर, मनोरंजन पार्क, साहसिक पर्यटन सुविधाएं आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम निवेश और बुनियादी ढांचे की शर्तें तय की गई हैं, जिससे गुणवत्ता और निवेश को बढ़ावा मिले। साथ ही, सभी इकाइयों को राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पूंजीगत और गैर-पूंजीगत प्रोत्साहन

इस नीति के तहत निवेशकों को दो श्रेणियों में प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रोत्साहनों को पूंजी निवेश सब्सिडी और अतिरिक्त प्रतिपूर्ति में विभाजित किया गया है, जैसे कि-

- एसजीएसटी की वापसी (नेट आउटपुट लायबिलिटी पर)
- भूमि पट्टे और मॉर्गेज दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क से छूट
- नई इकाइयों के लिए विद्युत शुल्क में छूट
- ब्याज अनुदान और विपणन सब्सिडी, व्यय के आधार पर
- प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रोत्साहन
- देशी पर्यटकों, MICE कार्यक्रमों और ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन

पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को पूंजीगत परिसंपत्तियों की लागत पर 50% तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर किया जा सके।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023: नवाचार और समावेशी विकास की ओर सकारात्मक पहल

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य राज्यभर में रोजगार सृजन और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाकर एक मजबूत उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हर साल 1,000 नए स्टार्टअप की शुरुआत कर सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। यह नीति नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को आगे लाने का सशक्त माध्यम है।

इस नीति के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान की जा रही है। नीति के तहत स्टार्टअप्स को विभिन्न चरणों में यह सहायता दी जाती है। इसमें प्रति माह 15,000 का भत्ता, विशेष श्रेणियों (SC/ST/दिव्यांग) के लिए 20,000 रुपये प्रति माह प्रदान की जाती है। वहीं 15 लाख रुपये तक का सीड फंड भी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शुरुआती दौर में स्टार्टअप के संचालन को स्थिरता मिलती है।

इसके साथ ही इस पॉलिसी के माध्यम से इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेटेंट में आवेदन करने के लिए 1 लाख रुपये तक की सहायता, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कराने के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता, वहीं ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रियल डिजाइन के लिए 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

यह नीति उन्हीं स्टार्टअप्स को कवर करती है, जो 10 वर्षों की अवधि के अंदर स्थापित हुए हों और उत्पाद, सेवा या प्रक्रिया में नवाचार या सुधार ला रहे हों। इसके अलावा रोजगार और संपत्ति सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों।

इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार हर जिले में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रही है, जो कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराती है। मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर, बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। यह नीति उत्तराखंड को स्टार्टअप इंडिया अभियान में प्रमुख रूप से स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023: बेहतर और स्थिर लॉजिस्टिक्स तंत्र की नींव

इस नीति से व्यापार को मिलेगा बल, लागत घटेगी और तकनीक-संचालित भविष्य की ओर तेजी से बढ़ेंगे कदम

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023 का उद्देश्य राज्य में एक एकीकृत, पर्यावरण-अनुकूल और निवेश-उन्मुख लॉजिस्टिक्स तंत्र बनाना है। यह नीति लॉजिस्टिक्स की लागत घटाने, निर्यात बढ़ाने और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स इंडेक्स में रैंकिंग सुधारने पर आधारित है।

यह नीति वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से नए और मौजूदा दोनों प्रकार के लॉजिस्टिक्स उद्यमों का समर्थन करती है। इसमें विशेष रूप से रणनीतिक और उच्च घनत्व वाले औद्योगिक क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स पार्क, कोल्ड चेन, ट्रक टर्मिनल, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के विकास को शामिल किया गया है। यह नीति ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देती है, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करती है और एआई, ब्लॉकचेन व स्मार्ट इंफोर्समेंट सिस्टम्स जैसी उन्नत तकनीकों को एकीकृत करती है।

यह नीति PPP मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहन देती है, जिसमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस, पंतनगर जैसे मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक कॉरिडोर के माध्यम से राज्य को लैंडलॉक राज्यों के लिए आदर्श लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने का प्रयास करती है।

Text by Taresh Dutta

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और इन्वेस्टमेंट नीति 2025: बड़े निवेश और औद्योगिक विकास की नई दिशा

इस नीति का उद्देश्य हिमालयी राज्य को निवेशकों की पहली पसंद बनाने के लिए तैयार करना है

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और निवेश नीति 2025 का उद्देश्य राज्य को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाना है। यह नीति सूचना की तारीख से पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगी।

यह नीति सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करने वाली इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसमें उद्यमों को चार निवेश श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें बड़े (50-200 करोड़ रुपये), अल्ट्रा लार्ज (200-500 करोड़ रुपये), मेगा (500-1000 करोड़ रुपये) और अल्ट्रा मेगा (1000 करोड़ रुपये से अधिक) को शामिल किया गया है। इसमें से हर एक के लिए रोजगार और निवेश सीमाएं पहले से ही तय की गई हैं। इस नीति में 10% से 20% तक की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है, जो संचालन के 8वें से 15वें वर्ष तक किस्तों में वितरित की जाती है। पहाड़ी जिलों (श्रेणी ए और बी) में निवेश के लिए 1-2% की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह स्टाम्प शुल्क प्रतिपूर्ति में 50 लाख रुपये तक की पेशकश भी करता है।

#ExploreUttarakhand

@DIPR_UK

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

'आंचल डेयरी' का कायाकल्प: तीन वर्षों में मिली नई पहचान

नवीन बधानी

देहरादून। उत्तराखंड की सहकारी दुग्ध विपणन संस्था आंचल डेयरी (UCDF & Uttarakhand Cooperative Dairy Federation) ने बीते तीन वर्षों (वर्ष 2022 से अगस्त 2025) के दौरान नवाचार, उत्पाद विविधता, ब्रांड विस्तार और किसानोन्मुखी नीतियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा की पहल और सक्रिय दिशा-निर्देशों के चलते आंचल ब्रांड ने खुद को सिर्फ दूध उत्पादक इकाई तक सीमित न रखते हुए उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने का प्रयास किया है। विगत तीन से अधिक वर्षों के इस कालखंड में जहां 'आंचल' ब्रांड के अंतर्गत नए उत्पाद बाजार में उतारे गए, वहीं 'आंचल कैफे' जैसी अभिनव अवधारणाओं ने शहरी युवाओं और पर्यटकों के बीच इसे लोकप्रियता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। आइए, जानते हैं कि ऑंचल डेयरी ने इस अवधि में कौन-कौन सी प्रमुख उपलब्धियां अर्जित की हैं।

दुग्ध उत्पादन मेले: किसानोन्मुखी पहल

अक्टूबर 2024 में आंचल डेयरी द्वारा रानीपोखरी में एक दुग्ध उत्पादन मेला आयोजित किया गया, जिसमें दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया गया और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप दो-दो हजार रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। इस मेले में मंत्रात्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि 'आंचल ब्रांड' अब केवल उत्तराखंड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी वर्षों में इस प्रकार के मेले हर जिले में आयोजित किए जाएंगे, जिससे छोटे और सीमांत पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा।

आंचल कैफे: एक नई पहल

दिसंबर 2022 में देहरादून के घंटाघर स्थित एमडीडीए परिसर में उत्तराखंड का पहला "आंचल मिल्क कैफे" उद्घाटित किया गया। यह पहल दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा के नेतृत्व में शुरू की गई, जिसके अंतर्गत राज्य में 100 मिल्क कैफे खोलने का प्रारंभिक लक्ष्य तय किया गया। इस कैफे श्रृंखला का उद्देश्य केवल आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों को बेचना नहीं था, बल्कि युवाओं, महिलाओं, सैनिकों के परिजनों और दिव्यांग. जनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराना भी था। कैफे के माध्यम से उपभोक्ता को फ्रेश दूध, छाछ, लस्सी, पनीर, घी, मिठाइयां और आंचल के अन्य उत्पाद सहजता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2023 में इस पहल को और विस्तार देते हुए उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में दो नए आंचल कैफे खोले गए। वहीं, राज्य सरकार ने वर्ष 2025 तक 500 मिल्क कैफे खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जून 2023 में योजना के दूसरे चरण की शुरुआत हुई, जिसमें देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधमसिंह नगर जैसे जिलों को प्राथमिकता दी गई। वर्ष 2024 में बागेश्वर जिले में एक नया आंचल कैफे स्थापित किया गया, जिसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इस प्रकार आंचल कैफे, एक नवा चार बनकर उभरा है, जो न केवल उत्पादों की बिक्री को बढ़ा रहा है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल रहा है।

नवा चार, विकास और भविष्य की राह: आंचल डेयरी की ये उपलब्धियाँ स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि एक पारंपरिक सहकारी इकाई कैसे नवाचार और सशक्त नेतृत्व के माध्यम से ब्रांडिंग, विपणन और उत्पाद विविधता में नए आयाम स्थापित कर सकती है। जहां एक ओर आंचल कैफे जैसे प्रोजेक्ट राज्य में ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों को जोड़ते हैं, वहीं टेट्रा पैक उत्पादों और नई पैकेजिंग के माध्यम से यह ब्रांड बाजार प्रतिस्पर्धा में खुद को बेहतर स्थिति में स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट समर्थन, नीति निर्देश और बाजार की बदलती जरूरतों को समझते हुए उठाए गए ये कदम आंचल को उत्तराखंड के सफल सहकारी ब्रांडों की अग्रणी सूची में ला खड़ा करते हैं।

सरकारी कार्यक्रमों में आंचल के उत्पाद

राज्य सरकार द्वारा आंचल उत्पादों को प्रोत्साहन देने हेतु कई प्रशासनिक निर्णय भी लिए गए। उत्तराखंड के मुख्य सचिव द्वारा निर्देश जारी किए गए कि अब से सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यक्रमों और समारोहों में आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। इस निर्णय का उद्देश्य सहकारिता मॉडल को मजबूती देना, स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराना और राज्य के राजस्व को आंचल जैसे घरेलू ब्रांडों के माध्यम से सुदृढ़ करना था। इसके अलावा, आंचल ने अपने ऑनलाइन स्टोर और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया है। राज्य के अधिकांश शहरी क्षेत्रों में अब आंचल वैन और होम डिलीवरी सेवाएं चालू हैं, जिससे उपभोक्ताओं की पहुंच आसान हुई है।

टेट्रा पैक से लेकर शहद तक का सफर

आंचल डेयरी ने इस अवधि में उत्पाद विविधता पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया। जुलाई 2023 में मंत्री सौरभ बहुगुणा द्वारा टेट्रा पैक दूध, छाछ और लस्सी को लॉन्च किया गया। यह पहली बार था जब उत्तराखंड की कोई सहकारी डेयरी इकाई अपने उत्पादों को टेट्रा पैक के माध्यम से बाजार में लेकर आई। इस कदम का उद्देश्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाना, लंबी दूरी की आपूर्ति संभव बनाना, और उपभोक्ताओं को साफ-सुथरा व सुविधाजनक विकल्प प्रदान करना था। इसके अलावा, इस पहल से राज्य के दुग्ध उत्पादकों को बेहतर दाम और स्थायी मांग मिलने की संभावना बनी। वर्ष 2024 में आंचल डेयरी ने शहद और 6 किलोग्राम दूध पैकेजिंग जैसे नए उत्पाद लॉन्च किए। नैनीताल दुग्ध संघ द्वारा तैयार इन उत्पादों को किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए नई आजीविका का स्रोत बताया गया। साथ ही, इन उत्पादों की बिक्री को राज्य के पर्यटन स्थलों और शहरी बाजारों में बढ़ावा मिला।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

1. प्रदेश में फैडरेशन द्वारा 'आंचल ब्राण्ड' का टेट्रा पैक तरल दूध, लस्सी, क्रीम एवं छांछ आदि को शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
2. फैडरेशन द्वारा 06 प्रकार की आंचल आईसक्रीम 42 प्रकार के अलग-अलग फ्लेवर में पैकिंग कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवायी जा रही है।
3. दुग्ध उत्पादक सदस्यों को 75 प्रतिशत अनुदान पर साईलेज एवं 50 प्रतिशत अनुदान पर भूसा पशु चारा के रुप में मुहैया कराई जा रही है।
4. जायका योजना के अन्तर्गत ग्राम स्तर पर साइलेज बनाने का प्रशिक्षण, प्रदर्शन, हरा चारा विकास एवं जागरुकता कार्यक्रम, चौफकटर, साइलोबंकर व साइलेज बनाने हेतु बैग वितरण आदि कार्य किए जा रहे हैं।
5. यूसीडीएफ0 द्वारा स्पेशल उत्पाद के रुप में बद्री काउ घी व पहाड़ी घी तैयार कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है, जो जनपदीय दुग्ध संघों से सीधे एवं ऑन लाईन फ्लिपकार्ट, अमेजन व फैडरेशन की वैबसाईट से क्रय किया जा सकता है।
6. आंचल ब्राण्ड का शुद्ध शहद उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
7. यूएसी0डी0एफ0 द्वारा मुख्यमंत्री 'आंचल अमृत योजनान्तर्गत आंगनबाड़ी, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को फोर्टिफाइड मीठा सुगन्धित दुग्ध चूर्ण उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है।
8. केन्द्र पोषित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, एन0पी0डी0डी0 के अन्तर्गत दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण कार्य किया जा रहा है।
9. जायका योजना के अन्तर्गत व्यवसायिक पशुचारा उत्पादन हेतु वृहद् प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये जा रहे हैं।

(इं0 आर0एम0 तिवारी)
सामान्य प्रबंधक (प्रशा0)

एमडीडीए की उपलब्धियाँ सस्ते घरों से अवैध निर्माण नियंत्रण तक

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण पहलों को अंजाम दिया है, जिनका उद्देश्य निम्न आय वर्ग को सुलभ आवास प्रदान करना, अवैध निर्माण पर लगाम लगाना तथा नक्शा पासिंग प्रक्रिया में सुधार लाना रहा है।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा पिछले चार वर्षों में अब तक अवैध निर्माणों और प्लाटिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। इस अवधि में प्राधिकरण ने न केवल सैकड़ों अवैध इमारतों को सील किया, बल्कि हजारों बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को भी ध्वस्त किया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देहराद. न और मसूरी क्षेत्र में 600 से अधिक अवैध निर्माणों की पहचान की गई, जिनमें से कई को सील किया गया। इसी वर्ष जाखन और डोईवाला क्षेत्रों में अवैध रूप से निर्मित कई दुकानों और बहुमंजिला इमारतों पर बुलडोजर चला। ऋषिकेश में चल रही अवैध निर्माण गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एमडीडीए ने 14 निर्माणाधीन इमारतों को सील किया। रिस्पना नदी के किनारे 59 अवैध घरों को ध्वस्त किया गया, जो वर्ष 2016 के बाद बिना अनुमति के बनाए गए थे। शिमला बाईपास, तुन्तोवाला, बडोवाला और धर्मावाला क्षेत्रों में लगभग 5000 बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को रोका गया।

सस्ते एवं सुलभ आवास परियोजनाएँ

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने आवासीय योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्राधिकरण ने पारदर्शी, पर्यावरण अनुकूल और आमजन केन्द्रित योजनाओं को प्राथमिकता दी है। एमडीडीए ने इस अवधि में अति विक. सित और अविकसित दोनों क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास की दिशा में काम करते हुए कई नई हाउसिंग स्कीमें शुरू कीं। इनमें ऋषिकेश, जोगीवाला, प्रेमनगर, सहस्त्रधारा रोड और डोईवाला क्षेत्र की आवासीय योजनाएं प्रमुख हैं, जिनमें मध्यम व निम्न आय वर्ग के लिए किफायती दरों पर भूखंड और मकान आवंटित किए गए।

> "हमारा लक्ष्य है कि देहरादून को अव्यवस्थित निर्माण से मुक्त कर एक संतुलित और सुव्यवस्थित शहरी विकास मॉडल प्रस्तुत किया जाए। इसके लिए एमडीडीए पारदर्शी प्रक्रिया के साथ आवासीय योजनाएं ला रहा है, जिससे आम नागरिकों को भी भरोसा हो..."
>
> **बंशीधर तिवारी, उपाध्यक्ष, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण**

उपाध्यक्ष बंशीधार तिवारी के नेतृत्व में पहल

साफ झलकती है वीसी की त्वरित एक्शन की कार्यशैली

एमडीडीए के वीसी बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल किया गया, साथ ही ई-नीलामी प्रणाली के माध्यम से प्लॉट्स की पारदर्शी बिक्री सुनिश्चित की गई। आवंटन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की दलाली या अनियमितता रोकने के लिए डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। एमडीडीए ने पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए ग्रीन जोन आधारित विकास और सोलर पॉवर उपयोग प्रोत्साहन जैसे पहल भी शुरू की हैं। इसके अलावा, योजनाओं में सामुदायिक पार्क, जल संचयन प्रणाली, और हरित क्षेत्र को भी शामिल किया गया है।प्राधिकरण के अनुसार, आगामी समय में स्मार्ट कॉलोनियाँ, सस्ती दरों पर अपार्टमेंट योजनाएं, और वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए विशेष आवास योजना भी प्रस्तावित है।एमडीडीए ने 2022, 2025 के बीच न केवल अवैध निर्माण पर शिकंजा कसा, बल्कि आवासीय योजनाओं में भी संरचित, पारदर्शी और जनहितैषी सुधार किए। उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में प्राधिकरण ने आम नागरिकों के विश्वास को पुनः प्राप्त करते हुए शहरी विकास को नई दिशा दी है।

नक्शा पास करने की प्रक्रिया में सुधार

एमडीडीए ने विगत वर्षों में नक्शा पासिंग प्रक्रिया में व्यापक सुधार करते हुए इसे पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध बना दिया है। इन पहलों के तहत अब भवन नक्शा स्वीकृति के लिए नागरिकों को कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। ऑनलाइन मैप अप्रूवल सिस्टम के माध्यम से नक्शा जमा करना, स्थिति ट्रैक करना और अनुमोदन प्राप्त करना आसान हो गया है। साथ ही, नक्शा पासिंग की प्रक्रिया को 7 से 15 कार्यदिवस के भीतर पूरा करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। पंजीकृत आर्किटेक्ट्स के लिए अलग लॉगिन पोर्टल, एसएमएस/ईमेल अलर्ट,

और जीआईएस आधारित निरीक्षण प्रणाली जैसी आधुनिक तकनीकों का समावेश कर प्राधिकरण ने प्रक्रिया को दक्ष और जवाबदेह बनाया है।

PRAYAG IAS ACADEMY
PIA
DEHRADUN
प्रयाग आईएएस अकादमी
सिविल सेवा की तैयारी के लिए देहरादून का सबसे विश्वसनीय संस्थान।
आपकी सफलता की यात्रा यहीं से शुरू होती है।
व्यक्तिगत मार्गदर्शन, विशेषज्ञ संकाय, द्विभाषी अध्ययन सामग्री
साप्ताहिक करेंट अफेयर्स सत्र
परिणाम-उन्मुख शिक्षण दृष्टिकोण
आई.ए.एस | पी.सी.एस.
पी.सी.एस.-जे
हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम

प्रयाग आईएएस अकादमी-
यूपीएससी, पीसीएस और पीसीएस-जे के लिए देहरादून की प्रमुख कोचिंग
अभी कॉल करें:- 8279690799, 0135-2744550
ईमेल:- Prayagiasacademyddn@gmail.com
पता:- 40, मानसिंहवाला, डी.बी.एस. कॉलेज के सामने, देहरादून रोड
हमें फ़ॉलो करें: @Prayag_ias_academy

पर्यटन का नया तीर्थ बना देवभूमि

तौसीफ कुरैशी

राज्य गठन के बाद पर्यटकों की आमद में जबरदस्त इजाफा

राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई

देवभूमि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थलों और साहसिक पर्यटन के लिए सदियों से प्रसिद्ध रहा है। साल 2000 में उत्तराखंड राज्य बनने के बाद यहाँ पर्यटन का परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। आँकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि बीते 24 वर्षों में उत्तराखंड पर्यटन ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। उत्तराखंड अब केवल तीर्थाटन का केंद्र नहीं, बल्कि एडवेंचर, नेचर, योग, वेलनेस और वन्यजीव पर्यटन का भी वैश्विक हब बन चुका है। राज्य बनने के बाद सड़कों, हवाई संपर्क, होटल व होम-स्टे योजनाओं और प्रचार-प्रसार ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई। देवभूमि उत्तराखंड आज सचमुच पर्यटन का नया तीर्थ है, जहाँ हर साल करोड़ों कदम श्रद्धा, रोमांच और सुकून की तलाश में आते हैं।

2000 में स्थिति

सन् 2000 में, जब उत्तराखंड नया-नया राज्य बना था, यहाँ कुल मिलाकर लगभग 1.11 करोड़ पर्यटक पहुँचे थे। इनमें अधिकतर घरेलू यात्री थे जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या केवल 56 हजार के आसपास थी।

लगातार बढ़ता ग्राफ

- 2005 तक यह आँकड़ा लगभग 1.63 करोड़ पर पहुँच गया है।
- 2010 आते-आते पर्यटकों की संख्या 3.11 करोड़ हो गई।
- 2015 में यह बढ़कर 2.94 करोड़ पर पहुँची और
- 2019 में पर्यटन ने चरम छुआ, 3.92 करोड़ से ज़्यादा लोग उत्तराखंड आए। यानी राज्य बनने के दो दशक में पर्यटन में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई।

कोविड का असर और फिर वापसी

2020 में कोरोना महामारी की वजह से पर्यटन पर गहरा असर पड़ा और केवल 78 लाख लोग ही राज्य पहुँच पाए। लेकिन जैसे ही हालात सामान्य हुए,
- 2022 में फिर से 5.39 करोड़ पर्यटक आए।
- 2023 में 5.96 करोड़।

और 2024 में रिकॉर्डतोड़ 5.95 करोड़ से अधिक लोग उत्तराखंड पहुँचे।

राज्य गठन से अब तक वर्षवार उत्तराखण्ड पहुंचे पर्यटकों का विवरण

वर्ष	देशी	विदेशी	कुल
2000	11078814	56766	11135580
2001	10548784	54701	10603485
2002	11652018	55974	11707992
2003	12929593	63499	12993092
2004	13830045	74761	13904806
2005	16280765	92744	16373509
2006	19358453	96264	19454717
2007	22154250	106150	22260400
2008	23064170	112423	23176593
2009	23154214	118243	23272457
2010	30972134	136459	31108593
2011	26665753	142687	26808440
2012	28329686	140524	28470210
2013	21028010	103596	21131606
2014	22520097	109948	22630045
2015	29295152	111094	29406246
2016	31663782	112799	31776581
2017	34581097	142102	34723199
2018	36697678	154526	36852204
2019	39066776	158964	39225740
2020	7836002	38763	7874765
2021	20002705	15410	20018115
2022	53916849	64489	53981338
2023	59488189	148412	59636601
2024	59373869	176408	59550277

वन्यजीव पर्यटन की नई पहचान

उत्तराखंड केवल धार्मिक और प्राकृतिक ही नहीं, बल्कि वन्यजीव पर्यटन का भी केंद्र बना है। यहाँ के राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं।

- कॉर्बेट नेशनल पार्क

- 2000 में यहाँ केवल 61 हजार लोग आए थे।
- 2019 में यह संख्या बढ़कर 2.83 लाख हो गई।
- 2024 में कॉर्बेट आए पर्यटकों की संख्या 3.61 लाख रही, जिनमें 10,120 विदेशी शामिल थे। यानी यहाँ विदेशी पर्यटकों की भारी मौजूदगी दर्ज की गई।

पर्यटकों की खास पसंद बने कई स्थल

हरिद्वार: हर वर्ष सबसे अधिक पर्यटक हरिद्वार ही आए

- 2000 में हरिद्वार में करीब 53 लाख लोग आए थे।
- 2019 तक यह संख्या 2.17 करोड़ हो गई।
- 2024 में हरिद्वार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, 3.49 करोड़ यात्री यहाँ पहुँचे।

ऋषिकेश व नैनीताल विदेशी पर्यटकों के लिए खास पसंद बने। योग, गंगा आरती और हिमालयी अनुभवों ने ऋषिकेश को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित किया।

- 2024 में ऋषिकेश आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 4,857 रही।
- वहीं नैनीताल में 9,537 विदेशी पर्यटक पहुँचे।

टिहरी झील और एडवेंचर टूरिज्म ने टिहरी को नई पहचान दी।

- केवल 2024 में ही यहाँ 58,855 विदेशी पहुँचे, जो सभी स्थलों में सबसे अधिक था।

राजाजी नेशनल पार्क

देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच फैला राजाजी नेशनल पार्क भी रोमांचक अनुभव का केंद्र है। यद्यपि यहां आने वाले पर्यटकों का आँकड़ा अलग से दर्ज नहीं किया जाता। मगर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं, जिनकी संख्या हरिद्वार और ऋषिकेश के आँकड़ों का हिस्सा बनकर सामने आती है। अनुमान है कि हर वर्ष यहाँ लाखों पर्यटक सफारी और वन्यजीव दर्शन के लिए पहुँचते हैं।

पर्यटन को राज्य गठन ने दी नई पहचान

आँकड़ों की सीधी तुलना बताती है
- 2000 में कुल 1.11 करोड़ पर्यटक
- 2024 में कुल 5.95 करोड़ पर्यटक

यानी राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

SIDDHARTHA GROUP OF INSTITUTIONS

COURSES OFFERED / ADMISSION OPEN

Mr. Durga Prasad Verma
Chairman

Siddhartha Law College
Affiliation & Approval: Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University (Govt. University of Uttarakhand) & Bar Council of India, New Delhi
BA-LL.B. - 5 yrs.
BBA-LL.B - 5 yrs.
LL.B. - 3 yrs.
LL.M. - 2 yrs.

Siddhartha Institute of Pharmacy
Affiliation: Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University (Govt. University of Uttarakhand) & Pharmacy Council of India, New Delhi.
D.Pharma - 2 yrs.
B.Pharma - 4 yrs.
B.Pharma (LE) - 3 yrs.
M.Pharma - 2 yrs.
Pharmaceutics, Pharmacology and Pharma Chemistry

Siddhartha Nursing Education & Research Institute
Affiliation & Approval: HNB Medical University, Uttarakhand Nursing Council, Dehradun and Medical Education Department, Govt. of Uttarakhand
Basic B.Sc. Nursing
4 Years (Degree Course)
Post Basic B. Sc. Nursing
2 Years (Degree Course)

Mr. Abhishek Verma
Vice Chairman

Near I.T. Park, Sahastradhara Road, Dobachi Road, Dehradun-248001 (Uttarakhand)
0135-2607784, 2607787 (Office), 9456596313, 9760434646 (Law)
9456596308, 9456596314 (Pharmacy), 9456596371, 9456596381 (Nursing)
www.siddharthagroup.co.in

St. Xavier's School
PER ASPERA AD ASTRA
DEHRA DUN
ESTD 1988
St. Xavier's School
Affiliated to the Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi
Co-Educational (Playgroup to XII)
Registration & Admission Open
Classes Playgroup to IX & XI
For Session (2025-26)
School Transport Facility Available
Dhoran Khas, (Near Canal Road Bridge), Dehradun
Mob: 9456596319, 9456596320
www.stxavier.co.in

THE HIMALAYAN PUBLIC SCHOOL
LEARN TO SERVE
DEHRA DUN
ESTD. 2004
The Himalayan Public School
Affiliated to the Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi
(Under the aegis of The Siddhartha Group of Institutions)
Co-Educational (Nursery to XII)
Registration & Admission Open
Classes Nursery to IX & XI
For Session (2025-26)
School Transport Facility Available
Kargi Grant, Chander Vihar, Patel Nagar Thana Road Kargi, P.O. Banjarawala, Dehradun
Mob: 9027203873, 7017614683
www.thehimalayanpublicschool.com

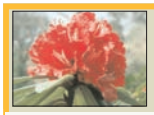

हमारी ताकत...

तीन राज्य, आठ संस्करण, 19.52 लाख पाठक

उत्तराखण्ड-गढ़वाल संस्करण (देहरादून)

एम फहीम 'तन्हा'
एस आलम अंसारी
मोहम्मद शाहनज़र
मयूर गुप्ता
इमरान चौधरी
नवीन बधानी
विकासनगर:-एसएम
आसिम, महेंद्र तोमर
चकराता:-विक्रम सिंह तोमर,
संजय वर्मा
मसूरी:-अभीषेक सक्सेना
डोईवाला:-संजय अग्रवाल, सलमान राव
हरिद्वार:-डी एस वर्मा
रूडकी:-अख्तर मलिक
पौड़ी:-त्रिभुवन उनियाल
श्रीनगर:-देवेंद्र गौड, सुदेश गौड
कोटद्वार:-गोरव गोदियाल
उत्तरकाशी:- चिरंजीव सेमवाल
बडकोट:-सचिन रावत व संदीप चौहान
टिहरी:- जय प्रकाश पाण्डेय
रूद्रप्रयाग:-रोहित डिमरी
चमोली/गोपेश्वर:-रणजीत नेगी
गोचर:-देवेंद्र गुंसाई

उत्तराखण्ड-कुमाऊं संस्करण (हल्द्वानी)

नैनीताल-अफजल हुसैन फौजी
हल्द्वानी-शाहवेज खान, दीपक भण्डारी, डॉ.ए.एन तिवारी व आसिम जमाल
लालकुआं-मोहन जोशी, मनोज जोशी, रंजीत कुमार
बिन्दुखत्ता-जीवन गोस्वामी
कालाढुंगी-शाकिर हुसैन
अल्मोड़ा-नसीम अहमद
बागेश्वर-महीप पाण्डे
काशीपुर-नवीन अरोरा
शांतिपुरी-आकाश मेहता
रानीखेत-बलवंत रावत
उधमसिंह नगर-उस्मान अली
सुल्तानपुर-मौ.आशिक
बाजपुर-मौ. नौशाद
रूद्रपुर-कमल सुयाल, मौ. समी, समी आलम
खटीमा-मुस्तकीम मलिक
नानकमत्ता-राजीव सक्सेना
सितारगंज-धर्मेन्द्र चौधरी
किच्छा-अब्दुल राही तंहा
शक्तिफॉर्म-विक्की मंडल
चंपावत-जीवन सिंह बिष्ट
टनकपुर-आबिद हुसैन

मुख्यालय

स्थानीय सम्पादक-चेतन गुरूंग
तौसीफ कुरैशी
ज़िया अब्बास ज़ैदी
आजम खान
शाहनूर राणा
अफसार अहमद
मौ. शारिक
रोहिताश वर्मा
नसीम राणा

कार्यकारी सम्पादक:-
आनन्द बत्रा 'सुमन'

बनबसा-अर्जुन कुमार
लोहाघाट-गणेश पाण्डे
पिथौरागढ़-खालिद पाशा
जसपुर-शरीफ खान
बाजपुर-सलमान
गदरपुर-उमर अली
रामनगर-नदीम वारसी

उत्तर प्रदेश

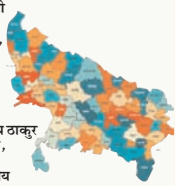

लखनऊ-विरेश तरार
सहारनपुर-अबु बकर शिब्ली
देवबंद-अतहर उस्मानी
मुजफ्फर नगर-शरद गोयल,
नसीम कुरैशी
मीरांपुर-नलिन वर्मा,
खतौली- आशीष सैनी
शामली-नसीम सैफी
बागपत-चांद मिया
मेरठ- शाहवेज़ खान, अजय ठाकुर
गाजियाबाद-नोशाद मलिक,
मोदीनगर-विनय कुमार
नोएडा-प्रवेश चौधरी व संजय त्यागी
अलीगढ़-प्रदीप शर्मा
बुलंदशहर-मौ. नईम खान
हापुड़-चांद मिया, बिजनोर-समीउल्लाह
नजीबाबाद-सोनू आदित्य, धामपूर-अभीषेक गुप्ता
मुरादाबाद-जितेंद्र जैन, ठाकुरद्वारा-सतीश चौधरी
बरेली-इरफान मुनीम,
रामपुर-इमरान हुसैन
पीलीभीत-विकास दीक्षित
संभल-मुजफ्फर हुसैन, बहजोई-राशिद अली
चंदोसी- सक्सेना
अमरोहा-नासिर अली
मथूरा-खलील अहमद
बदायूं-कामिल खान
दिल्ली-सफदर अली व राम गौपाल

सभी देश व प्रदेश वासियों को
शाह टाइम्स रजत जयंती की
हार्दिक शुभकामनाएं

★ सभी व्यापारी अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहें
★ छोटे व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा दुकान से खरीदारी करें।
★ समय पर जीएसटी का भुगतान किया जाए, जिससे कि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।
★ संगठन की शक्ति सदस्य हैं और सभी व्यापारी संगठन की मजबूती के लिए भी कार्यरत रहें

प्रतीक
कालिया शर्मा
महामंत्री
भारतीय जनता पार्टी
ऋषिकेश
महामंत्री
नगर उद्योग व्यापार
प्रतिनिधि मंडल, ऋषिकेश

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड् चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित। सम्पादक: एस.एन. राना, *कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन', देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून, 0135-2743363, R.N.I.No.UTTHIN 2001/05656, 'मोबाइल-9720007290, www.shahtimesnews.com, '*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों/लेखों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सरोवर नगरी का 'शाह टाइम्स'

ढाई दशक का स्वर्णिम सफर, बना जन-जन की आवाज

नैनीताल। उत्तराखंड की शांत सरोवर नगरी नैनीताल में 'शाह टाइम्स' ने अपने ढाई दशक के पत्रकारिता के सफर को स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है। इस प्रमुख समाचार पत्र ने न केवल स्थानीय मुद्दों को मुखरता से उठाया है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज बनकर अपनी गहरी पैठ बनाई है।

अफजल फौजी

ऐसे दौर में, जब अखबारी दुनिया का दायरा क्षेत्रीय स्तर तक सिमटता जा रहा है, 'शाह टाइम्स'ने नैनीताल और इसके आसपास के क्षेत्रों की आवाज को प्रदेश स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने स्थानीय जनभावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनकर खुद को स्थापित किया है।

एक स्थानीय व्यवसायी रमेश चंद्र ने इस अखबार के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'शाह टाइम्स' ने हमेशा हमारी स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। यह सिर्फ एक अखबार नहीं, बल्कि हमारी आवाज है जिसे प्रदेश स्तर पर सुना जाता है। सामाजिक, राजनैतिक और व्यावसायिक वर्गों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के कारण इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ती गई है। यही वजह है कि यह समाचार पत्र पाठकों का प्रिय बन चुका है।

अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए, 'शाह टाइम्स' ने नगर की हर छोटी-बड़ी समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया है और शासन-प्रशासन को उनसे अवगत कराकर समाधान की दिशा में प्रयास किए हैं। नैनीताल के एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के नाते, 'शाह टाइम्स' ने यहाँ पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों की आमद को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रबंधन ने भविष्य में भी इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके साथ ही, ऐतिहासिक सरोवर नगरी की समृद्ध संस्कृति और विरासत को जीवंत रखने में भी समाचार पत्र का योगदान उल्लेखनीय रहा है। यहाँ के तीज-त्योहारों और सांस्कृतिक आयोजनों को कलम के माध्यम से उजागर कर इसने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। शिक्षाविद् डॉ. अंजलि शर्मा के अनुसार, 'नैनीताल को शिक्षा का गुरुकुल कहा जाता है, जिसकी महत्ता ब्रिटिशकाल से चली आ रही है। शाह टाइम्स ने इस शशिक्षा के मंदिरश की गरिमा को बनाए रखने और इसके प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय सहयोग दिया है।'

नगर की सामाजिक सौहार्द की अनूठी पहचान देश-विदेश में है। 'शाह टाइम्स' ने इस पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने में भी अपना दायित्व प्रमुखता से निभाया है। अखबार प्रबंधन ने पाठकों के निरंतर स्नेह और विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि शशाह टाइम्सश आगे भी शपत्र नहीं, मित्रश के अपने आदर्श वाक्य के साथ जनसेवा के पथ पर अग्रसर रहेगा।

उत्तराखंड में एयरपोर्ट व एयर स्ट्रिप की सूची

1. देहरादून जौलीग्रांट एयरपोर्ट- स्थान: देहरादून (जौलीग्रांट)-स्थिति: यह राज्य का प्रमुख व सबसे व्यस्त घरेलू एयरपोर्ट है, जिसमें नया टर्मिनल अक्टूबर 2021 में खोला गया था। 2. पंतनगर एयरपोर्ट-स्थान: पंतनगर, उधम सिंह नगर जिला (कुमाऊं क्षेत्र)-स्थिति: यह एक घरेलू विमानक्षेत्र है और कुमाऊं क्षेत्र का मुख्य प्रवेश मार्ग है। भविष्य में इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में परिवर्तित करने की योजना है। 3. नैनी सैनी एयरपोर्ट (पिथौरागढ़)-स्थान: पिथौरागढ़ (नैनी-सैनी)-स्थिति: यह घरेलू एयरपोर्ट है, जो UDAN योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। हाल ही में यहां से नियमित उड़ानें शुरू हुई हैं। 4. भारकोट (चिन्यालीसौड़) एयरस्ट्रिप, स्थान: चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी जिला-स्थिति: इसे मां गंगा या धरासू एयरपोर्ट भी कहा जाता है। वर्तमान में यह आईएएफ द्वारा एक एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के रूप में उपयोग होता है। 5. गौचर एयरस्ट्रिप-स्थान: गौचर, चमोली जिला,स्थिति: यह एक एयरस्ट्रिप है यह एयरस्ट्रिप चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाओं हेतु उपयोग की जाती है।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि
विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून

विद्युत समस्याओं के निवारण हेतु
1912(टोल फ्री)
पर कॉल करें।

सार्वजनिक सूचना

- सभी सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित करना है कि वे अपने विद्युत बिलों का Online भुगतान उपाकालि की वेबसाईट www.upcl.org के माध्यम से कर सकते हैं।
- उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड की वेबसाईट पर विद्युत बिलों का Online भुगतान निम्नलिखित मोड से किया जा सकता है : 1 क्रेडिट कार्ड (Credit card) 2 डेबिट कार्ड (Debit card) 3 नेट बैंकिंग (Net Banking)
- विद्युत बिलों का Online भुगतान प्रदेश के समस्त उपभोक्ता कर सकते हैं।
- उपाकालि से बिल सम्बन्धी अन्य जानकारी SMS के माध्यम से प्राप्त करने के लिए अपना मोबाईल नं0 विद्युत बिल की Counter Foil पर लिखकर उपाकालि के किसी भी कार्यालय में जमा करा सकते हैं अथवा उपाकालि की वेबसाईट पर भी रजिस्टर कर सकते हैं।

राज्य सरकार द्वारा स्थापित सभी कॉमन सर्विस सेन्टरों (सीएससी) पर विद्युत भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। सम्मानित विद्युत उपभोक्ता इसका लाभ उठायें।

निम्न उपभोक्ता सेवा सम्बन्धित आवेदनों के लिए उपाकालि कस्टमर सर्विस सेन्टर आराघर, देहरादून में अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।
1. नये संयोजन हेतु 2. नाम स्थानान्तरण हेतु 3. विद्युत भार परिवर्तन हेतु 4. विद्युत प्रकार परिवर्तन हेतु
नीचे दिये गये कोड को 9219503400 पर SMS कर जानकारी प्राप्त करें।

बिल विवरण की सूचना हेतु	BD<space><13 digit Service Connection No.>
बिल भुगतान की सूचना हेतु	PYD<space><13 digit Service Connection No.>
नये संयोजन की स्थिति जानने हेतु	NC<space><12 digit Registration No.>
शिकायत की स्थिति जानने हेतु	CD<space><11 digit Complaint No.>
मोबाईल नं0 पंजीकृत करने हेतु	RMN<space><13 digit Service Connection No.>
13 Digit Service Connection No टाइप करने का तरीका	3 digit खण्ड संकेत + 4 digit बुक संख्या + 6 digit कनेक्शन संख्या

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" "बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें"

कार्यालय जिला पंचायत देहरादून

पत्रांक संख्या 769/XIII/स्टोर/जि0पं0दे0दून/2025-26 दिनांक 20/08/2025

"जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसायरत व्यवसायियों से अनुरोध है कि जिला पंचायत द्वारा आरोपित वार्षिक विभव एंव सम्पत्ति कर व व्यवसायिक लाईसेन्स का भुगतान समय से जिला पंचायत कार्यालय में जमा करने का कष्ट करें। जिला पंचायत, देहरादून जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास हेतु सदैव तत्पर है। साथ ही समस्त व्यवसायियों एंव ग्रामवासियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने घरों के साथ-साथ अपने गाँव को भी स्वच्छ रखें। घरों का कूड़ा नालों एंव सड़कों के किनारे न फेंकें तथा गीला एंव सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के उपरान्त ही निस्तारित करना सुनिश्चित करें एंव अपने गाँव व क्षेत्र को साफ-स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें। सिंगल यूज प्लास्टिक एंव पॉलिथीन का प्रयोग करने से बचें, तथा डेंगू, मलेरिया एंव चिकनगुनिया से बचाव हेतु अपने घर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें एंव अपने घरों के आस-पास पानी एकत्रित न होने दें। स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें एंव जनभागीदारी द्वारा अपने गाँव को स्वच्छता में प्रथम बनाने में अपना आवश्यक योगदान दें।'

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, देहरादून।

सौजन्य से

जिला पंचायत, देहरादून।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

'जल संचय' 'जीवन संचय'

उत्तराखण्ड जल संस्थान

'जल भवन', बी-ब्लॉक नेहरु कॉलोनी, देहरादून

सार्वजनिक अपील

राज्य की जनता को निरन्तर, पर्याप्त, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभाग सतत प्रयासरत है। कतिपय नगरों/क्षेत्रों में दूषित जलापूर्ति के समाचार प्रकाशित होते हैं।

इस सम्बन्ध में नागरिकों से अनुरोध है कि निम्नानुसार सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

- पेयजल एवं सीवर में संबंधित शिकायत के लिए 'शिकायत निवारण केन्द्र' टोल फ्री नं0 1916 अथवा 1800-180-4100 से सम्पर्क करें।
- समस्या का कारण मुख्यत: पाइपलाइन में लीकेज है जो जल संस्थान की पाइप के साथ-साथ अधिकांश उपभोक्ताओं के कनेक्शन के ऐसे पाईप हैं जो नाली/आदि के अन्दर/बीच से गुजरते हैं। अपने आस-पास लगे पाइप की लीकेज पर विशेष ध्यान दें एवं छोटी से छोटी लीकेज की सूचना जल संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय/मुख्यालय को दें।
- विभागीय कर्मचारियों द्वारा जांच के समय यदि व्यक्तिगत कनेक्शन के पाइप में लीकेज पाई जायेगी तो बिना अन्य नोटिस के तत्काल कनेक्शन बन्द कर दिया जायेगा और अर्थदण्ड लिया जा सकता है।
- प्रदूषण की समस्या का अन्य प्रमुख कारण लाइन पर सीधे टुल्लू पम्प लगाना है। पम्प लगाने से लीकेज वाले स्थानों पर भरा गन्दा पानी पाइप लाइन में प्रवेश कर जाता है और प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है।
- यदि देखने में पानी स्वच्छ न ही अथवा उसमें अशुद्धियों के कण दिखायी दें अथवा बदबू हो तो क्लोरीन टेबलेट को प्रयोग में लायें। प्राय: जलापूर्ति के आरम्भ में थोड़ी देर गन्दा पानी आने की शिकायत रहती है बाद में स्वच्छ हो जाता है। स्वच्छ पानी एकत्रित करें।
- इसके अतिरिक्त हम आपकी सेवा बेहतर कर सकें, इसके लिए हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं।
  1. पेयजल अमूल्य है, कृपया इसका सदुपयोग करें।
  2. पेयजल की बर्बादी तथा अवैधानिक उपयोग किसी अन्य को प्यासा रख सकता है, अत: कृपया ऐसा न करें।
  3. विभाग को देयकों का समयान्तर्गत भुगतान कर पेयजल व्यवस्था में सहयोग करें।

देवभूमि में बदला अपराध का स्वरूप

मयूर गुप्ता

देवभूमि में साइबर सेंधः सरिया-सब्बल से साइबर अटैक तक, उत्तराखंड में बदल गई अपराध की 'मोडस ऑपरेंडी'

देवभूमि उत्तराखंड में अपराध की दुनिया ने भी समय के साथ अपनी चाल बदल ली है। कभी जहां चोरों के हाथ में सरिया और सब्बल होता था, आज उनकी उंगलियां कीबोर्ड पर चलती हैं और निशाना सीधे आपके बैंक खाते पर होता है। राज्य गठन के पच्चीस वर्ष पूरे होने के बाद, अपराध के इस डिजिटल कायापलट ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, जहाँ परंपरागत चोरों ने अब साइबर अपराधी का चोला ओढ़ लिया है।

ढाई दशक पहले की अपराध तस्वीर

दीपम सेठ, डीजीपी

आज से लगभग ढाई दशक पूर्व, जब उत्तराखंड ने एक अलग राज्य के रूप में जन्म लिया था, तब अपराध की तस्वीर काफी सीधी-सादी थी। घरों और दुकानों में चोरी की वारदातें अक्सर किसी टूटे शटर या क्षतिग्रस्त ताले की गवाही देती थीं। चोरों की 'मोडस ऑपरेंडी' (कार्यप्रणाली) में सरिया, सब्बल और हथौड़े जैसे औजार शामिल होते थे, जिनसे वे भौतिक रूप से सेंधमारी करते थे। रात के अंधेरे में, शांत वादियों में, ऐसी वारदातें अक्सर ग्रामीणों और छोटे कस्बों के व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बनती थीं।

तकनीक ने बदली अपराध की राहः अपराधियों का 'डिजिटल अपग्रेड'

देहरादून। लेकिन, समय के चक्र ने तेजी से घूमना शुरू किया। देश में आधुनिकता की लहर आई और तकनीक ने हर क्षेत्र में अपनी पैठ बनाई, तो अपराधी भी भला कैसे पीछे रहते? उन्हें भी यह आभास हो गया कि सरिया और सब्बल से दुकानों के शटर और घरों के ताले तोड़ने वाले चोर, आधुनिकता के इस दौर में अपने परंपरागत अपराध के पेशे में पिछड़ जाएंगे। यह एक ऐसी क्रांति थी जिसने अपराधियों को भी अपग्रेड होने पर मजबूर कर दिया।

अपराधियों को किसी सूरत में पैर पसारने नहीं दिया जाएगाः राजीव स्वरूप

देहरादून। गढ़वाल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने बताया कि रेंज के अंदर अपराधियों को पैर पसारने की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अपराध को अंजाम देने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर कह रखा है कि अपराधी चाहे वह कितनी भी पहुंच वाला क्यों न हो और राजनीति में उसकी कितनी भी दखल हो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा भी गढ़वाल रेंज के सभी सातों जिलों के एसएसपी और एसपी व सभी क्षेत्राधिकारियों के निर्देश दें रखे है कि अगर उनके क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई अपराधिक वारदात घटित होती है तो तत्काल मौके का निरीक्षण कर उसकी जानकारी से उन्हें भी अवगत करवाएं।

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप ने कहा कि अपराध करने वाले की जगह या तो जेल में है या फिर वह अपने किए का स्वयं जिम्मेदार होगा। उन्होंने एक साक्षात्कार के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि अपराध करने वाले का कोई धर्म और जाति नहीं होती वह एक अपराधि होता है और उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाएगा जैसा एक अपराधि के साथ किया जाएगा।

देहरादून पुलिस के लिए नई चुनौतीः अदृश्य दुश्मन से मुकाबला

देहरादून। सीसीटीवी कैमरों की बढ़ती संख्या, मोबाइल सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट्स की अनिवार्यता ने अपराधियों की पुरानी योजनाओं पर पानी फेर दिया। अब ताला तोड़ने या शटर उखाड़ने की कोशिश करना, पकड़े जाने का सीधा निमंत्रण था। पुलिस की मुस्तैदी और तकनीक के उपयोग ने परंपरागत चोरों के लिए मैदान तंग कर दिया। इसी मोड़ पर अपराध की दुनिया ने एक नई करवट ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'हमले हमें चोरों का पीछा भौतिक रूप से करना पड़ता था, उनकी पहचान के लिए मुखबिरों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब चुनौती डिजिटल है। साइबर अपराधी अदृश्य दुश्मन की तरह हैं, जो कहीं भी बैठकर किसी को भी निशाना बना सकते हैं। यह हमारे लिए एक पूरी तरह से नया युद्धक्षेत्र है।

साइबर अपराधों का बढ़ता जाल और नए हथियार

अपराध को इस दुनिया में एक सीढ़ी और आगे चढ़ते हुए, शातिर चोरों ने साइबर अपराधों की दुनिया में कदम रखा। जनता के बैंक खातों और निजी विवरण को साइबर अटैक के जरिए हैक करने का प्रचलन तेजी से बढ़ा। फिशिंग, स्पूफिंग, ओटीपी फ्रॉड और मालवेयर अटैक जैसे नए हथियार उनके तरकश में शामिल हो गए। उत्तराखंड की शांत छवि के विपरीत, साइबर अपराधियों को यहाँ की डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन लेनदेन में बढ़ती रुचि ने एक श्उपजाऊ भूमिश प्रदान की, जहाँ वे आसानी से भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बना सकते थे।

देहरादून में अपराधियों के हौसलों को हर सूरत में किया जाएगा पस्तः अजय सिंह

देहरादून। देहरादून जनपद के अंदर अगर कोई व्यक्ति आपराधिक चोला ओढ़कर यहां के भोले-भाले लोगों को अपनी गुण्डागर्दी के बल पर उनसे लूटपाट करना, डकैती की वारदात को अंजाम देना और उनसे उगाही करने की सोच रखता है तो यह सोच उसकी आखिरी सोच होगी। जनपदवासियों को अपराधियों से सुरक्षा प्रदान करना खाकी का कर्तव्य है और खाकी पहनकर आम जनमानस और महिलाओं की सुरक्षा करने वाले मित्र पुलिस के अधिकारी और जवान अपने कर्तव्य से पीछे हटने वाले नहीं है। यह कहना है देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह का। **शाह टाइम्स** के रजत जयंती पर अपनी बेबाक टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि दून पुलिस अपराधियों के लिए काल है और अगर कोई अपराधी यह सोचता है कि देहरादून को अपनी शरणस्थली बनाकर अपराध कर आराम से अपना जीवन व्यतीत करेगा तो यह उसकी गलत सोच है। अपराधी को उसके अंजाम तक पहुंचाने और अपराधी को शरण देने का काम करने वालों को कानून के दायर में रहकर उसकों सबक सिखाते हुए सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा का दायित्व भी पुलिस के कंधों पर है और मित्र पुलिस के जवान महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक हैं।

उत्तराखंड में 'डिजिटल अरेस्ट' का आतंकः साइबर ठगी के मामले बढ़े

देवभूमि उत्तराखंड में साइबर अपराधों ने जिस तरह से अपनी जड़ें जमाई हैं, उससे राज्यवासी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। विशेषकर श्डिजिटल अरेस्टश के नाम पर डरा-धमकाकर लाखों रुपये ठगने के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। साइबर क्राइम पुलिस अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य के सभी जनपदों से कार्रवाई के लिए करीब 200 साइबर अपराध के मामले भेजे गए हैं। इनमें से पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 105 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। पूरे प्रदेश में साइबर ठगों के खिलाफ 61 मुकदमे दर्ज किए गए, जिनमें 39 अपराधियों को देश के विभिन्न राज्यों से दबोचा गया। इसके अतिरिक्त, 10 को वारंट भेजकर तलब किया गया और 56 को नोटिस तामील कराए गए। साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट के अलावा, ऑनलाइन ट्रेडिंग व इन्वेस्टमेंट, फेसबुक फ्रेंड, गिफ्ट, इंश्योरेंस फ्रॉड, यूट्यूब लाइक, लोन ऐप और ऐप डाउनलोड के जरिए ठगी के मामले भी काफी तेजी से बढ़े हैं। इन बढ़ती चुनौतियों से निपटने और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की टीमें लगातार प्रयासरत हैं।

बढ़ते आंकड़े भयावह परिणाम और आगे की राह

देहरादून। बीते पांच वर्षों में उत्तराखंड में साइबर अपराध के हैरतअंगेज आंकड़े दर्ज हुए हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि अपराध का यह नया चेहरा कितना भयावह होता जा रहा है। ये आंकड़े न केवल मामलों की संख्या में वृद्धि दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि किस तरह अपराधियों ने अपनी रणनीति को सूक्ष्म और तकनीकी रूप से उन्नत कर लिया है। अब पीड़ित को न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि उसकी निजी जानकारी भी खतरे में पड़ जाती है, जिससे मानसिक परेशानी और पहचान चोरी का खतरा भी बढ़ जाता है।साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनौती का

इमरान चौधरी

सामना करने के लिए पुलिस और जनता दोनों को ही अधिक जागरूक और तकनीकी रूप से सशक्त होना पड़ेगा।

साइबर अपराध केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामाजिक मुद्दा भी बन गया है, जिसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान और तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उत्तराखंड, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है,

अब अपराध के एक नए मोर्चे पर खड़ा है। यह समय की मांग है कि हम इस डिजिटल अंधकार से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करें, ताकि देवभूमि की शांति और सुरक्षा अक्षुण्ण बनी रहे

प्रदेश में तेजतर्रार अधिकारियों की तैनाती

देहरादून। मित्र पुलिस अधिकारियों की रणनीति की प्रदेश को अपराध मुक्त करना है ने अमली जामा पहनना प्रारंभ कर दिया। उत्तराखंड की सीमाओं से लगती उत्तर प्रदेश की सीमाओं पर बनी कोतवालियों और थाने पर तेजतर्रार इंस्पेक्टरों और दरोगाओं की तैनाती की जाने लगी और इसका सीधा असर दिखाई देने लगा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश और अन्य जनपदों के कुख्यात डकैत और लुटेरे या तो पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने लगे या फिर उन्हें गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

उत्तराखंड पुलिस के मुखिया के तौर पर कार्यभार संभालने वाले तेज तर्रार आईपीएस अधिकारियों निवर्तमान पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार और प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने कार्यभार संभालते ही बदमाशों को खुली चुनौती दी। अशोक कुमार ने तो अपने कार्यकाल में स्पष्ट कहा था कि बदमाश या तो प्रदेश छोड़कर चले जाए या फिर यमराज से मिलने को तैयार रहे। इसी चेतावनी को कार्यवाह पुलिस महानिदेशक रहे अभिनव कुमार ने भी दोहराया। उन्होंने भी पदभार संभालते हुए मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए दो टूक शब्दों में कहा था कि उत्तराखंड में अपराधियों और उनकों पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि अपराधियों को या तो कानून के दायरे में आना होगा या फिर परिणाम भुगतने को तैयार रहे।

DREAMERS EDU HUB

ऐतिहासिक सफलता

एक माह में 35 और
एक दिन में 6 Selections देकर रचा इतिहास...

अब तक 300 से ज्यादा देश सेवा के लिए सैन्य अधिकारी दे चुका है 'ड्रीमर्स'

Mr. Hariom Chaudhary
(Founder & CEO)

NDA-CDSE:2025 RECOMMENDED FROM

ANURAG PANDEY
11 SSB
ALLAHABAD

KAMAL SINGH
11 SSB
ALLAHABAD

HIMANSHU GUNAVAT
12 SSB BENGALURU
1 AFSB DEHRADUN

PRINCE MEHRA
19 SSB
ALLAHABAD

ABHISHEK DANDOTIYA
18 SSB
ALLAHABAD

NIKUNJ KHANNA
19 SSB
ALLAHABAD

KASAK MEHRA
33 SSB
BHOPAL

NISHITA
12 SSB
BENGALURU

RAKESH NAIK
11 SSB
ALLAHABAD

PRASHANT UPADHYAY
34 SSB
ALLAHABAD

SUKHPREET
34 SSB
ALLAHABAD

PARMEET KAUR
33 SSB
BHOPAL

BHAWNA
11 SSB
ALLAHABAD

AYUSH
32 SSB
JALANDHAR

SUMANT RAI
17 SSB
BENGALURU

PRIYANSHU
22 SSB
BHOPAL

TUSHAR YADAV
18 SSB
ALLAHABAD

SANKALP
31 SSB
BHOPAL

NILESH DABRAL
31 SSB
JALANDHAR

MALVIKA MAROLIA
4 AFSB
VARANASI

RANVIJAY RATHORE
4 AFSB
VARANASI

EALEEN
4 AFSB
VARANASI

ANURAG
5 AFSB
GUWAHATI

MEGHA MALVI
4 AFSB
VARANASI

ATUL DAHIYA
1 AFSB
DEHRADUN

SAKSHAM YADAV
5 AFSB
GUWAHATI

ADITYA TRIPATHI
4 AFSB
VARANASI

ANIMESH NARAYAN
4 AFSB
VARANASI

SANKET SARANGI
22 SSB
BHOPAL

RAZA MURAD
21 SSB
BHOPAL

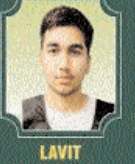
LAVIT
NSB
VISAKHAPATNAM

ADARSH RAI
NSB
VISAKHAPATNAM

KULDEEP
5 AFSB
GUWAHATI

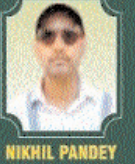
NIKHIL PANDEY
5 AFSB
GUWAHATI

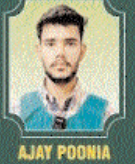
AJAY POONIA
NSB
VISAKHAPATNAM

ADMISSIONS OPEN : 2026-27
NDA-CDSE-SSB

'ड्रीमर्स' देश का सबसे सफल कोचिंग संस्थान।
सीटें सीमित हैं, आज ही अपनी सीट सुरक्षित करें

DREAMERS EDU HUB
DEHRADUN I SIKAR I LUCKNOW I JHUNJHUNU
H.O.: J.K. Tower, Sahastradhara Road, Dehradun (U.K.)

9429691488
9429691072
9403891887
(www.doondefencedreamers.com)

SCAN FOR DETAIL